ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोकायुक्त से बच निकले सीएम सिद्धरामैया पर ईडी का शिंकजा! @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 22 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-52

हर क्षेत्र में बेहतरीन नेतृत्व का विकास समय की मांग : मोदी

अंतरराष्ट्रीय संस्थान केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और इस गति को बनाए रखने के लिए हर क्षेत्र में बेहतरीन नेतृत्व का विकास समय की मांग है।

राजधानी के भारत मंडपम में 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' (सोल) सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संस्थान केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, कुछ आयोजन ऐसे होते हैं, जो हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये कार्यक्रम भी ऐसा ही है। राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी है, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, जन से जगत...किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करना है, तो आरंभ जन से ही शुरू होता है। हर क्षेत्र में बेहतरीन नेतृत्व का विकास बहुत जरूरी है और यह समय की मांग है।

मोदी ने कहा कि सोल की स्थापना ङ्गविकसित भारतफ की विकास यात्रा में एक बहुत महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि आज हर भारतीय, 21वीं सदी के मविकसित भारतफ के लिए दिन-रात काम कर रहा है और ऐसे में 140 करोड़ लोगों के देश में भी हर क्षेत्र में और जीवन के हर पहलू में उत्तम से उत्तम नेतृत्व की जरूरत है।

उन्होंने कहा, भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और यह गति हर क्षेत्र में तेज हो रही है। इस विकास को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए, हमें विश्व स्तरीय नेताओं की आवश्यकता है। सोल संस्थान इस परिवर्तन में गेम-चेंजर हो सकते हैं। इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संस्थान केवल एक विकल्प नहीं हैं, बल्कि आवश्यकता हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रगति का लक्ष्य रखने वाले किसी भी देश को न केवल प्राकृतिक संसाधनों बल्कि मानव संसाधनों की भी आवश्यकता होती है और 21 वीं सदी में देश को ऐसे संसाधनों की आवश्यकता है जो नवाचार और कौशल को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकें।उन्होंने कहा, हर क्षेत्र में कौशल की आवश्यकता होती है और नेतृत्व विकास कोई अपवाद नहीं है। इसमें नई क्षमताओं की जरूरत है। हमें वैज्ञानिक रूप से नेतृत्व विकास में तेजी लानी चाहिए और सोल इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ▶10पर

पीएम मोदी मेरे बड़े भाई, मैं उनसे सीखने आया हूँ : शेरिंग तोबगे

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

नई दिल्ली में चल रहे सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना 'बड़ा भाई' बताया। उन्होंने कहा कि जब भी वो मोदी से मिलते हैं, उन्हें बहुत खुशी होती है और वो प्रेरित होकर अपने देश के लिए और मेहनत करने का मन बनाते हैं। भूटान के पीएम शेरिंग तोबगे ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मेंटर भी कहा और उनकी तारीफ में बोले कि सोल यानी स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप पीएम मोदी की सोच का नतीजा है। ये एक ऐसा मंच है जो सच्चे लीडर्स को तैयार करने और भारत को मजबूत बनाने में मदद करेगा। भूटान के पीएम ने कहा कि पीएम मोदी का विजन और मेहनत हर बार उन्हें प्रभावित करती है। भूटान के पीएम टोबगे ने हिंदी में कहा कि उनके लिए ये 'शानदार मौका' है, क्योंकि वे दुनिया के 'सबसे बड़े लीडर' पीएम मोदी से नेतृत्व सीखेंगे। उन्होंने कहा, मैं नेतृत्व पर कोई ज्ञान देने नहीं आया, बल्कि एक स्टूडेंट की तरह सीखने आया हूँ। मुझे नरेंद्र मोदी जैसे महान लीडर से सीखने का मौका मिला है, जो मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं ▶10पर

मेरे जैसे लाखों लोगों को आरएसएस ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की खुलकर प्रशंसा की. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 100 वर्ष पहले जिस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का बीज बोया गया था, वह आज एक वट वृक्ष के रूप में भारत की महान संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचा रहा है और यह उनका सौभाग्य है कि उनके जैसे लाखों लोगों को इस संगठन ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी है. दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि मराठी भाषा अमृत से भी बढ़कर मीठी है और वह इस भाषा को बोलने का प्रयास और इसके नए शब्दों को सीखने की कोशिश निरंतर करते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि आरएसएस के कारण ही उन्हें मराठी भाषा और मराठी परंपरा से जुड़ने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूरे ▶10पर

जी-20 की बैठक में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

राष्ट्रीय हित सबसे पहले

जयशंकर ने वैश्विक भूमिका पर भारत का पक्ष रखा

जोहानिसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका), 21 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर ने बीस देशों के समूह (जी-20) के विदेशमंत्रियों की बैठक में वैश्विक भूमिका पर भारत का पक्ष रखा। साथ ही अपने समकक्षों से मुलाकात भी की। एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय हित सबसे पहले है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि इस बैठक में इस बात का भी जिक्र हुआ कि वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति कठिन बनी हुई है। ऐसी स्थिति में जी-20 के दृष्टिकोण में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता एक सहमत एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने मध्य पूर्व, समुद्री सुरक्षा, यूक्रेन संघर्ष, इंडो-पैसिफिक और संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर भारत की स्थिति प्रस्तुत की।विदेशमंत्री ने कहा कि भू-राजनीति एक वास्तविकता है। मगर राष्ट्रीय हित पहले हैं। हम सभी के लिए पिछले कुछ वर्षों के कुछ सबक हैं। उन पर विचार किया जाना चाहिए। हम दुनिया को एक बेहतर जगह पर ले जाना चाहते हैं। इसलिए यह जरूरी है।

जयशंकर ने जी-20 सदस्य देशों के अपने समकक्षों से मुलाकात के फोटो भी साझा किए। उन्होंने रूस के विदेशमंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि सर्गेई से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की निरंतर प्रगति की समीक्षा की। रियाद बैठक सहित यूक्रेन संघर्ष से संबंधित हालिया घटनाक्रम पर चर्चा की। इससे पहले गुरुवार को विदेशमंत्री जयशंकर ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

जयशंकर ने चीन के विदेशमंत्री वांग यी और सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान समेत विश्व के कई नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पोस्ट में सिंगापुर के विदेशमंत्री विवियन बालाकृष्णन और ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा का भी जिक्र किया है। जयशंकर ने अपने इथियोपियाई समकक्ष गेडियन टिमोथिस से भी भेंट की। बीस देशों के समूह (जी-20) में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा यूरोपीय संघ शामिल हैं।

राष्ट्र की लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास चिंतनीय : धनखड़

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास चिंतनीय है और ऐसे प्रयासों की जड़ में जाकर इनका समूल नाश करना चाहिए।

श्री धनखड़ ने आज यहां वैश्विक मैडिटेशन लीडर्स के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास का अमेरिकी राष्ट्रपति का खुलासा चौंकाने वाला है।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। चुनावी प्रणाली को नुकसान पहुँचाने के प्रयास किये गये। इसके लिए भारी धनराशि दी गयी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से निपटने के लिए चाणक्य की नीतियों को अपनाना चाहिए। उनकी जड़ों तक जाना चाहिए और इसे समूल नष्ट करना चाहिए।

श्री धनखड़ ने कहा, हमें यह पता लगाना चाहिए कि वे कौन लोग हैं जिन्होंने इस प्रकार के कृत्य को स्वीकार किया। हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों पर इतना बड़ा कुठाराघात किया गया। उन ताकतों से मुकाबला करना हमारा राष्ट्रधर्म है। हमें उन्हें बेनकाब करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की पाँच हज़ार साल पुरानी संस्कृति है। भारत के सामने चुनौतियाँ हैं। ▶10पर

भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप

विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से हो रही फंडिंग की रिपोर्ट पर जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सरकार की ओर से भारतीय संस्थाओं और व्यक्तियों को धन मुहैया कराए जाने संबंधी रिपोर्टों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इस मामले में संबंधित विभाग और एजेंसियां गौर कर रही हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय संस्थाओं को धन मुहैया कराए जाने संबंधी रिपोर्टों से भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की चिंता उपजती है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग और एजेंसियां मामले पर गौर कर रही हैं। इस संबंध में अभी कोई सार्वजनिक टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। आने वाले दिनों में इस संबंध में और जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एलन मस्क और दक्षता विभाग की विदेशों में की गई फंडिंग कार्रवाई की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था कि भारत के मतदान में लोगों की भागीदारी बढ़ाने से अमेरिका का क्या लेना-देना है। उन्होंने संभावना व्यक्त की थी कि तत्कालीन प्रशासन भारत में किसी और (नरेन्द्र मोदी के अलावा) का चुनाव चाहता था। ट्रम्प के इस बयान के बाद से ही भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। ▶10पर

नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ के वीडियो हटाने के निर्देश

रेलवे ने एक्स को नोटिस जारी कर 288 लिंक हटाने को कहा

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। मामले में अब तक जांच रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन रेलवे ने एक फरमान जरूर जारी किया है।समाचार एजेंसी के अनुसार रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नोटिस जारी कर 288 वीडियोज लिंक हटाने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने 17 फरवरी को यह नोटिस भेजा था और एक्स को 36 घंटे में घटना से जुडे सभी वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया था।मंत्रालय के नोटिस में कहा गया कि यह नैतिकता के साथ एक्स के कंटेंट पॉलिसी के भी खिलाफ है। इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने से कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। अभी ट्रेनों में भारी भीड़ है, इसे देखते हुए रेलवे का ऑपरेशन भी प्रभावित हो सकता है।

दिसंबर में प्रत्यक्ष रूप से वीडियो हटाने का अधिकार मिलने के बाद कंटेंट को लेकर यह मंत्रालय की पहली बड़ी कार्रवाई है। हालांकि इस तरह का यह दूसरा मामला है। इससे पहले जनवरी में ही यूट्यूब और इंस्टाग्राम को भेजे गए नोटिस में भ्रामक और संवेदनशील-भड़काऊ जानकारी वाले कंटेंट को लेकर ▶10पर

ट्राई लैंग्वेज विवाद

विदेशी भाषाओं पर अत्यधिक निर्भरता खुद की भाषा को सीमित करती : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

ट्राई लैंग्वेज विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को लेटर लिखा। उन्होंने राज्य में हो रहे नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के विरोध की आलोचना की। उन्होंने लिखा, किसी भी भाषा को थोपने का सवाल नहीं है। लेकिन विदेशी भाषाओं पर अत्यधिक निर्भरता खुद की भाषा को सीमित करती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसे ही ठीक करने का प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषाई स्वतंत्रता को कायम रखती है और यह सुनिश्चित करती है कि स्टूडेंट अपनी पसंद की भाषा सीखना जारी रखें।धर्मेंद्र प्रधान ने अपने लेटर में मई 2022 में चेन्नई में पीएम मोदी के तमिल भाषा शाश्वत है के बायन का जिक्र करते हुए लिखा- मोदी सरकार तमिल संस्कृति और भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मैं अपील करता हूं कि शिक्षा का राजनीतिकरण न करें।

दरअसल, धर्मेंद्र प्रधान ने 15 फरवरी को वाराणसी के एक कार्यक्रम में तमिलनाडु की राज्य सरकार पर राजनीतिक हितों को साधने का आरोप लगाया था। तमिलनाडु सीएम ने कहा था कि तमिल लोग ब्लैकमेलिंग या धमकी सहन नहीं करेंगे। अगर राज्य को समग्र शिक्षा के फंड से वंचित किया गया, ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,820/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 99,980/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33^{0}

न्यूनतम : 23^{0}

महाराष्ट्र की महायुति सरकार में सबकुछ ठीक नहीं !

फडणवीस के साथ टकराव की अटकलों के बीच शिंदे ने कहा

'मुझे हल्के में मत लेना...'

मुंबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की महायुति सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा। इसके संकेत उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हालिया बयानों से मिलते हैं। सूत्रों की मानें तो शिंदे और मुख्यमंत्री फडणवीस के बीच कोल्ड वॉर की स्थिति है। इस बीच शुक्रवार को एकनाथ शिंदे ने एक बार फिर दो दिन पहले दिया अपना 'टांगा पलटने' वाला बयान दोहराया। नागपुर में पत्रकारों ने शिंदे से जब उनके इस बयान के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने कहा, ये तो मैंने पहले ही कहा है, जिन्होंने मुझे हल्के में लिया है... मैं एक कार्यकर्ता हूं, सामान्य कार्यकर्ता हूं। लेकिन बाला साहेब और दिघे साहेब का कार्यकर्ता हूं। ये समझ के मुझे सबने लेना चाहिए और इसलिए जब हल्के में लिया तो 2022 में टांगा पलटी कर दिया। सरकार को बदल दिया और हम आम जनता की इच्छाओं की सरकार लाए। इसलिए मुझे हल्के में मत लेना, ये इशारा जिन्हें समझना है वे समझ लें। उन्होंने आगे कहा, मविधानसभा में अपने पहले भाषण में मैंने कहा था कि देवेंद्र फडणवीस जी को 200 से ज्यादा सीटें मिलेंगी और हमें 232 सीटें मिलीं। इसलिए मुझे हल्के में न लें, जो लोग इस संकेत को समझना चाहते हैं, वे इसे समझें और मैं अपना काम करता रहूंगा।फ बता दें कि एकनाथ शिंदे हाल फिलहाल के दौरान सीएम फडणवीस द्वारा बुलाई गई बैठकों में शामिल नहीं हो रहे हैं। इससे दोनों के बीच टकराव की अटकलें लग रही हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले तीन-दलीय गठबंधन (भाजपा, शिवसेना, एनसीपी) द्वारा विधानसभा चुनाव में 288 सीटों में से 230 सीटें जीतने और प्रतिद्वंद्वियों को लगभग खत्म करने के ठीक तीन महीने बाद सत्तारूढ़ महायुति में दरार की चर्चाएं शुरू हो गई हैं, और कोई भी स्पष्टीकरण या दावा अटकलों को खत्म करने में मदद नहीं कर रहा है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल की टीम ने अब साधा चुप्पी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और उनकी टीम, जिन्होंने असंतुष्टों के एक समूह को संगठित किया था और राज्य भाजपा अध्यक्ष के पद से बी.वाई. विजयेंद्र को बदलने की मांग को लेकर दिल्ली तक मार्च किया था, अब चुप्पी साध ली है और यह कहने के दबाव से बचने की कोशिश कर रहे हैं कि आलाकमान का फैसला अंतिम है। यतनाल का गुट, जो मीडिया के सामने यह दावा कर रहा था कि यदि भाजपा अध्यक्ष पद का चुनाव होता है तो या तो मैं या हमारा गुट चुनाव लड़ेगा, हर गुजरते दिन के साथ अपना रुख बदल रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो, वे चुनावी मैदान से हट गए हैं, मानो युद्ध से पहले हथियार डाल रहे हों, और उन्होंने एक नया राग अलापना शुरू कर दिया है, यह कहते हुए कि वे अपने वरिष्ठों के निर्णयों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय अनुशासन समिति ने नोटिस जारी कर 72 घंटे के भीतर जवाब मांगा था। विद्रोही टीम अंततः हाईकमान के उस एक नोटिस से शांत हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के उम्मीदवार को लेकर भाजपा के बागी गुट में असमंजस की स्थिति शुरू हो गई है। विद्रोही गुट चुनाव लड़ने से पीछे हटने पर विचार कर रहा है। विद्रोही नेताओं की एक बैठक में इस बारे में महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इस पर अंतिम निर्णय आलाकमान के नेताओं द्वारा लिया जाएगा। लेकिन एक राय यह भी है कि फिलहाल उम्मीदवार उतारने का विचार त्याग देना ही बेहतर होगा। पार्टी के भीतर पूर्ण सहयोग की कमी और कुछ तटस्थ गुटों द्वारा समर्थन देने में अनिच्छा के कारण विद्रोही गुट ने पीछे हटने का निर्णय लिया। इसके अलावा आलाकमान की ओर से मिली कड़ी चेतावनी और यतनाल को दिए गए नोटिस ने भी बागी गुट को चिंता में डाल दिया है। यतनाल गुट पार्टी में तटस्थ गुट के समर्थन के बिना अकेले संघर्ष कर रहा है। विद्रोही गुट इस बात से भी निराश है कि उनके गुट को वरिष्ठों द्वारा बार-बार नजरअंदाज किया जा रहा है। विद्रोही गुट को यह भय भी सता रहा है कि यदि वे अपने वरिष्ठों और तटस्थ गुट के समर्थन के बिना आगे बढ़ेंगे तो उन्हें अपमान का सामना करना पड़ेगा। इस प्रकार, विद्रोही गुट ने तटस्थ रहने और स्वतंत्र रूप से काम करते हुए पार्टी में उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरा करने का निर्णय लिया है। भाजपा नेता यतनाल मैसूरु में मां चामुंडी के दर्शन करने गए हैं। विजयेंद्र के खिलाफ यतनाल की नाराजगी जारी है। वे केंद्रीय भाजपा से अनुशासनात्मक नोटिस मिलने के बाद दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान चामुंडी हिल्स पर विजयेंद्र के पक्ष में नारे लगे। विजयेंद्र के प्रशंसकों ने यतनाल के सामने नारे लगाए। जय विजयेंद्र और जय बीएसवाई के नारे भी लगाए गए। जय विजयेंद्र का नारा सुनकर यतनाल मीडिया को कोई प्रतिक्रिया दिए बिना चले गए।

लॉरी ने क्रूजर को टक्कर मारी

महाकुंभ से काशी जा रहे कर्नाटक के एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। वाराणसी के पास शुक्रवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में बीदर के पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान शहर के लाडगेरी निवासी लक्ष्मी (57), नीलम्मा (62), संतोषकुमार (45), सुनीता (40) और कलावती (40) के रूप में हुई है।

सुलोचना, सुजाता, कविता, अनीता, खुशी, गणेश, साई, भगवंत और शिवा घायल हो गए। कुंभ मेले के श्रद्धालुओं को ले जा रही एक क्रूजर वाहन शुक्रवार तड़के वाराणसी के रूपापुर के पास हाईवे के किनारे खड़ी एक ट्रक से टकरा गई, जिससे क्रूजर वाहन कुचल गया। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वे 18 फरवरी को बीदर से प्रयागराज के लिए निकले थे। जिला पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुंती ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब वे कुंभ मेले से लौट रहे थे और वाराणसी जा रहे थे। घायलों को इलाज के लिए बनारस के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 18 फरवरी को दो परिवारों के 12 सदस्य क्रूजर वाहन से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज गए थे। वहां पवित्र स्नान करने के बाद वे शुक्रवार सुबह करीब सात बजे काशी जा रहे थे। खबर मिलते ही मिर्जामुराद पुलिस मौके पर पहुंची और क्रूजर वाहन में फंसे पांच लोगों के शवों को बाहर निकाला। वाहन में सवार नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की खबर सुनकर बीदर के लाडगेरी में सन्नाटा छा गया।

शिवकुमार परिवार के साथ फिर विदेश रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार राजनीतिक मुद्दों की परवाह किए बिना अपने परिवार के साथ विदेश यात्रा पर निकल गए हैं। कांग्रेस में विभिन्न गरमागरम चर्चाएं चल रही हैं, जिनमें शहर में केपीसीसी में बदलाव और मुख्यमंत्री पद भी शामिल है। कुछ मंत्री दिल्ली तक का सफर तय करके खाली हाथ लौट आए।

स्थिति राजनीतिक रूप से अस्थिर प्रतीत होती है। लेकिन डी.के. शिवकुमार ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जो शुरू से ही शांत थे और अब वे विदेश दौरे पर गए हैं। वह अपने परिवार के साथ दुबई गए हैं और चार दिन की मनोरंजक यात्रा पर रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि वह कुछ निजी कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। हाल ही में वह और उनका परिवार उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुंभ मेले में गए थे। विधानमंडल का सत्र 10 दिन बाद शुरू होगा और इस बार पहले से कहीं अधिक गरमागरम चर्चा होने की संभावना है। भाजपा और जेडीएस जैसी विपक्षी पार्टियां मुद्दों पर चर्चा करने और सरकार की कमियों को गिनाने के लिए बैठकें कर रही हैं। लेकिन कांग्रेस में जवाबी कार्रवाई के लिए कोई तैयारी होने के संकेत नहीं हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया गिरकर घायल हो गए और एल-कुर्सी पर इधर-उधर घूम रहे हैं। अपने आराम के बावजूद वह बजट तैयारी बैठकों में शामिल रहे हैं। विधायक दल के नेताओं की अनुपस्थिति में, ऐसा माहौल है कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष हैं, को पार्टी को संगठित करना होगा। सूत्रों के अनुसार डी.के. शिवकुमार मंगलवार को विदेश से लौटने के बाद और बैठकें कर सकते हैं।

कलबुर्गी में 10 दिवसीय राष्ट्रीय सरस मेला 24 से

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कल्याण कर्नाटक में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए 24 फरवरी से कलबुर्गी में 10 दिवसीय राष्ट्रीय सरस मेला आयोजित किया जाएगा। यह बात राज्य के मेडिकल शिक्षा और कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका मंत्री और रायचूर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शरणप्रकाश आर. पाटिल ने कही। यहां शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि इस मेले में कर्नाटक सहित देश के 18 राज्यों की महिला स्वयं सहायता समूहों की 2,000 महिलाएं भाग लेंगी। दस दिनों तक राज्य के 230 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह अपने द्वारा उत्पादित एवं तैयार सामान बेचेंगे। कलबुर्गी और विजयपुर की खड़क रोटी, बीदर की बिदरी कला, कोप्पल की किन्नाल गुड़िया, आंध्र के तहरेवाड़ी खिलौने, सिक्किम की कसुती, तजावूर, पंजाब और दक्षिण भारत सहित 18 राज्यों की महत्वपूर्ण वस्तुएं और अन्य कढ़ाई कलाओं सहित विभिन्न वस्तुओं का प्रदर्शन और बिक्री की जाएगी। इससे इस क्षेत्र में स्व-सहायता रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सरस मेला, जो पिछली बार बेंगलूरु में आयोजित किया गया था, इस बार कलबुर्गी में आयोजित होगा। इस मेले का उद्घाटन जिला प्रभारी और राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर राज्य के विभिन्न विभागों के मंत्री, विधायक और सांसद सहित अनेक लोग उपस्थित रहेंगे।

अंजनशलाका प्रतिष्ठा निमित्त किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम के तत्वावधान में मरुधर रत्न आचार्य श्री रत्नाकर सूरीश्वरजी एवं श्रुतोपासक आचार्य रत्नसंचय सूरीश्वर जी की पावनिय निश्रा में श्री केसरिया आदिनाथ जिनालय की अंजनशलाका प्रतिष्ठा निमित्त भव्य नव्हाणिका सह पंचकल्याणक महामहोत्सव 9 मार्च से 17 मार्च 2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाएगा। इसी के तहत श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम ट्रस्ट मंडल के शांतिलाल श्रीश्रीमाल, मुकेश पुनमिया, अनुप श्रीश्रीमाल, संदीप खांटेड एवं अखिल भारतीय मूर्तिपूजक युवक महा संघ बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने श्री सीमंधर- शान्तिसूरी जैन संघ वी.वी.पुरम में सकल श्री संघ को प्रतिष्ठा आमन्त्रण पत्रिका, बैनर, तोरण, अष्ट प्रकारी सामग्री प्रदान कर आमंत्रित किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी। उन्होंने बताया कि श्री सीमंधर-शांतिसूरी जैन संघ के मीठालाल पावेचा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा हमारा संघ इस प्रतिष्ठा महोत्सव में हर कार्य में सहयोग व सेवा देने के लिये तैयार हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री माधव सेवा संघ एवं समस्त गौ सेवक द्वारा अत्तिबेले रोड स्थित नंदा नंदी गौशाला नेरलूर में आगामी गुरुवार को एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राजस्थान के भजन कलाकार ओम मुंडेल एवं अनिता जांगिड़ भजनों की प्रस्तुति देंगी। संघ के सदस्यों ने महेंद्र मुणोत को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।*

जाल में फंसकर तेंदुए की मौत

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के मुदिगेरे तालुक में बलुरु के पास एक कॉफी एस्टेट में जंगली सूअरों को पकड़ने के लिए कथित तौर पर लगाए गए जाल में फंसकर एक तेंदुए की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने शुक्रवार की सुबह तेंदुए को जाल में फंसा हुआ पाया। जाल से बाहर निकलने के प्रयासों के परिणामस्वरूप जानवर को कई चोटें आईं। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जब अधिकारी ट्रैंक्विलाइजर डार्ट दागने के बाद पशु चिकित्सक को बुलाने और जानवर को जाल से मुक्त करने की व्यवस्था करने की कोशिश कर रहे थे, तभी जानवर की मौत हो गई। अधिकारियों द्वारा एस्टेट के मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराए जाने की उम्मीद है।

कर्नाटक सरकार ने मंदिरों को दीपावली के दौरान गौ पूजा करने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुजराई विभाग ने एक परिपत्र जारी कर अपने अंतर्गत आने वाले मंदिरों को निर्देश दिया है कि वे कर्नाटक में दीपावली उत्सव के दौरान बलिपद्यामी के अवसर पर गौ पूजा (गाय की पूजा) करें। यह परिपत्र 13 फरवरी को जारी किया गया था।

परिपत्र में कहा गया है हिंदू धर्म में गाय को गौ माता (माँ) के रूप में माना जाता है और उसका सम्मान किया जाता है। हिंदू इस पशु की पूजा करते हैं और इसे विशेष दर्जा देते हैं। गाय से जुड़े धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना महत्वपूर्ण है। बलिपद्यामी के दिन, मंदिरों को गायों को नहलाना चाहिए, उन्हें फूलों, हल्दी और कुमकुम से सजाना चाहिए और गोग्रास के रूप में गुड़, चावल और फल चढ़ाना चाहिए। शाम को मवेशियों की पूजा करनी चाहिए। 2021 में भी इसी तरह का एक परिपत्र जारी किया गया था जब भाजपा सत्ता में थी। परिवहन और मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि परिपत्र में कुछ भी गलत या असामान्य नहीं है। पूजा पहले भी की जाती थी। हमें उस प्रथा को क्यों बदलना चाहिए? इसे जारी रहने दें। नवीनतम परिपत्र में मंदिरों को महिला भक्तों को हरी चूड़ियाँ और अर्शिना-कुमकुम देकर वरमहालक्ष्मी उत्सव मनाने का भी निर्देश दिया गया है। परिपत्र में मंदिरों को शिवरात्रि उत्सव के संबंध में रुद्राभिषेक/होम करने और धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता के. नीला ने गौ पूजा पर विशेष परिपत्र की आवश्यकता पर सवाल उठाया। जब भाजपा सत्ता में थी, तो सरकार ने ऐसे कई आदेश जारी किए थे। विडंबना यह है कि कांग्रेस की हरकतें धर्मनिरपेक्ष, वैज्ञानिक और संविधान समर्थक होने के उसके दावे का खंडन करती हैं।

सरकार ने कर न चुकाने पर संपत्ति जब्त करने की चेतावनी दी

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। संपत्ति कर संग्रह को कड़ा करने के लिए, कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक नगर पालिका कर (संशोधन) नियम, 1965 में संशोधन किया है, जिसके तहत स्थानीय निकायों को कर चूककर्ताओं की चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने और नीलाम करने का अधिकार दिया गया है। नए प्रावधानों के तहत, अनधिकृत संपत्तियों के लिए 'बी' खाता प्राप्त करने वाले संपत्ति मालिकों को लंबित करों का भुगतान न करने पर सख्त परिणाम भुगतने होंगे। डिमांड नोटिस के बाद, चूककर्ताओं के बैंक खाते, सोना, वाहन और यहां तक कि घर भी जब्त होने का जोखिम रहता है। बीबीएमपी के तहत पहले से ही लागू यह नियम अब राज्य भर के दूसरे दर्जे के शहरों और कस्बों तक विस्तारित होगा। कर संग्रह करने वाले अधिकारियों को भी जवाबदेही का सामना करना पड़ेगा। बकाया वसूलने में विफल रहने पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगेगा, जिससे स्थानीय अधिकारियों पर संग्रह लक्ष्य पूरा करने का दबाव बढ़ेगा। शुरुआत में, मसौदे में गैर-प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों के लिए जेल का प्रावधान शामिल था, लेकिन आंतरिक चर्चा के बाद इसे हटा दिया गया। कुल शहरी स्थानीय निकाय 316 हैं (जिनमें 11 नगर निगम, 60 नगर पालिकाएँ और 125 नगर पंचायतें शामिल हैं) जिनकी कुल संपत्तियाँ 58,02,657 हैं। इनमें से 20,59,618 ई-संपत्ति खाते बनाए गए हैं और 37,43,039 ई-संपत्ति खाते लंबित हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने संपत्ति मालिकों के लिए 'बी' खाता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए तीन महीने की समय सीमा जारी की है, जिसमें अनधिकृत लेआउट के लिए भविष्य में कोई छूट नहीं दिए जाने पर जोर दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य जवाबदेही को बढ़ावा देते हुए राजस्व बढ़ाना है, लेकिन इसने संपत्ति मालिकों के बीच चिंता पैदा कर दी है और वे सिर्फ 'बी' खाता रखने की पर्याप्तता और निहितार्थ पर सवाल उठा रहे हैं।

दपरे ने 20 ट्रिप्स के साथ 45,568 से अधिक यात्रियों को कुंभ पहुंचाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण-पश्चिम रेलवे ने तीन डिवीजनों में 20 ट्रिप्स के साथ उल्लेखनीय प्रदर्शन कर 45,568 से अधिक यात्रियों को कुंभ मेले में पहुंचाया। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने अपने तीन डिवीजनों- हुब्बल्ली, बेंगलूरु और मैसूरु में 20 यात्री ट्रिप्स का सफलतापूर्वक संचालन किया है, जिसके परिणामस्वरूप कुल 45,568 यात्रियों को कुंभ ले जाया गया। ये ट्रिप्स रेलवे की कार्यकुशलता को दर्शाती हैं और रेलवे को कुल 4,95,14,078 का राजस्व अर्जित हुआ। ये ट्रेनें अत्यधिक लोकप्रिय थीं, जिनकी औसत अधिभोग दर 143.8 प्रतिशत थी, जो इन सेवाओं की मजबूत मांग को दर्शाती है। यह उपलब्धि यात्रियों की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने और उच्च-गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान करने के लिए दक्षिण-पश्चिम रेलवे के समर्पण को दर्शाती है। इन विशेष ट्रिप्स ने यात्रियों को कुंभ मेले से जोड़ने में मदद की है, और सफल संचालन सभी के लिए एक सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण-पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दक्षिण-पश्चिम रेलवे ने अपने तीन डिवीजनों से ट्रेनों में सवार होने वाले यात्रियों को कन्नड़ सहित कई भाषाओं में कुंभ मेले के दिशा-निर्देशों वाली पुस्तिकाएँ भी जारी कीं। पुस्तिकाओं में कुंभ मेले के दौरान स्नान क्षेत्रों और ट्रेन सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई थी।

लोकायुक्त से बच निकले सीएम सिद्धरामैया पर ईडी का शिकंजा!

अपील दायर करने का फैसला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के अवैध भूमि अधिग्रहण मामले में लोकायुक्त जांचकर्ताओं से क्लीन चिट मिलने के बाद राहत महसूस करने के बावजूद, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को फिर से कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने लोकायुक्त जांच अधिकारियों की बी रिपोर्ट को चुनौती देते हुए बेंगलूरु के विशेष जनप्रतिनिधि न्यायालय या उच्च न्यायालय में अपील दायर करने का फैसला किया है। अगले सप्ताह, ईडी और स्नेहमयी कृष्णा दोनों अदालत में अलग-अलग अपील दायर करने वाले हैं। समझा जाता है कि वकील इसके लिए लोकायुक्त जांच अधिकारियों द्वारा बताए गए बिंदुओं का अध्ययन कर रहे हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अरविंद कामथ ने गुरुवार को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली एकल पीठ के समक्ष ईडी की ओर से दलीलें पेश करते हुए कहा कि लोकायुक्त जांचकर्ताओं ने पहले भी एक मामले में दी गई क्लीन चिट पर सवाल उठाए थे।

इसलिए यह तय है कि आने वाले दिनों में ईडी के अधिकारी हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। मुख्यमंत्री की पत्नी ने मुडा को 14 भूखंड लौटा दिए हैं। उन स्थलों पर जेट विमान की गति से पुनः कब्जा कर लिया गया। अगर आम लोग चले गए तो कम से कम एक महीने तक कोई काम नहीं होगा। यदि मुख्यमंत्री की पत्नी अनुरोध करती हैं तो काम तुरंत हो जाता है। जब मामला दर्ज किया गया था, तब 14 भूखंड मुख्यमंत्री की पत्नी के कब्जे में थे। इसकी जांच होनी चाहिए क्योंकि यह अपराध की कमाई है। ईडी ने समन में कोई आरोप नहीं लगाया है, उसने इसे जानकारी के लिए जारी किया है। लोकायुक्त पुलिस ने संभवतः बी रिपोर्ट दायर की होगी। लेकिन अदालत ने अभी तक बी रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने पीठ को समझाया कि ईडी को भी रिपोर्ट पर सवाल उठाने का अधिकार है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खुलासा किया है कि उसे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती के 14 भूखंडों के हस्तांतरण में कई अनियमितताओं के सबूत मिले हैं। इसमें कहा गया है कि जांच से पता चला है कि लगभग 700 करोड़ रुपये मूल्य के 1,098 भूखंडों को बेनामी और अन्य अनियमितताओं के जरिए अवैध रूप से आवंटित किया गया था। सूत्रों ने बताया है कि प्रवर्तन निदेशालय को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को 14 मुडा साइटों के हस्तांतरण में कई अनियमितताओं के सबूत मिले हैं। यह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के लिए एक जाल बन गया है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती के नाम पर किया गया भूमि परिवर्तन वैधानिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। साक्ष्यों से छेड़छाड़ के साक्ष्य मिले हैं। इससे पहले यह खुलासा हुआ था कि ईडी की जांच में कार्यालय प्रक्रियाओं के उल्लंघन, अनुचित पक्षपात, प्रभाव का प्रयोग और जालसाजी के साक्ष्य सामने आए थे। जब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को यह प्लॉट मिला, तो उनके बेटे यतीन्द्र मुडा भी इसके बोर्ड में थे। उनके पति सिद्धरामैया विपक्ष के नेता थे। जांचकर्ताओं का तर्क है कि ईडी की जांच से पता चला है कि सिद्धरामैया के साले मल्लिकार्जुन ने वह जमीन खरीदी थी, जहां मुडा द्वारा कुछ निर्माण कार्य किया जा रहा था। 2016 से 2024 तक मुडा में आयुक्त रहे अधिकारी 1,098 साइटों के दुरुपयोग की जांच जारी रखे हुए हैं। लोकायुक्त ने ईडी जांच एजेंसी को एक कानूनी रिपोर्ट सौंप दी है। इसके पास अदालत में रिपोर्ट पर सवाल उठाने का अधिकार है। ईडी विरोध आवेदन, यानी बी रिपोर्ट को स्वीकार न करने का आवेदन, दायर करके यही हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जबकि ईडी एक अलग आवेदन भी दायर करने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा, अगर हम यह कहकर जांच जारी रखेंगे कि बी रिपोर्ट जमा होने से हमारी जांच में कोई दिक्कत नहीं है, तो सबसे ज्यादा परेशानी सीएम और उनके परिवार को उठानी पड़ेगी। मैसूरु लोकायुक्त अधिकारियों ने मुख्यमंत्री सहित चार लोगों के खिलाफ सबूतों के अभाव में गुरुवार को जन प्रतिनिधि अदालत में जांच रिपोर्ट पेश की। सिद्धरामैया, उनकी पत्नी के भाई मल्लिकार्जुनस्वामी और भूस्वामी देवराज के खिलाफ लोकायुक्त में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, बेनामी संपत्ति लेनदेन निवारण अधिनियम और कर्नाटक भूमि अधिग्रहण अधिनियम सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच करने वाले मैसूरु लोकायुक्त जांच अधिकारी एसपी उदेश ने 27 खंडों में लगभग 11,200 पृष्ठों की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की। जांच रिपोर्ट में 50 लोगों के बयान शामिल हैं। रिपोर्ट के साथ कुछ दस्तावेज भी प्रस्तुत किये गये तथा रिपोर्ट प्राप्त होने पर अदालत ने सुनवाई 24 फरवरी तक स्थगित कर दी।

11,200 पृष्ठों वाली जांच रिपोर्ट सौंपी

इससे पहले लोकायुक्त ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के अवैध भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों को क्लीन चिट दे दी है, जिससे राज्य की राजनीति में भारी हलचल मच गई है। मामले की जांच करने वाले मैसूरु के लोकायुक्त एस.पी. उदेश ने गुरुवार को बेंगलूरु स्थित विशेष जनप्रतिनिधि न्यायालय के न्यायमूर्ति संतोष गजानन भट की पीठ को सीलबंद लिफाफे में लगभग 11,200 पृष्ठों की रिपोर्ट सौंपी। अदालत ने अगली सुनवाई आगामी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी है। पुलिस ने 50 लोगों के बयान दर्ज किए हैं और 27 खंडों वाली 11,200 पृष्ठों वाली जांच रिपोर्ट को बी रिपोर्ट बताया है। जांच में पाया गया कि साइट आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कोई भूमिका नहीं थी। इसके अलावा, आरोपों के समर्थन में साक्ष्य के अभाव के कारण बी-रिपोर्ट भी दायर की गई। लोकायुक्त ने इस संबंध में शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि सीएम सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती, उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी और सिद्धरामैया के बेटे यतींद्र के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला है। इससे पहले कर्नाटक लोकायुक्त ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों को क्लीन चिट दे दी है। सिद्धरामैया को मामले में पहला आरोपी बनाया गया था, जबकि उनकी पत्नी बी एम पार्वती और उनके साले मल्लिकार्जुनस्वामी को क्रमशः दूसरा और तीसरा आरोपी बनाया गया था। भूस्वामी जे देवराजू को चौथा आरोपी बनाया गया था। आरोपों में दावा किया गया था कि सिद्धरामैया ने 3.16 एकड़ भूमि के बदले में मुडा से अपनी पत्नी के नाम पर 14 साइटों का आवंटन धोखाधड़ी से हासिल किया। हालांकि, जांच के बाद लोकायुक्त ने सभी आरोपियों को गलत काम करने से मुक्त कर दिया। लोकायुक्त ने याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को एक नोटिस के माध्यम से यह निर्णय सुनाया, जिसमें उन्हें सूचित किया गया कि यदि वे निष्कर्षों को चुनौती देना चाहते हैं तो वे एक सप्ताह के भीतर मजिस्ट्रेट से संपर्क कर सकते हैं।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने केंद्र को फिर लिखा पत्र

भारतीय बाजार से दूषित इंजेक्शन वाली दवाओं को वापस लेने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान कर्नाटक में राज्य के बाहर के निर्माताओं द्वारा दूषित इंजेक्शन वाली दवाओं की बिक्री की ओर आकर्षित करते हुए, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मांग की कि केंद्र तुरंत पूरे भारत के बाजारों से ऐसी दवाओं को वापस ले। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को संबोधित पत्र में, राव ने बताया कि 1 जनवरी, 2025 से 16 फरवरी, 2025 के बीच, अन्य राज्यों में निर्मित नौ इंजेक्शन वाली दवाएं कर्नाटक सरकार की प्रयोगशालाओं में 'बांझपन परीक्षण' में विफल रहीं। इन दवाओं में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले डिक्लोफेनाक सोडियम, डेक्सट्रोज और कैल्शियम ग्लूकोनेट इंजेक्शन शामिल हैं। उन्होंने पत्र में दवाओं के विवरण के साथ-साथ बैच नंबर भी दिए। पत्र में कहा गया है इस सूची में पश्चिम बंगाल स्थित पश्चिम बंगा फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित कई इंजेक्शन शामिल नहीं हैं, जिनके दूषित इंजेक्शन के कारण कर्नाटक के बल्लारी जिले में पांच युवा माताओं की मौत हो गई। यह तीसरी बार है जब राव ने अन्य राज्यों के निर्माताओं द्वारा कर्नाटक में घटिया दवाओं की बिक्री के मुद्दे को उठाया है। उन्होंने नड्डा को पत्र लिखकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से न केवल कर्नाटक में, बल्कि पूरे देश में दवाओं की गुणवत्ता में

सुधार करने में मदद करने के लिए विधायी सुधार शुरू करने की पहल करने का आग्रह किया था। दिसंबर 2024 में, कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को पत्र लिखकर राज्य और केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला, कोलकाता द्वारा किए गए परीक्षण परिणामों में विसंगति की ओर इशारा किया था।

विभाग ने सीडीएल, कोलकाता द्वारा पश्चिम बंगाल फार्मास्यूटिकल्स को जारी किए गए मानक गुणवत्ता प्रमाणन की जांच की मांग की थी, जो कम्पाउंड सोडियम लैक्टेट इंजेक्शन आई.पी. (रिंगर लैक्टेट) का निर्माता है, जिसके कारण मातृ मृत्यु हुई। नवीनतम पत्र में, राव ने कहा है कि यद्यपि उन्होंने अपने विभाग को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने का निर्देश दिया है कि दूषित इंजेक्शन वाली दवाएँ अब कर्नाटक में नहीं बेची जाएँ, लेकिन इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि इन कंपनियों द्वारा निर्मित अन्य दूषित दवाएँ भारत के अन्य राज्यों में बेची जा रही हों। जैसा कि आप जानते हैं, इंजेक्शन वाली दवाएँ तीव्र देखभाल में उपयोग की जाती हैं, और इसलिए रोगियों के लिए उच्च जोखिम वाली होती हैं। इन दूषित दवाओं को दिए जाने वाले रोगियों के लिए 'जीवन या मृत्यु' के परिणामों को देखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप अपने अच्छे कार्यालयों का उपयोग करके यह सुनिश्चित करें कि इन कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले सभी उत्पाद भारत भर के बाजारों से वापस ले लिए जाएँ। इन कंपनियों को तब तक कोई और दवा बेचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि उनका केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस के अनुपालन के लिए निरीक्षण नहीं किया जाता है। इसके अलावा, उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से अनुरोध किया कि वे सभी राज्यों और केंद्रीय प्रयोगशालाओं के लिए एक ऐसी प्रणाली बनाएं, जिससे वे उन दवाओं के बारे में एक-दूसरे के साथ अलर्ट साझा कर सकें, जो गुणवत्ता परीक्षण में विफल रही हैं, खासकर उन विफलताओं के बारे में जो संभावित रूप से रोगियों के लिए गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का कारण बन सकती हैं।

सीसीबी ने ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर 55 लाख से अधिक मूल्य का नशीला पदार्थ जब्त किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने अलग-अलग ऑपरेशन में कई ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया है, और शहर में लाखों रुपये की नशीली दवाएं जब्त की हैं।

डीजे हल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा पर एक ऑपरेशन में, केरल निवासी को 523 ग्राम एमडीएमए क्रिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, करीब 55 लाख रुपये की कीमत के एमडीएमए क्रिस्टल के साथ दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं और प्रतिबंधित सामान की कुल कीमत करीब 55 लाख रुपये आंकी गई है। उन्होंने कहा कि अन्य तस्करों और उनके नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है। एक अन्य मामले में, सीसीबी ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया, जो एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था और उसके पास से 2.5 लाख रुपये मूल्य का 3.2 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया। इसके अलावा, अधिकारियों ने अलग-अलग छापों में 1,500 ट्रामाडोल टैबलेट और 870 इंजेक्शन बरामद किए।

आगामी बजट सत्र के संबंध में एक महत्वपूर्ण चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने शुक्रवार को विधान सौधा स्थित कार्यालय में आगामी बजट सत्र के संबंध में एक महत्वपूर्ण चर्चा की। सदन में प्रश्न पूछने, चर्चा किए जाने वाले मुद्दों और प्रस्ताव प्रस्तुत करने के संबंध में विधान परिषद के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई।

राज्य सरकार की भ्रष्टाचार, विफलता और जनविरोधी नीतियों को उजागर करने तथा आम लोगों की समस्याओं पर जवाब देने के लिए सदन में जोरदार विपक्ष संघर्ष करेगा। सभी सदस्यों ने इस पर गरमागरम चर्चा की और सरकार की अक्षमता के खिलाफ राज्य की जनता के लिए प्रभावशाली रुख अपनाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि, एन. रविकुमार, एस.वी. संकनुरा, के.एस. नवीन, डी.एस. अरुण, वाई.एम. सतीश, हेमलता नायक, गोपीनाथ रेड्डी, केशव प्रसाद और शांताराम सिद्दी उपस्थित थे।

निजी तौर पर नहीं चाहता कि भाजपा सत्ता में रहे

नितिन गडकरी प्रधानमंत्री बनें तो अच्छा होगा: संतोष लाड

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी देश के प्रधानमंत्री बनें तो अच्छा होगा, क्योंकि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को अभी चार साल और काम करना है।

शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा निजी तौर पर मैं नहीं चाहता कि भाजपा केंद्र में सत्ता में रहे। हालांकि, भाजपा को लोगों का जनादेश मिला है। देश की तरक्की के लिए प्रधानमंत्री को बदला जाना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि देश को एक व्यक्ति नहीं चला सकता। लोगों को पांच केंद्रीय मंत्रियों के नाम नहीं पता। मीडिया ने पीएम मोदी को हीरो बना दिया है। यहां तक कि दीपावली के त्योहार पर जलाए जाने वाले पटाखे भी चीन से आते हैं। मुझे आश्चर्य है कि 'मेक इन इंडिया' परियोजना का क्या हुआ? उन्होंने यह भी दावा किया कि रिपोर्टों से पुष्टि हुई है कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुंभ मेले का पानी प्रदूषित था। उन्होंने कहा पवित्र स्नान के लिए श्रद्धालुओं को जो सुविधाएं दी गईं, उनमें भेदभाव किया गया। अमीर श्रद्धालुओं के पास लाखों रुपये के टेंट हैं। गरीब श्रद्धालुओं को पवित्र स्नान के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है।

सरकार ने भगदड़ में मरने वालों की संख्या भी ठीक से नहीं बताई। इसके अलावा, दिल्ली में संसद से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने जिज्ञासावश भी वहां का दौरा नहीं किया। मुडा घोटाले पर उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को इस मामले में क्लीन चिट मिल गई है। यह न्याय की जीत है। देश में पिछड़े समुदाय से आने वाले एकमात्र मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को परेशान करने की भाजपा की कोशिश सफल नहीं हुई। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा मुडा

मामले में केवल 14 स्थलों पर चर्चा हुई। आवंटित 110 स्थलों पर चर्चा की जरूरत है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उनकी पत्नी और दो अन्य को मुडा द्वारा मुआवजा स्थलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा क्लीन चिट दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने गुरुवार को कहा कि यह मुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को बदनाम करने के लिए एक राजनीतिक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। महादेवप्पा ने कहा, हम जानते थे कि मुख्यमंत्री बेदाग निकलेंगे, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। सरकार को अस्थिर करने और कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के एकमात्र उद्देश्य से, केंद्र और राज्य में भाजपा ने कथित मामले को आगे बढ़ाते हुए साजिश रची, जबकि उन्हें पता था कि कानून का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है और राजनीतिक शक्तियों का कोई उपयोग नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, मैंने शुरू में ही यह कहा था और मेरा तर्क सही साबित हुआ है। कम से कम अब विपक्ष को मुख्यमंत्री के खिलाफ झूठा प्रचार बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई गलत काम न हो तो राजनीतिक कारणों से नेताओं को बदनाम न करें। जब गठबंधन सहयोगियों द्वारा मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि गठबंधन सहयोगियों के नेताओं को अपनी अंतरात्मा से सवाल करना चाहिए। विपक्ष ने सरकार को अस्थिर करने का हरसंभव प्रयास किया।

वे जांच से क्या उम्मीद कर सकते हैं

जब कानून का उल्लंघन और राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं हुआ तो वे जांच से क्या उम्मीद कर सकते हैं। भाजपा और जद-एस पर कथित मुडा मामले का इस्तेमाल मुख्यमंत्री पर हमला करने और उन्हें पद छोड़ने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी हिलाने की कोशिश की लेकिन कुछ हासिल नहीं हो सका क्योंकि सिद्धरामैया अपनी अंतरात्मा से मजबूत होकर उभरे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सिद्धरामैया अटकलों के बावजूद मुख्यमंत्री बने रहेंगे, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री को बदलने का सवाल ही नहीं उठता। पार्टी विधायकों ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें नेता चुना है। उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान ने सिद्धरामैया का समर्थन किया है।

मुडा घोटाला मामला : लोकायुक्त ने निष्पक्ष जांच की है: मंत्री सुरेश

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्री बिरथी सुरेश ने शुक्रवार को लोकायुक्त का बचाव करते हुए कहा कि लोकायुक्त पुलिस ने बिना किसी पूर्वाग्रह के मुडा वैकल्पिक स्थल आवंटन मामले में निष्पक्ष जांच की है और रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले तथ्यों की जांच की है। उन्होंने शुक्रवार को मैसूरु जिले के चामुंडी पहाड़ी के ऊपर चामुंडेश्वरी मंदिर और नंजनगुड में श्रीकांतेश्वर मंदिर का दौरा किया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कभी कोई गलती नहीं की है और वे कभी किसी अनियमितता में शामिल नहीं रहे हैं। राज्य के लोग अब सच्चाई जानते हैं। मैंने यह बात कही थी और विपक्षी नेताओं को इस संबंध में चामुंडी पहाड़ी पर एक प्रतिज्ञा (आने) करने के लिए आमंत्रित किया था। लेकिन वे नहीं आए। भाजपा नेताओं ने झूठ बोला

और मैसूरु-बेंगलूरु यात्रा आयोजित की। मुख्यमंत्री की पत्नी पर्वतम्मा (बी एम पार्वती) ने जमीन खो दी थी और उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के शासनकाल के दौरान मुआवजा मिला है। बस इतना ही। जब उनसे कथित मुडा घोटाले के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुडा द्वारा 50:50 के आधार पर वैकल्पिक साइट आवंटन के मामले में किसी को भी बख्शने का कोई सवाल ही नहीं है। पी एन देसाई आयोग द्वारा जांच पूरी होने के बाद हम कार्रवाई शुरू करेंगे। भाजपा शासन के दौरान अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के लिए सबसे अधिक संख्या में साइटें 50:50 के आधार पर दी गई हैं। मुडा की कुछ फाइलें ले जाने के आरोप के बारे में उन्होंने कहा मुडा की फाइलें कोई मुरमुरा नहीं हैं कि मैं उन्हें अपने साथ ले जाऊं। कौन सी रिपोर्ट कहती है कि फाइलें गायब हैं? क्या फाइलें ले जाना इतना आसान है? वे इतने प्रामाणिक तरीके से कैसे कह सकते हैं कि मैंने 141 साइटें लीं? यह संख्या किसने दी? तो हो सकता है कि आरोप लगाने वाले लोग फाइलें भी ले गए हों। मंत्री ने कहा हम देवराज मार्केट और लैंसडाउन की इमारतों को तोड़कर तय समय में नई इमारतें बनाएंगे। इसके लिए हमारे पास पहले से ही 100 करोड़ रुपये हैं। मार्केट में विक्रेताओं को बेदखल नहीं किया जाएगा। उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दुकानें दी जाएंगी।

राज्य सरकार को जागने की जरूरत

हम विश्वविद्यालयों को बंद नहीं होने देंगे: विजयेन्द्र

विजयेंद्र ने सरकार से किसानों की दुर्दशा पर ध्यान देते हुए पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने का आग्रह किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य सरकार को जागने की जरूरत है। हमें गारंटी के भ्रम से उबरना होगा और बिजली की समस्या से पीड़ित किसानों की पीड़ा को कम करना होगा। पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जानी चाहिए। यहां मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छह से सात घंटे पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने में असमर्थ है। किसानों को बिजली कब मिलेगी? ऐसा लगता है जैसे आपको कभी पता ही नहीं कि यह कब चला जाएगा। विभाग का कहना है कि वे रात 10 बजे से बिजली उपलब्ध कराएंगे। किसानों ने शिकायत की कि वे खेतों में काम कर रहे हैं, फिर भी उन्हें 12 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। उन्होंने किसानों को संकट में डालने के लिए सरकार की आलोचना की और कहा कि राज्य सरकार को बिजली की कमी होने पर अन्य राज्यों से खरीद की संभावना के लिए तैयार रहना चाहिए।

बिजली कटौती के कारण किसानों को और अधिक कठिनाई में नहीं धकेला जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि किसानों की समस्याओं का समाधान किया जाए। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु के प्रभारी मंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को एक बयान दिया था। उन्होंने कहा कि भले ही दो या तीन साल और बीत जाएं, भले ही भगवान स्वयं धरती पर अवतार ले लें, लेकिन वे बेंगलूरु को नहीं बचा पाएंगे। डी.के. शिवकुमार कांग्रेस पार्टी से हैं। वे यह कहकर सत्ता में आए थे कि वे बेंगलूरु को सिंगापुर बना देंगे। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि ये ऐसे मंत्री के मुंह से निकले शब्द हैं। कांग्रेस सरकार बेंगलूरु शहर में नाले को उसकी खूबियों के कारण बंद करने में असमर्थ है। बेंगलूरु में कोई विकास नहीं हुआ है। विधायकों को वेतन नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की बात करना दुखद है। उन्होंने बताया कि वे भारत को बेंगलूरु के नजरिए से देखते हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि डी.के. शिवकुमार के इस तरह के बयान से स्वाभाविक रूप से कई लोग परेशान होंगे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने एक गोलमेज बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में शिक्षाविदों, कई वरिष्ठ नागरिकों और जन प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने राज्य सरकार की कैबिनेट उप-समिति द्वारा अगले 5 वर्षों में 350 करोड़ रुपये का वित्त पोषण उपलब्ध कराने में असमर्थता के कारण 9 विश्वविद्यालयों को बंद करने के लिए प्रस्तुत रिपोर्ट पर आपत्ति जताई और कहा कि विश्वविद्यालयों को बंद करने का सरकार का निर्णय अवैज्ञानिक है। उन्होंने कहा कि यह एक मूर्खतापूर्ण निर्णय था। हमें इसके खिलाफ गैर-राजनीतिक आधार पर लड़ने की जरूरत है। विद्यार्थी परिषद ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। हम भाजपा भी इस संघर्ष का पूरा समर्थन करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि हम ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों का भविष्य बनाने वाले विश्वविद्यालयों को बंद नहीं होने देंगे। उन्होंने घोषणा की कि वे बड़े पैमाने पर लड़ाई लड़ने जा रहे हैं। ये विश्वविद्यालय एक जिला, एक विश्वविद्यालय की अवधारणा के तहत बनाए गए हैं। राज्य सरकार को वित्तीय संकट के आधार पर कोई अविवेकपूर्ण निर्णय नहीं लेना चाहिए। उन्होंने मांग की कि निर्णय को वापस लिया जाए।

भाजपा नेता ने सीएम के खिलाफ नए भूमि घोटाले का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वरिष्ठ भाजपा नेता एन आर रमेश ने कर्नाटक लोकायुक्त और राज्यपाल थावर चंद गहलोत के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से जुड़े एक अवैध भूमि विमुद्रीकरण मामले में शामिल हैं। रमेश ने लोकायुक्त एडीजीपी और डीआईजी सुब्रमण्येश्वर राव को शिकायत सौंपी, जिसमें सिद्धरामैया और मुडा के पूर्व अध्यक्ष सी बसवे गौड़ा पर निजी लाभ के लिए अपने पदों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने राज्यपाल से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच का आदेश देने का भी आग्रह किया है। रमेश के अनुसार, मुडा ने विजयनगर द्वितीय चरण लेआउट के विकास के लिए 1985 में हिंकल गांव, मैसूरु में सर्वेक्षण संख्या 70/4ए सहित भूमि का अधिग्रहण किया था। मूल मालिक सक्कम्मा को 22 नवंबर, 1985 को मुआवजा दिया गया था। हालांकि, रमेश ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया ने बाद में भूमि को पट्टे पर प्राप्त किया और 26 नवंबर, 1997 को उपमुख्यमंत्री, वित्त मंत्री और मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में कार्य करते हुए इसे अवैध रूप से अपने नाम पर पंजीकृत किया।

शिकायत में कहा गया है कि मुडा ने अधिग्रहित भूमि पर कानूनी रूप से चार प्लॉट - 3160, 3161, 3162 और 3163 - आवंटित किए थे, जिसमें प्लॉट नंबर 3161 सुंदर राज नामक व्यक्ति को आवंटित किया गया था। 80/120 फीट के इस प्लॉट को बाद में सिद्धरामैया ने 6.72 लाख रुपये में खरीद लिया। रमेश ने दावा किया कि इस खरीद से ठीक 20 दिन पहले, 23 अक्टूबर, 1997 को, मुडा के अध्यक्ष सी बसवे गौड़ा ने कानूनी मानदंडों का उल्लंघन करते हुए राज्य सरकार की मंजूरी के बिना सर्वेक्षण संख्या 70/4ए को अवैध रूप से डी-नोटिफाई कर दिया था। रमेश ने आगे आरोप लगाया कि मुडा आयुक्त ए एम कुंजप्पा ने 21 दिसंबर, 1995 को डी-नोटिफिकेशन के अनुरोध को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इसके लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद, बसवे गौड़ा ने कथित तौर पर राजनीतिक दबाव में भूमि को डी-नोटिफाई कर दिया। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि सिद्धरामैया ने भूमि अधिग्रहण के बाद उचित प्रक्रिया के बिना साइट पर सुंदर राज के कानूनी रूप से निर्मित घर को ध्वस्त कर दिया। इसमें आगे आरोप लगाया गया है कि उन्होंने बाद में 29 सितंबर, 2003 को संपत्ति को 1 करोड़ रुपये में बेच दिया। रमेश ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और अवैध भूमि अधिग्रहण का आरोप लगाते हुए गहन जांच की मांग की है।

केएसआरटीसी का निर्देश

सुनिश्चित करें कि केवल पुरुष ही अपने लिए आरक्षित सीटों पर बैठें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने अपने कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया है कि पुरुष यात्रियों के लिए आरक्षित सीटों पर केवल पुरुष ही बैठें।

शक्ति योजना के कार्यान्वयन के बाद, सरकारी बसों में महिला यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिसके कारण पुरुष यात्रियों को सीट नहीं मिलने की शिकायतें सामने आई हैं।

इसके जवाब में, केएसआरटीसी मैसूरु डिवीजनल कंट्रोलर ने हाल ही में एक आदेश जारी किया, जिसमें ड्राइवरों और कंडक्टरों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि पुरुषों के लिए आरक्षित सीटों पर महिलाएं न बैठें। यह निर्देश अब प्रकाश में आया है। यह आदेश विष्णुवर्धन एस नामक एक यात्री की शिकायत के बाद जारी किया गया था, जिसने कहा था कि मैसूरु शहर परिवहन बसों में पुरुषों के लिए आरक्षित सीटों पर महिलाएं बैठी हुई हैं, जिससे पुरुष यात्रियों को बैठने की जगह नहीं मिल पा रही है। निर्देश के अनुसार, सभी परिचालन इकाइयों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि पुरुष यात्रियों को उनके लिए आरक्षित सीटें आवंटित की जाएं। इसके अतिरिक्त, सभी ड्राइविंग स्टाफ को इस दिशानिर्देश का पालन करने और अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

कोर्ट ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश को सरकारी नियुक्तियों से रोकने के केंद्र के आदेश को किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पद्मराज नेमाचंद्र देसाई को तीन साल के लिए सरकारी नियुक्तियों से प्रतिबंधित कर दिया गया था। न्यायमूर्ति आर देवदास की अगुवाई वाली पीठ ने केंद्र सरकार के निर्देश को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया।

न्यायालय ने इससे पहले प्रतिबंध पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश पारित किया था। न्यायमूर्ति देसाई ने इस आदेश को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि उन्हें सरकारी नियुक्तियों से अनुचित तरीके से प्रतिबंधित किया गया है। उन्हें राज्य सरकार ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए जांच आयोग के एकमात्र सदस्य के रूप में नियुक्त किया था, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को आरोपी नंबर एक के रूप में नामित किया गया था। इस अवधि के दौरान, उन्हें केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के न्यायिक सदस्य के रूप में भी नियुक्त किया गया था। अपनी याचिका में न्यायमूर्ति देसाई ने कहा कि उन्होंने सीएटी पद के लिए अपनी ज्वाइनिंग तिथि को स्थगित करने की मांग की थी, क्योंकि वह पहले से ही कर्नाटक सरकार द्वारा सौंपी गई जांच में लगे हुए थे। हालांकि, उनके अनुरोध पर विचार करने के बजाय, केंद्र सरकार ने 7 नवंबर, 2024 को एक आदेश जारी कर उन्हें भविष्य की सरकारी नियुक्तियों से रोक दिया। उन्होंने तर्क दिया कि केंद्र सरकार ने न तो उन्हें नोटिस जारी किया और न ही कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी किए गए प्रतिबंध आदेश को पारित करने से पहले उनकी प्रतिक्रिया मांगी। न्यायमूर्ति देसाई ने निर्णय की वैधता पर सवाल उठाया। इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा, जिन्होंने अधिग्रहित भूमि के बदले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती बीएम को मुडा द्वारा 14 साइटों के आवंटन पर चिंता जताई थी, ने पहले न्यायमूर्ति देसाई को जांच पैनल से हटाने की मांग की थी। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में, उन्होंने तर्क दिया कि न्यायमूर्ति देसाई की नियुक्ति ने प्रतिबंध आदेश का उल्लंघन किया और उन्हें तत्काल हटाने की मांग की।

कृष्णा ने आगे आग्रह किया कि न्यायमूर्ति देसाई द्वारा संभाले गए सभी दस्तावेज सरकार को हस्तांतरित किए जाएँ और उन्होंने इस मामले को केंद्र सरकार तक पहुँचाने का इरादा जताया।

मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर दुर्घटना मामला

कैंटर ट्रक की तलाश में पुलिस का सघन अभियान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर की कार दुर्घटना में शामिल कैंटर ट्रक की तलाश में पुलिस ने छापेमारी तेज कर दी है। मंत्री हेब्बालकर और उनके भाई कांग्रेस एमएलसी चन्नाराज हट्टीहोली 14 जनवरी को कार दुर्घटना में घायल हो गए थे। कित्तूर के पास सड़क किनारे पेड़ से कार टकराने के बाद मंत्री की रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई थी। मंत्री को 13 दिन बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। अब तक की जांच में पता चला है कि वाहन पंजाब या हरियाणा से आया था। हिरेबागेवाड़ी टोल पर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने 60 कैंटरों की जानकारी मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 30 कैंटरों की जांच की जा चुकी है। बेलगावी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) भीमाशंकर गुलेड़ ने कहा कि पुलिस उस दिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाले सभी कैंटरों की जांच कर रही है। मंत्री के कार चालक ने कित्तूर पुलिस स्टेशन में हिट-एंड-रन का मामला दर्ज कराया है, जिसमें शिकायत में कहा गया है कि दुर्घटना कैंटर ट्रक चालक की तेज गति और ला-परवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। मंत्री हेब्बालकर के परिवार ने शुरू में कहा था कि एक कुत्ते के सामने आने के बाद चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और कार पेड़ से जा टकराई। बेलगावी के पास अंबाडगट्टी क्रॉस के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर गाड़ी चलाते समय, एक कैंटर लॉरी बिना संकेत दिए बाईं ओर से आई। कैंटर ने कार को हल्का सा टक्कर मारी। आगे की क्षति से बचने की कोशिश में, कार ने नियंत्रण खो दिया और सड़क के किनारे एक पेड़ से जा टकराई। ड्राइवर ने कहा कि कैंटर लॉरी का ड्राइवर वाहन को रोके बिना ही मौके से भाग गया।

बंदरगाह पर मछली पकड़ने वाली नाव में आग लगी, 15 लाख रुपये का नुकसान

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। बापूथोटा मछली पकड़ने के बंदरगाह पर पुल के पास खड़ी एक मछली पकड़ने वाली नाव में आग लग गई, जिसके परिणामस्वरूप कुल 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ। यह घटना मालपे के जनार्दन टी कंचन की स्वामित्व वाली 'रविप्रकाश' नामक एक छोटी ट्रॉल मछली पकड़ने वाली नाव पर हुई। स्थानीय मछुआरों ने आग को देखा, जिन्होंने तुरंत अधिकारियों को सूचित किया, जिससे एक बड़ी आपदा टल गई। नाव को बापूथोटा के पास मुहाने पर पार्क किया गया था, जब उसके चालक दल ने दिन के लिए मछली पकड़ना समाप्त कर दिया था। स्थानीय निवासियों और अग्निशमन विभाग ने तुरंत घटनास्थल पर प्रतिक्रिया दी और आग को बुझाने में कामयाब रहे। आस-पास लगभग 25 से 30 अन्य नावें खड़ी होने के बावजूद, बढ़ते समुद्र के स्तर ने आग को उन तक फैलने से रोकने में मदद की। रविप्रकाश नाव पूरी तरह से नष्ट हो गई, जिसमें मछली पकड़ने के जाल, 200 लीटर डीजल, जीपीएस उपकरण, एक मछली खोजने वाला यंत्र, जीवन रक्षक जैकेट, एक पानी की टंकी और कई अन्य बक्से थे। कुल नुकसान लगभग 15 लाख रुपये होने का अनुमान है।

पांच गारंटी एक राजनीतिक लाभ योजना है: बसवराज बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद बसवराज बोम्मई ने गारंटी की आलोचना करते हुए कहा कि यह राजनीतिक लाभ के लिए एक योजना है। यह लोगों और माताओं की आंखों में धूल झोंकने की योजना है। वे पूछते हैं कि गृहलक्ष्मी का पैसा वेतन है या नहीं। यह सम्मान का पैसा है। अगर यह हर महीने नहीं दिया जाता है, तो इसका मतलब है कि इसका सम्मान नहीं किया जाता है। राज्य सरकार लड़कियों का सम्मान करने में विफल रही है। किसी भी महीने गृहलक्ष्मी का पैसा ठीक से नहीं आया है। राज्य सरकार की वित्तीय व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। हालांकि, सीएम अहंकार के कारण इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। यहां शुक्रवार को पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा केवल गारंटी ही नहीं, बल्कि किसी भी विकास परियोजना के लिए पैसा नहीं है। ऋण आधारित परियोजनाओं को छोड़कर, कुछ भी नहीं है। उन्होंने पेयजल परियोजना के लिए पैसा न देकर लोगों को परेशानी में डाल दिया है। आम लोगों के इस्तेमाल की सभी चीजों के दाम बढ़ गए हैं। वे कर वसूलने और गारंटी के रूप में उसे वापस करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, राज्य सरकार इस मामले में पूरी तरह से विफल रही है। कांग्रेस अपनी प्रशासनिक विफलता को छिपाने के लिए उदयनगर दंगों और मैसूरु में आंतरिक अशांति की बात कर रही है। वह विकास नहीं करना चाहती। इसलिए वह हिजाब की बात कर रही है। हिजाब के मुद्दे पर हाईकोर्ट ने आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में मामला है। 1980 की शिक्षा नीति के अनुसार यूनिफॉर्म को स्वीकार किया गया है। हालांकि, हिजाब को लागू करने की योजना बनाई जा रही है। कुछ संगठन हिजाब लागू करने के लिए आगे आए हैं और सरकार उनका समर्थन कर रही है। विश्वविद्यालय सफेद हाथी बन गए हैं। सैकड़ों करोड़ खर्च किए जाते हैं। लेकिन, परीक्षाएं और शोध गतिविधियां ठीक से नहीं हो रही हैं। वे भ्रष्टाचार के अड्डे बन रहे हैं। इन्हें ठीक करने के बजाय वे विश्वविद्यालयों को बंद कर रहे हैं। स्थानीय छात्रों को बहुत कम खर्च में शिक्षा प्रदान की जा रही थी। उनके भविष्य पर कुठाराघात किया गया है। उन्होंने कहा कि नए विश्वविद्यालयों को बंद नहीं होने दिया जाएगा।

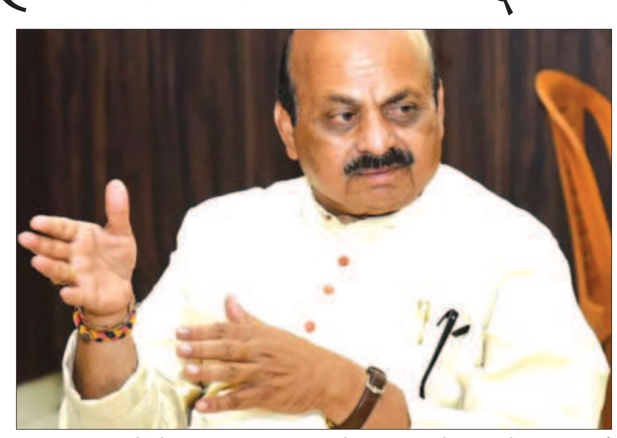

यूएसएड मामले में कांग्रेस का अपने दुष्कर्मों पर पर्दा डालने का प्रयास : भाजपा

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तथाकथित फैक्ट चेकरों और कांग्रेस द्वारा अमेरिका के यूएसएड एड को भारत के बजाय बंगलादेश भेजे जाने का प्रचार किये जाने की निंदा करते हुए शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस अपने दुष्कर्मों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस और संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के देश विरोधी बयानों और कार्यों को सबूतों के साथ पेश करते हुए प्रश्न उठाए। श्री भाटिया ने कहा कि श्री गांधी ऐसे कृत्य इसलिए करते हैं क्योंकि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नफरत करते-करते भारत और इसके नागरिकों से भी नफरत करने लगे हैं।

श्री भाटिया ने कहा, विपक्ष, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का भारत विरोधी चरित्र बेहद चिंताजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक वक्तव्य दिया कि यूएसएड की फन्डिंग के माध्यम से भारत की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया जा रहा था। लोकसभा चुनाव से पूर्व भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ-साथ कई देश प्रेमी पत्रकारों और संगठनों ने यह बात उठाई कि विदेशी शक्तियां भारत की चुनावी प्रक्रिया में यह सोच के हस्तक्षेप करती हैं कि कैसे देश का गौरव एवं विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता श्री मोदी को सत्ता से हटाया जाए।

उन्होंने कहा, भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु देश है, जहां किसी विदेशी ताकत को आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। यह तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब विपक्ष के नेता श्री गांधी, जिन्होंने संविधान की शपथ ली है, देशविरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाते हैं। श्री मोदी को यह भारत विरोधी लोग अपनी बची-खुची लोकप्रियता से हरा नहीं सकते, इसलिए ये विदेशी शक्तियों का सहारा लेते हैं। श्री मोदी के नेतृत्व में भारत को एक मजबूत, सशक्त और अटल नेतृत्व मिला है, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी को स्वीकार नहीं है। इसी कारण वे भारत के लोगों और संविधान के साथ विश्वासघात करने से भी नहीं हिचकते।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में जो स्थिरता आई है, उसे आज पूरा विश्व और भारत की जनता देख रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी को यह पसंद नहीं, क्योंकि उन्हें भ्रष्टाचार और दलाली की आदत पड़ चुकी है। अगर कोई यह मानता है कि कांग्रेस पार्टी और श्री गांधी केवल श्री मोदी से नफरत करते हैं, तो यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि वह हर उस भारतीय नागरिक से नफरत करते हैं जो अपने मताधिकार का प्रयोग करके एक सशक्त सरकार चुनता है।

श्री भाटिया ने कहा कि जब श्री ट्रम्प का भारत में चुनावी हस्तक्षेप को लेकर बयान सामने आया, जिसमें कहा गया कि 2.1 करोड़ डॉलर की मदद से श्री मोदी को सत्ता से बाहर करना था, तो कुछ अखबार और मीडियाकर्मी इस तथ्य पर पर्दा डालने का प्रयास करने लगे। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी की जिम्मेदारी है कि वह देश के समक्ष वास्तविक तथ्य रखे। सबसे पहला तथ्य यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत में विदेशी हस्तक्षेप की जानकारी दी है, और उनसे बेहतर किसी को इसकी सटीक जानकारी नहीं हो सकती। गांधी परिवार के चाटुकार इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद से ही उन्हें बचाने के लिए अलग-अलग दलीलें दे रहे हैं। दूसरा तथ्य यह है कि अमेरिका की एक एजेंसी, डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट इफिशिएंसी, ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की, जिसमें एक वक्तव्य भारत के संदर्भ में भी था। इसमें उल्लेख किया गया कि भारत में 2.1 करोड़ डॉलर की सहायता वोटर टर्नआउट के लिए दी जा रही थी, और यह अमेरिकी सरकार के वेरिफाइड एक्स हैंडल से जारी किया गया बयान था।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा,जिन तथाकथित फैक्टचेकरों के तार गांधी परिवार से जुड़ते हैं उनका काम फैक्ट चेक करना नहीं है, बल्कि वो केवल राहुल गांधी के झूठ को सत्य बताकर आगे बढ़ाना है। इसीलिए आज सुबह से ही गांधी परिवार के फैक्टचेकर यह बताने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं कि 2.1 करोड़ डॉलर का भारत से कोई लेना देना नहीं है। आज कई ऐसे गंभीर प्रश्न हैं, जो यह साबित करते हैं कि राहुल गांधी देश से गद्दारी करते हैं और उनकी चुप्पी का केवल एक ही निष्कर्ष है कि राहुल गांधी ने कसम भले ही संविधान की ली हो लेकिन मन ही मन वो ठान चुके हैं कि उन्हें भारत के लोकतंत्र को कमजोर करना है।

इस पूरे प्रकरण में भी जॉर्ज सोरॉस का नाम सामने आया है, यानी राहुल गांधी और सोरॉस, यानि 'गान्डोस', भारत का ठेका लेना चाहते हैं। जब राहुल गांधी से सोरॉस पर सवाल किया गया तो उनके मुंह से एक जवाब नहीं निकला।

श्री भाटिया ने श्री गांधी की इल्हान उमर के साथ तस्वीर दिखाते हुए कहा, जिस-जिसको भारत से नफरत है, उससे राहुल गांधी को बहुत प्रेम है। राहुल गांधी अमेरिका में इल्हान उमर से मिले और उनका एजेंडा साफ था कि प्रधानमंत्री श्री मोदी को सत्ता से हटाना। खुद में दम-खम नहीं है इसलिए राहुल गांधी विदेशी शक्तियों का सहारा लेकर भारत को कमजोर करना चाहते हैं क्योंकि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत मजबूत हो रहा है। जब राहुल से इल्हान उमर के साथ हुई मुलाकात पर प्रश्न किया गया तो उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया।

श्री भाटिया ने श्री गांधी के साथ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लोगों की तस्वीर को दिखाते हुए प्रश्न किया, जब राहुल गांधी से पूछा गया कि उनका चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ क्या एमओयू साइन किया गया था तो उसपर आज तक उत्तर नहीं दिया गया। दो दिन पूर्व सैम पित्रोदा ने कहा था कि चीन भारत का दुश्मन नहीं है, सैम पित्रोदा यह सब तब ही बोलते हैं जब राहुल गांधी इशारा करते हैं। जॉर्ज सोरॉस, इलहान उमर, चीन के साथ एमओयू और अब चीन के समर्थन में बयान देना, यह सब कड़ियां जुड़ती जा रही हैं। विदेशी ताकतों को एक जुट और एक्टिव करने वाला एक ही गद्दार है और वो है राहुल गांधी।

श्री भाटिया ने कहा कि एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि श्रीमती सोनिया गांधी एफडीएलएपी फेडरेशन की सह अध्यक्ष थीं, भाजपा ने प्रश्न किया कि जब वह उस संस्था की अध्यक्ष थीं तब प्रस्ताव पारित हो रहे थे कि कश्मीर स्वतंत्र क्यों न हो? भाजपा भारत की अखंडता को मजबूत करने के लिए अनुच्छेद 370 को हटाती है और श्रीमती गांधी देश से गद्दारी करके एक ऐसी बैठक की अध्यक्षता करती हैं जिसमें यह प्रस्ताव पारित होता है कि कश्मीर को देश से अलग हो जाना चाहिए। लेकिन इस प्रश्न का भी कोई उत्तर नहीं मिला? सोनिया गांधी बताएं कि क्या अब भी वो इस संस्था की अध्यक्ष हैं और क्या इस तरह का कोई प्रस्ताव पारित हुआ था?

जब अनुच्छेद 370 संशोधित हुआ तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव रखा, उसके डोजियर की तस्वीर दिखते हुए श्री भाटिया ने कहा, उसपर राहुल गांधी का वक्तव्य लिखा हुआ था। राहुल गांधी का वक्तव्य भारत को मजबूत करने के लिए नहीं बल्कि पाकिस्तान के केस को मजबूत करने के लिए इस्तेमाल हुआ। आज से कुछ वर्षों पूर्व मणिशंकर अय्यर ने श्री मोदी को हराने के लिए पाकिस्तान से मदद मांगी थी। इन सब के तार गांधी परिवार के, नकली गांधियों, सोनिया और राहुल गांधी तक जाते हैं।

उत्तराखंड: सख्त भू-कानून संशोधन विधेयक पारित

अनियंत्रित भूमि खरीद पर लगेगी रोक राज्य का मूल स्वरूप रहेगा सुरक्षित

देहरादून, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड विधानसभा में शुक्रवार को भू-कानून को अधिक सशक्त करते हुए ऐतिहासिक संशोधन विधेयक पास किया गया। देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संतुलन और आमजन के अधिकारों की रक्षा हेतु सख्त भू-कानून आवश्यक था। यह कानून प्रदेश के हितों को सर्वोपरि रखते हुए अनियंत्रित भूमि खरीद-बिक्री पर रोक लगाएगा और राज्य के मूल स्वरूप को सुरक्षित रखेगा।

उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र में धामी सरकार ने भू कानून पास करा दिया है। उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था संशोधन विधेयक 2025 को सदन में पेश करने के महज 30 मिनट के बाद ही बिना विस्तृत चर्चा के विधेयक पास हो गया। जैसे ही स्पीकर ने विधेयक

पारित करने की घोषणा की सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर इसका स्वागत किया। विपक्षी कांग्रेस के सदस्यों ने विधेयक पर गहन चर्चा की मांग नहीं की। औपचारिकता के लिए बिल को प्रवर समिति को भेजने का प्रस्ताव दिया लेकिन संख्याबल के लिहाज से प्रस्ताव खारिज हो गया। इस तरह धामी सरकार भू कानून को पास कराने में सफल रही।

सीएम धामी ने सदन में उत्तराखंड भू कानून को लेकर उत्तर प्रदेश जमींदारी विधेयक 2025 सदन के पटल पर रखा। कानून में किए गए संशोधनों के बारे में जानकारी दी। सीएम धामी ने कहा कि उनकी सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिये हैं, जनभावनाओं के अनुरूप उत्तराखंड के संसाधनों को भू माफिया से बचाने के लिए कोशिशें की जा रही हैं। उत्तराखंड में पहाड़ी इलाकों के साथ ही मैदानी इलाके भी हैं, जिनकी भौगोलिक परिस्थितियां अगल अलग हैं। इसके साथ ही इन्वेस्टर्स को भी ध्यान में रखा जा रहा है। इन सभी मुद्दों को समाहित करते हुए सरकार ने भू सुधार की नींव रखी है। ये एक शुरुआत है। इसके बाद इसमें आगे भी काम किया जाएगा। सीएम ने कहा कि पिछले कुछ सालों में बाहरी लोगों ने जमीनें खरीदीं, जिसका उपयोग नहीं किया जा रहा था। इस कानून के लागू होने के बाद ये समस्या नहीं होगी। इससे भू माफिया को पहचानने में मदद मिलेगी। सीएम धामी ने कहा प्रदेश सरकार लगातार अतिक्रमण हटाने का काम कर रही है।

ईपीएस-95 पेंशनभोगियों को मांडविया ने दिया त्वरित कार्रवाई का भरोसा

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने ईपीएस-95 के पेंशनभोगियों का समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

श्री मांडविया ने शुक्रवार को यहां पेंशनभोगियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में कहा कि सरकार पेंशन सुधारों को लेकर प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि सरकार पेंशनभोगियों की मांगों को गंभीरता से ले रही है और जल्द ही बड़ा कदम उठाया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

है। जरूरी सुधारों पर तेजी से काम हो रहा है, जिसमें पेंशनभोगियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा सुविधाएं और उच्च पेंशन योजना की व्यापक समीक्षा शामिल है।

देशभर के 78 लाख ईपीएस-95 पेंशनभोगियों की मांगों पर श्री मांडविया ने सकारात्मकता से विचार करने का आश्वासन दिया। इन मांगों में न्यूनतम पेंशन बढ़ाने, पेंशनभोगियों और उनके जीवनसाथी के लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधा देने और उच्च पेंशन लाभ से जुड़े आवेदन में हुई त्रुटियों को सुधारने जैसी मांगें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने इन सभी मुद्दों के त्वरित समाधान का भरोसा दिया है।

ईपीएस-95 नेशनल एजिटेशन कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत ने बैठक के बाद बताया कि हाल ही में केंद्रीय श्रम मंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ हुई बातचीत में न्यूनतम पेंशन बढ़ाने का आश्वासन मिला था, लेकिन वर्ष 2025-26 के आम बजट में इस पर कोई घोषणा नहीं होने से पेंशनभोगियों में भारी निराशा है।

आतंकवाद का सामान्यीकरण ना करे बंगलादेश : भारत

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत ने बंगलादेश दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) को पुनः प्रासंगिक बनाने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और उसे दो टूक शब्दों में समझा दिया है कि उसे आतंकवाद का सामान्यीकरण नहीं करना चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की मस्कट में बंगलादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से मुलाकात में डॉ. जयशंकर ने श्री हुसैन के दक्षेस की बैठक बुलाने के आग्रह को दो टूक शब्दों में खारिज कर दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे जाने पर कहा, जहां तक सवाल है कि दक्षेस, चर्चा में आया या नहीं। हां, यह मामला मस्कट में विदेश मंत्री और बंगलादेश के विदेश सलाहकार की मुलाकात में बंगलादेश पक्ष द्वारा उठाया गया था। दक्षिण एशिया में हर कोई जानता है कि दक्षेस को बाधित करने के लिए कौन-सा देश और कौन सी गतिविधियां जिम्मेदार हैं।विदेश मंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि बंगलादेश को आतंकवाद का सामान्यीकरण नहीं करना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की हालिया टिप्पणियों के मुद्दे पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम उन मामलों पर ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियों को खारिज करते हैं जो भारत के लिए अस्वीकार्य हैं। हमने तुर्की के राजदूत के साथ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता पर इस तरह के अनुचित बयान अस्वीकार्य हैं। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। यह बेहतर होता कि भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद का उपयोग करने की पाकिस्तान की नीति, जो जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है, की निंदा की जाती।

ओडिशा के कलिंग इंस्टीट्यूट और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की एक नेपाली छात्रा की मौत और नेपाल के छात्र छात्राओं के साथ हुए व्यवहार के बारे में पूछे जाने पर श्री जायसवाल ने कहा, नेपाली छात्र की दुखद मौत से हम बहुत दुखी हैं।

हम अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। केन्द्र सरकार देश के सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों की उच्च प्राथमिकता, सुरक्षा, सुरक्षा और कल्याण प्रदान करती है। स्थिति के प्रकाश में आने के बाद से विदेश मंत्रालय ओडिशा सरकार और केआईआईटी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। हमने नेपाली प्राधिकरण के साथ भी निकट संपर्क बनाए रखा है।

लाल मिर्च उत्पादन लागत की समीक्षा होगी: शिवराज

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाल मिर्च उत्पादन लागत की समीक्षा होगी और खरीद सीमा को उत्पादन के 25 प्रतिशत से बढ़ाने के संबंध में भी प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

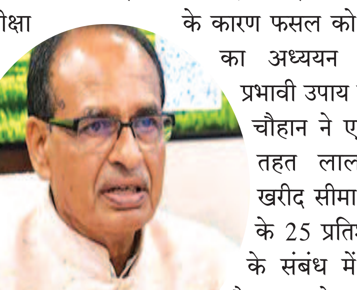

श्री चौहान ने शुक्रवार को यहां आंध्र प्रदेश के लाल मिर्च किसानों की समस्याओं पर एक समीक्षा बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधिकारी लाल मिर्च के उत्पादन लागत की समीक्षा करने के लिए आंध्र प्रदेश की यात्रा करेंगे और एक रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसके आधार वर्ष 2024-25 के दौरान बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के अंतर्गत लाल मिर्च के मूल्य कमी भुगतान के कार्यान्वयन के लिए आंध्र प्रदेश सरकार को राज्य उत्पादन का 25 प्रतिशत अग्रिम मंजूरी जारी किया जा सकेगा। आंध्र प्रदेश में मिर्च के खेतों का दौरा करने के लिए एक विशेषज्ञ दल जाएगा जो कीट संक्रमण के कारण फसल को हुए नुकसान का अध्ययन करेगा तथा प्रभावी उपाय सुझाएगा। श्री चौहान ने एमआईएस के तहत लाल मिर्च की खरीद सीमा को उत्पादन के 25 प्रतिशत से बढ़ाने के संबंध में भी प्रस्ताव तैयार करने को कहा है।

इसके अलावा आंध्रप्रदेश से लाल मिर्च के निर्यात के अवसरों का पता लगाने के लिए वाणिज्य मंत्रालय, एपीडा और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में निर्यातकों की बैठक शीघ्र ही आयोजित की जाएगी। इस बैठक में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू तथा केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी सहित केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी शामिल हुए।

सीएम ने किया पलटवार

दिल्ली को बैकफुट पर धकेलने वाले एक दिन में पूछने लगे सवाल

घोटालेबाजों का होकर रहेगा पर्दाफाश

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) की आलोचनाओं का जवाब देते हुए शुक्रवार को कहा कि सालों से दिल्ली को बैकफुट पर धकेलने वाले अब एक दिन में सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शपथ लेते ही पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत लागू कर हमने दिल्लीवासियों को उनका हक दिया है। इस हक को आआपा वालों ने वर्षों से रोक रखा था। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, 15 साल कांग्रेस, 13 साल 'आप-दा' दिल्ली को बैकफुट पर धकेलने वाले अब एक दिन में सवाल पूछ रहे हैं। शपथ लेते ही पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत लागू कर हमने दिल्लीवासियों को उनका हक दिया, जो आप-दा वालों ने वर्षों से रोक रखा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली को उसका हर अधिकार मिलना तय है।

कैग रिपोर्ट आने की जानकारी से घोटालेबाजों की बेचैनी बढ़ गई है लेकिन पर्दाफाश अब होकर रहेगा। गौरतलब है कि दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्यकाल के पहले दिन ही महिलाओं को 2500 रुपये महीना देने की योजना को लागू न करने का आरोप लगाया है। आतिशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, भाजपा ने वादा किया था कि पहली कैबिनेट बैठक में ही वे उस योजना को पारित करेंगे, जिसमें दिल्ली की महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। कांग्रेस पार्टी ने भी इसी तरह का सवाल खड़ा किया।

विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन सदन में बोले सीएम योगी

2029 तक यूपी 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा

लखनऊ, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन प्रश्नकाल के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार आई थी, तब राज्य की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपए थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 27.5 लाख करोड़ रुपए हो जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार 2029 तक उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग भारत को विकसित राष्ट्र नहीं मानते, वे उत्तर प्रदेश की आर्थिक वृद्धि पर भी सवाल उठाते हैं, भारत आज दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। हो सकता है कि कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा हो क्योंकि जिनका अपना पर्सनल एजेंडा होता है, वह देश के विकास को अच्छा नहीं मानेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि देश की अर्थव्यवस्था आज विश्व में पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है और 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि वर्ष 2029 में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी भी बनेगा और देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनेगा।

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया है। इन क्षेत्रों में

औद्योगिक विकास, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। प्रत्येक सेक्टर की मासिक समीक्षा की जाती है और मुख्यमंत्री स्वयं तिमाही समीक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपए के निवेश को जमीन पर उतारा जा चुका है। कई उद्योगों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। इस निवेश से 60 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। सीएम योगी ने कहा कि यह वही प्रदेश है जहां सीडी रेशियो 44 प्रतिशत था। आज यह 60 प्रतिशत क्रॉस कर चुका है। यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश का पैसा आज उत्तर प्रदेश में लग रहा है। यह रिजर्व बैंक की ही रिपोर्ट है कि पिछले पंचवर्षीय योजना के अंदर उत्तर प्रदेश देश का वो पहला राज्य है जिसने बैंको से सबसे अधिक लेन देन की है। जनधन अकाउंट उसके उदाहरण हैं। सीएम योगी ने कहा कि जिनका कभी बैंक में अकाउंट नही था आज उनके अकाउंट में लाखों रुपए उन बैंको में जमा है। आज उनके अकाउंट में लाखों करोड़ रुपए उन बैंकों में जमा है इस बात का उदाहरण है कि व्यक्ति की क्रय करने की सामर्थ भी और जमा करने की सामर्थ भी बड़ी है यह प्रधानमंत्री मोदी जी की विजन के कारण संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित करने वाला राज्य बन चुका है। पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण यह सेक्टर बदहाल हो गया था, लेकिन वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के माध्यम से इसे पुनर्जीवित किया गया। कोविड काल में वापस लौटे 40 लाख प्रवासी श्रमिकों की स्किल मैपिंग कर उन्हें एमएसएमई सेक्टर से जोड़ा गया, जिससे दो करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला। सीएम योगी ने बताया कि 24 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 'सीएम युवा उद्यमी योजना' शुरू की गई, जिसके तहत 5 लाख रुपए तक के बैंक ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा। योजना के पहले चरण में 5 लाख रुपए और दूसरे चरण में 10 लाख रुपए तक का ऋण दिया जाएगा। अब तक 96 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के किसानों की हालत 2017 से पहले बेहद खराब थी, लेकिन आज किसान आत्महत्या नहीं कर रहा, बल्कि अपनी उपज का डेढ़ गुना मूल्य पा रहा है। उन्होंने बताया कि धान की खेती में किसानों को प्रति क्विंटल 2300 रुपए मिल रहे हैं, जबकि लागत 1100 रुपए आती है। इसी तरह गेहूं पर भी सरकार किसानों को दोगुना मूल्य दे रही है। गन्ना किसानों के भुगतान को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज किसानों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान मिल रहा है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य बन चुका है और एथेनॉल उत्पादन में भी शीर्ष स्थान पर है।

जेल में बंद कैदियों ने भी त्रिवेणी के जल से स्नान किया

जेलों में भेजा गया संगम का जल, भाव विभोर हुए कैदी

महाकुंभ नगर, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज महाकुंभ में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए संगम आने वालों का आंकड़ा 59 करोड़ पहुंच गया है। इस अमृत काल में पुण्य की डुबकी से कोई छूट न जाए, सभी की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए योगी सरकार ने प्रदेश की जेल में बंद कैदियों के लिए भी बड़ी पहल की है। प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल और जिला जेल के हजारों कैदियों को भी इसका अवसर मिला। यह पावन अवसर पाकर कैदी भाव विभोर हो गए।

प्रयागराज महाकुंभ में पुण्य की डुबकी लगाने को उमड़ रहे आस्था के जन सैलाब ने अब तक के सभी पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

प्रशासन द्वारा आज जारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक महाकुंभ में करीब 59 करोड़ लोग संगम में पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं। योगी सरकार ने प्रदेश में जेल में बंद कैदियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए अब उन्हें भी इस पुण्य के भागीदारी बनने का अवसर दिया है। प्रदेश की सभी 62 जेलों के कैदियों ने त्रिवेणी के पुण्य जल से स्नान किया है। इसके लिए जेल के अंदर ही बड़े-बड़े हौज बनाए गए, जिसमें त्रिवेणी से लाया गया पवित्र जल मिलाया गया। इसी जल से स्नान कर जेल में बंद कैदी भी पुण्य के भागीदारी बने हैं। प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल में भी इसके लिए भव्य व्यवस्था की गई। नैनी जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल बताते हैं कि नैनी जेल में इस समय 1700 से कैदी है इन्हें 1400 से अधिक कैदियों को त्रिवेणी के पावन जल से स्नान का अवसर मिला है। शासन के निर्देश पर त्रिवेणी से एक कलश में वहां का पावन जल लाया गया।

जेल के अंदर विधि विधान से उसका पूजन किया गया और फिर इसी जल को जेल के अंदर बनाए गए कुंड में डाल दिया गया। इसी जल से जेल के कैदियों ने पुण्य स्नान किया है।

प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल के अलावा जिले की जिला जेल के बंदियों को भी अमृत काल में संगम के पुण्य जल से स्नान का पुण्य लाभ अर्जित करने का अवसर मिला। प्रयागराज जिला जेल की वरिष्ठ अधीक्षक अमिता दुबे बताती हैं कि जेल में वर्तमान में 1300 से अधिक बंदी हैं।

इनमें 1000 से अधिक बंदियों को महाकुंभ के जल से पुण्य स्नान के लिए व्यवस्था की गई।

संगम से लाए गए पवित्र जल को विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद उसी जल से कैदियों ने पुण्य स्नान किया है।

जेल में बंद इन कैदियों ने संभवतः कभी सोचा भी न होगा कि सलाखों के अंदर रहते हुए भी उन्हें 144 साल के इस दुर्लभ संयोग में त्रिवेणी के पावन जल में स्नान का अवसर मिल पाएगा। लेकिन प्रदेश की योगी सरकार ने कैदियों के लिए इसकी व्यवस्था कर दी।

इन कैदियों की त्रिवेणी में ले जाकर स्नान कराने की कानूनी और सुरक्षा की समस्याओं को देखते हुए जेल के अंदर ही इनके त्रिवेणी के पावन जल से स्नान की व्यवस्था की गई। जैसे ही त्रिवेणी से मंगवाए गए जल से इन कैदियों ने पुण्य स्नान किया कैदियों के हर हर गंगे के उद्घोष से पूरा जेल परिसर गूंज गया। उत्तर प्रदेश की जेलों में वर्तमान में लगभग 90 हजार बंदी निरुद्ध हैं।

पर्यावरण वैज्ञानिकों ने कहा संगम का जल स्नान योग्य

वैज्ञानिकों ने केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट पर उठाए सवाल

महाकुंभ नगर, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ में एक ओर देश-दुनिया के करोड़ों भक्त रोजाना त्रिवेणी संगम के पवित्र जल में स्नान करके खुद को धन्य मान रहे हैं, वहीं हाल ही में आई केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड की एक रिपोर्ट ने लोगों के मन में संदेह पैदा कर दिया था। इसी संदेह को देखते हुए देश के प्रख्यात वैज्ञानिक गंगा जल में स्नान को लेकर आई रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक तरफ उसे अपूर्ण बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर रिपोर्ट के अंशों को गलत ढंग के प्रसारित करने का संदेह जता रहे हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि नाइट्रेट और फॉस्फेट जैसे तत्वों का रिपोर्ट में उल्लेख नहीं है जो इसे अपूर्ण बनाती है। ऐसे में, केवल इस रिपोर्ट के आधार पर गंगा जल की गुणवत्ता पर सवाल उठाना ठीक नहीं रहेगा। वैज्ञानिकों ने संगम के जल को स्नान योग्य बताया है।

शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान स्कूल के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार मिश्रा, इलाहाबाद

विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर उमेश कुमार सिंह तथा दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर आरके रंजन ने एकमत स्वर में कहा कि मौजूदा रिपोर्ट के आधार पर भी गंगा जल क्षारीय है, जो कि स्वस्थ जल निकाय का संकेत है। जल में घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा के आधार पर इसे स्नान योग्य ही माना जाएगा।

प्रयागराज के पानी में फेकल बैक्टीरिया के संदूषण की रिपोर्ट पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान स्कूल के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार मिश्रा ने कहा कि हमें और अधिक डाटा सेट की आवश्यकता है। महाकुंभ में बहुत बड़ी संख्या में लोग स्नान कर रहे हैं। अगर आप कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की बात करें, तो यह कोई नई बात नहीं है। उनके अनुसार, अगर आप अमृत स्नान के चरम के डाटा को देखेंगे, तो आप पाएंगे कि उस समय ई.कोली बैक्टीरिया चरम पर होता है। इसलिए, निष्कर्ष रूप में, मैं कहूंगा कि हमें और अधिक डाटा सेट की आवश्यकता है। हमें और अधिक मापदंडों व अधिक निगरानी स्टेशनों की आवश्यकता है, खासकर धारा के नीचे। स्नान के उद्देश्य से, 3 माइक्रोग्राम प्रति लीटर सुरक्षित है और हम कह सकते हैं कि पानी नहाने के लिए अच्छा है। लेकिन अगर आप संगम घाट के डाटा में बदलाव देखें, तो आप पाएंगे कि यह 3 के आसपास उतार-चढ़ाव कर रहा है। कभी-कभी, यह 4, 4.5 हो जाता है। इसलिए मैं कहूंगा कि घुलित ऑक्सीजन का स्तर जो हम देखते हैं वह एक बहुत ही स्वस्थ जल निकाय का संकेत है और साथ ही अगर आप पीएच रेंज देखें, तो वे सभी क्षारीय पानी है, जो कि अच्छा माना जाएगा।

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में पानी की गुणवत्ता पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर उमेश कुमार सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने एक रिपोर्ट तैयार की, जिसमें पानी में फीकल कोलीफॉर्म (बैक्टीरिया) के बढ़े हुए स्तर की बात कही गई है। मेरा मानना है कि सीपीसीबी को रिपोर्ट पर और काम करने की ज़रूरत है, क्योंकि उनके पास पूरा डाटा नहीं है। उनके अनुसार, रिपोर्ट में नाइट्रेट और फॉस्फेट का स्तर गायब है। वहीं, रिपोर्ट में दिखाए गए अनुसार पानी में घुली ऑक्सीजन का स्तर अच्छा है। ऐसे में, मौजूदा डाटा के आधार पर, यह कहा जा सकता है कि त्रिवेणी संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त है।

प्रयागराज के गंगाजल में फीकल बैक्टीरिया के संदूषण की रिपोर्ट पर, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर आरके रंजन ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डाटा में काफ़ी अंतर है। यह निष्कर्ष निकालना कि पानी नहाने के लिए असुरक्षित है, दरअसल जल्दबाज़ी होगी। प्रयागराज के पानी में नहाने के लिए सुरक्षित नहीं है, यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त डाटा नहीं है। ऐसा ही दावा गढ़मुक्तेश्वर, गाजीपुर, बक्सर और पटना को लेकर भी किया गया है। उनके अनुसार, ऐसा होने के कई कारण हो सकते हैं। इसके पीछे एक कारण यह भी है कि बड़ी संख्या में लोग एक ही पानी में नहाते हैं। यह भी मायने रखता है कि जल का नमूना कहां से और कब लिया गया है।

महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान की तैयारी में जुटी योगी सरकार

महाकुंभ नगर, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

योगी सरकार आगामी 26 फरवरी को होने जा रहे महाशिवरात्रि के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान की तैयारियों में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुंभ नगर पहुंचकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि हम बेहतर यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन अंतिम स्नान के साथ ही सप्ताहांत यानी शनिवार रविवार के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। हम लगातार प्रयास कर रहे हैं कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।

सोशल मीडिया पर महाकुंभ को लेकर माहौल बिगाड़ने के कुत्सित प्रयास में लगे तत्वों पर भी योगी सरकार कड़ी नजर रख रही है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि हम लगातार इस पर नजर रख रहे हैं और हमने एफआईआर भी दर्ज की हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का

आश्वासन देते हुए कहा कि अबतक पचास से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने नाव से संगम घाटों का निरीक्षण किया और साफ-सफाई की व्यवस्था को परखने के साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बता दें कि पवित्र मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी के संगम तट पर आयोजित विश्व के सबसे बड़े धार्मिक-सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में अबतक करीब 59 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगा ली है। 13 जनवरी 2025 से शुरू हुआ महाकुंभ अब अपने अंतिम चरण में है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर आखिरी महत्वपूर्ण स्नान का आयोजन होना है, जिसे लेकर प्रदेश की योगी सरकार ने कमर कस ली है।

महाकुंभ में प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक लोग पहुंच रहे हैं। इनमें सनातन धर्म की विभिन्न शाखाओं, मत-सम्प्रदाय से जुड़े साधु-संतों सहित देश के हर कोने से आस्थावान सनातनी संगम में स्नान की कामना लेकर प्रयागराज पहुंचे। इसके अलावा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्री, भूटान नरेश, विदेशी राजनयिकों, देश के दिग्गज उद्योगपतियों समेत फिल्मी दुनिया के नामचीन सितारों ने भी संगम में आस्था की डुबकी लगाई है।

महाकुंभ में सफाई पर जोर, युद्ध स्तर पर जन और थल की सफाई जारी

महाकुंभ नगर, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ में स्वच्छता के नए प्रतिमान स्थापित कर रही योगी सरकार के कुशल प्रबंधन में अब तक 14 हजार मीट्रिक टन सॉलिड वेस्ट को सकुशल निस्तारित किया जा चुका है। सीएम योगी के स्वच्छ महाकुंभ के विजन को धरातल पर उतारते हुए मेला प्रशासन स्वच्छता प्रबंधन में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। महाकुंभ मेला क्षेत्र की स्वच्छता प्रमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि जब से मेला प्रारंभ हुआ है तबसे लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण निवासरत हैं, जबकि प्रतिदिन करोड़ों की संख्या में देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा रहे हैं। ऐसे में, स्वच्छता के उच्च प्रतिमानों को स्थापित करते हुए प्रतिदिन के आधार पर इसे पूरा करने पर मेला प्रशासन का फोकस है।

स्वच्छता प्रमुख (विशेष कार्याधिकारी) अकांक्षा राणा के अनुसार, यहां जितने भी लोग स्नान करते हैं उनकी धारणा है कि स्नान करने के बाद कपड़ों को घाट पर ही छोड़कर

नए वस्त्र धारण करके जाते हैं। इसके साथ ही साथ यहां पर बड़े स्तर पर भंडारे चलते हैं, फूड जोन हैं और लोग पैदल चलते हैं तो कचरा काफी रहता है।

ऐसे में, इस कचरे का निस्तारण रोजमर्रा की एक बड़ी चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इस कार्य को पूरा करने के लिए मेला जब प्रारंभ हुआ था उसी समय एक सैनिटेशन प्लान बनाया था उसमें सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के परिदृश्य को देखते हुए कुछ बिंदू रखे थे। सबसे पहले 120 टिप्पर्स व कॉम्पैक्टर्स क्रय किए गए थे। 25 हजार डस्टबिन भी क्रय किए गए थे जिसके जरिए प्रत्येक 50 मीटर पर डस्टबिन को रखा गया। इसमें लाइनर बैग लगाए जाते हैं जिसे प्रत्येक दिन 3 बार बदला जाता है। टिप्पर्स तथा ट्रॉली के माध्यम से कूडे को ट्रांसफर स्टेशन में भेजा जाता है। ट्रांसफर स्टेशन में यह सारा कूड़ा कॉम्पैक्टर में भर कर नगर निगम द्वारा संचालित वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट में प्रोसेसिंग होती है।

आंकड़ों के अनुसार, अभी तक 14 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा वेस्ट को इकट्ठा कर बसवार ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा

जा चुका है। 2019 से इसकी तुलना करें, तो यह 9 मीट्रिक टन था। जबकि, इस बार महाकुंभ में कुल मिलाकर 20 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा सॉलिड वेस्ट जेनरेशन का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि अत्याधुनिक आईसीटी-आधारित निगरानी प्रणाली को रीयल टाइम ट्रैकिंग के आधार पर मोबाइल बेस्ड एप द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसमें सभी सार्वजनिक शौचालयों को क्यूआर कोड को स्कैन कर रखरखाव को सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, स्वच्छाग्रहियों (स्वच्छता स्वयंसेवकों) ने इस ऐप के जरिए क्यूआर कोड स्कैन कर फीडबैक अपलोड किए जिसे कंट्रोल रूम द्वारा मॉनिटर कर समाधान उपलब्ध कराया जा रहा है। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को सफल बनाने के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने 5 करोड़ रुपए मूल्य की पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं (दोना पत्तल, कुल्हड़, जूट के थैले, कागज के गिलास) अखाड़ों, संस्थाओं और भंडारों में वितरित की हैं। वहीं, बैनर और होर्डिंग्स के लिए प्लास्टिक मुक्त ब्रांडिंग शुरू की गई तथा बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को प्रोत्साहित करने के लिए सख्त कदम उठाए गए।

मेला क्षेत्र में हाइजीन को मेंटेन करने और साफ-सफाई को सुनिश्चित करने के लिए मॉडिफाइड एडवांस ऑक्सिडेशन तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है जो गंधरहित प्रबंधन प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, क्लीनिंग एजेंट्स का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इस क्रम में, 39 हजार किग्रा मैलेथियन डस्ट, 70 हजार लीटर फिनायल कॉन्सन्ट्रेट, 1600 किग्रा से अधिक नेप्थलीन बॉल्स, 3.5 लाख किग्रा ब्लीचिंग पाउडर, 70.8 हजार लीटर से ज्यादा एसिड, हार्पिक तथा गंध नियंत्रण के लिए 95.85 लीटर सॉल्यूशन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

संपादकीय

हिस्सेदारी की सरहद

हिस्सेदारियों की सरहद पर फैसला हुआ भी तो क्या, हम तो सर्द हवाओं से बचने के लिए पहुंचे थे। पहाड़ को जानने की कोशिश जब न होगी, तब यूं ही मुकद्दर के पांव जख्मी होंगे। बात हिमाचल के जख्मी हालात की है, तो दर्द के लम्हें कैसे भरे जाएंगे। पूछता है हिमाचल कि आपदा राहत के पैमाने क्यों टूट रहे हैं, बार-बार। क्यों केंद्र की अंगुलियां मुक्का बन गईं, राहत का वार्तालाप सुनकर। कुछ अर्जियां सामने हैं, तो परियोजनाओं का सामान बिखरा है। ऐसे में अचानक रेल परियोजनाओं ने हिमाचल के आर्थिक कद से हिस्सेदारी को निचोडऩे की जिरह का प्रक्षेपण किया है। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू अपना हिसाब लेकर आए या केंद्र की बिसात पर भानुपल्ली-बिलासपुर, तलवाड़ा-नंगल और चंडीगढ़-बद्दी रेल परियोजनाओं का मूल उद्देश्य अब केंद्र के मानदंडों में उलझ गया है। कभी इन्हीं रास्तों पर अटल सरकार का औद्योगिक पैकेज आया था, तो आज रेल पैकेज क्यों नहीं। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री जरा जम्मू-कश्मीर से गुजरती पटरियों की ओर देखें कि उनकी लागत में देश की प्राथमिकताएं तो जिरह नहीं करती थीं। वहां तो किसी ने नहीं पूछा कि राज्य की भागीदारी कितने किलोमीटर चली। मसला पर्वतीय राज्यों का है तो यह हक उस मोहल्ले का भी है जहां परिवेश के मायने आर्थिक नहीं, पर्यावरणीय विकास है। अगर सारे मानक हिमाचल पर लाद कर पूछा जाता कि तुम चल कितने कोस सकते हो, तो शायद यह राज्य यहां नहीं पहुंचता। अगर तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार केंद्र की नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार से बिजली उत्पादन पर मुफ्त बिजली का अधिकार न पाते, तो आज राज्य के कोष में 1744 करोड़ न आते। बात राज्यों को नगीना बनाने की है और इसीलिए पिद्दी से हिमाचल को केंद्र से इतनी सडक़ें मिलीं कि यह पहाड़ी राज्यों का आदर्श बन गया। हिमाचल के हर कदम के साथ केंद्र का कदमताल था और यह बतौर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के बयान से भी जाहिर होता है। ऐसे में क्या हिमाचल खुशफहमी का शिकार है या डबल इंजन सरकार की दरकार है। अभी तो दो-ढाई साल गुजरे हैं, लेकिन अमानत में खयानत होगी, तो राजनीति का ढर्रा और बिखराव करेगा। हो हल्ला होना चाहिए, ताकि ऊर्जा का पता चले, मगर हर वाक युद्ध से फैसला हो, यह मुमकिन नहीं। केंद्र और राज्य के संबंधों में आ रही खटास के कारण अनेक हो सकते हैं, लेकिन इसकी कीमत हिमाचल की जनता चुका रही है। आपदा में अवसर खोजने के मायने अगर विद्रूप हो जाएंगे, तो हिमाचल की उफनती नदियां आहें भरेंगी और हम अपने डूबते मुस्तकबिल को कोसते रहेंगे। आखिर जनता तो देश की है। वह चाहे एक पल एक दल, दूसरे पल दूसरा दल हो जाए। इसी जनता के सामने अगर पहाड़ चीर कर वंदे भारत ट्रेन कश्मीर पहुंच जाए, तो वह यह भी चाहेगी कि बिलासपुर और इधर कांगड़ा, हमीरपुर और मंडी तक भी पहुंच जाए। अगर शिमला में कांग्रेस की सत्ता और कांग्रेस का रुतबा है, तो दिल्ली में लोकसभा और राज्यसभा के सातों भाजपाई सांसद भी तो इसी भूमिका में हैं। अगर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और रेल मंत्री रवनीत बिट्टू अपने आंकड़ों की गंभीरता और ईमानदारी का जिक्र हिमाचली सांसदों से कर पाएं, तो इस बहस में से 'खामख्वाह' का प्रसंग निकल जाएगा। अगर कांगड़ा-चंबा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज रेल मंत्रालय से वंदे भारत जैसी सेवाओं पर धार्मिक पर्यटन का नक्शा मुकम्मल करने की अरदास कर रहे हैं, तो यहां भी पूरे हिमाचल की संवेदना है। दूसरी ओर राज्यपाल के ओहदे के नीचे हिमाचल का इनसाफ और हिमाचलीयत का पैगाम अगर असर करता है, तो राज्य सरकार को भी अपने तरीकों को सुलह के अरमान देने चाहिएं। जिस संवाद की जरूरत राज्यपाल महसूस कर रहे हैं उसकी सिफारिश में अगर केंद्र को भी बताया जाए तो बात बननी चाहिए।

पहाड़ को जानने की कोशिश जब न होगी, तब यूं ही मुकद्दर के पांव जख्मी होंगे। बात हिमाचल के जख्मी हालात की है, तो दर्द के लम्हें कैसे भरे जाएंगे। पूछता है हिमाचल कि आपदा राहत के पैमाने क्यों टूट रहे हैं, बार-बार। क्यों केंद्र की अंगुलियां मुक्का बन गईं, राहत का वार्तालाप सुनकर। कुछ अर्जियां सामने हैं, तो परियोजनाओं का सामान बिखरा है। ऐसे में अचानक रेल परियोजनाओं ने हिमाचल के आर्थिक कद से हिस्सेदारी को निचोडऩे की जिरह का प्रक्षेपण किया है। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू अपना हिसाब लेकर आए या केंद्र की बिसात पर भानुपल्ली-बिलासपुर, तलवाड़ा-नंगल और चंडीगढ़-बद्दी रेल परियोजनाओं का मूल उद्देश्य अब केंद्र के मानदंडों में उलझ गया है। कभी इन्हीं रास्तों पर अटल सरकार का औद्योगिक पैकेज आया था, तो आज रेल पैकेज क्यों नहीं। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री जरा जम्मू-कश्मीर से गुजरती पटरियों की ओर देखें कि उनकी लागत में देश की प्राथमिकताएं तो जिरह नहीं करती थीं।

दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

ललित गर्ग

रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है।

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म

हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है। निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्राज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है। मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का। रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे। दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा।

दृष्टि कोण

चिट्टे की लत यानी मौत को दावत

हिमाचल प्रदेश में पिछले एक वर्ष में मादक पदार्थों और चिट्टे को लेकर पुलिस की दबिश बढ़ी है और बड़ी संख्या में ड्रग पेडलर्स, तस्कर और चिट्टा इस्तेमाल करने वालों के पकड़े जाने की खबरें आए दिन प्रिंट एवं सोशल मीडिया की सुर्खियां बनी हुई हैं। ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रदेश सरकार वास्तव में ही नशा तस्करों के खात्मे की ओर बड़ी तेजी से अग्रसर है और प्रदेश के युवाओं के हित में यह अनिवार्य भी है। हिमाचल में कुछ जिलों के पुलिस कप्तान भी नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ एक्शन लेते नजर आ रहे हैं जिनमें शिमला के एसपी संजीव गांधी का नाम प्रमुख है। लेकिन नशे के खिलाफ इस लड़ाई के दौरान शिमला पुलिस को उस वक्त जिला अदालत से मायूसी हाथ लगी जब चिट्टा तस्करी के मामले में हाल ही में शाही महात्मा गैंग के गिरफ्तार किए 46 आरोपियों में से अब तक 41 को जमानत दे दी गई। हिमाचल में नशा तस्करों ने हिमाचली युवाओं को नशे के दलदल में धकेलने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है क्योंकि इस धंधे में मोटा मुनाफा है। आज भी बड़ी संख्या में हिमाचल के गांवों और कस्बों में नशे की चपेट में आए युवाओं के कारण उनके परिवारों में बिखराव, तनाव और अराजकता का माहौल है और युवाओं को इससे बचाने के लिए यह बेहद आवश्यक है कि सरकार, पुलिस और प्रशासन नशीले पदार्थों एवं चिट्टा बेचने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन ले और हमारी जुडिशियरी भी समस्या की गंभीरता को समझे। यह बेहद चिंतनीय विषय है कि हिमाचल प्रदेश में ड्रग ओवरडोज से आए दिन युवाओं की मौतों के समाचार पढऩे-सुनने को मिलते रहते हैं। हालांकि नशे के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियानों के चलते पुलिस को खासी सफलता भी मिल रही है। इसकी तस्दीक खुद बीते छह महीनों के आंकड़े कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने प्रदेश भर के अलग-अलग हिस्सों से बीते छह महीने में ही करीब 50 करोड़ का चिट्टा पकड़ा है। पुलिस विभाग के आंकड़ों की बात करें, तो वर्ष 2016 में प्रदेशभर में विभिन्न मामलों में महज 634654 ग्राम चिट्टा बरामद किया था। सात सालों में तस्करी इतनी बढ़ गई कि वर्ष 2023 में पुलिस ने 14.705 किलोग्राम चिट्टा/हेरोईन बरामद की। नशे की जब्ती में वर्ष 2016 के मुकाबले वर्ष 2023 में 20 गुना से अधिक दर्ज की गई। इस नशे की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों में आंकी गई है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह भी मानते हैं कि मादक पदार्थों एवं चिट्टा का दुरुपयोग एक वैश्विक चुनौती बन गया है जिसके लिए कड़े उपायों की आवश्यकता है। इसके लिए राज्य सरकार व्यसन उपचार और करुणामय पुनर्वास कार्यक्रमों तक पहुंच का विस्तार करके दंडात्मक उपायों की तुलना में पुनर्वास को बढ़ावा दे रही है और हिम वीर एवं हिम दोस्त जैसी पहलों के साथ-साथ स्कूलों और कॉलेजों में राज्यव्यापी जागरूकता अभियान चलाकर सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाया जा रहा है। त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए, सरकार एनडीपीएस मामलों के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने और फास्ट ट्रैक जांच और अभियोजन पर ध्यान केंद्रित करने की योजनाओं पर भी काम कर रही है। चिट्टे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार सिक्किम की तर्ज पर एंटी ड्रग विधेयक लाने जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा भी नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) की शुरुआत 32 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के 272 जिलों के लिए की गई है, जिन्हें देश में नशीली दवाओं के उपयोग के मामले में सबसे कमजोर माना गया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किए गए राष्ट्रीय व्यापक सर्वेक्षण के अनुसार, देश में 60 मिलियन से अधिक नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में उपयोगकर्ता 10-17 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के जरिए युवाओं को नशे से दूर रखने और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने का प्रयास किया जाता है। इस अभियान के तहत नशे के खिलाफ शपथ दिलवाई जाती है, नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, नशे के खिलाफ खेलों का आयोजन किया जाता है। नशे के खिलाफ सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं और परिचर्चाएं आयोजित करना, मानव श्रृंखला बनाना, नुक्कड़ नाटक करना शामिल हैं। इस अभियान के तहत नारकोटिक्स ब्यूरो, राज्य और जिला सरकार, पुलिस, गैर सरकारी संगठन, अस्पताल वगैरह मिलकर काम करते हैं। नशा मुक्ति के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन 14446 की सुविधा है। नशा मुक्त भारत अभियान की वेबसाइट भी लॉन्च की गई है।

कुछ अलग

धुंध भरे बदलाव का इंतजार

कल तक जो आपके घर में दूध में पानी मिलाकर बेचते थे, उन्हें अगर आज मिलावट के विरुद्ध और कुपोषण के खिलाफ जंग छेड़ते देखते हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि आपके इलाके में जल संकट गहरा हो गया है और आपके दूध में भी पानी नहीं मिला पाते। दूध को गाढ़ा करने वाले पाउडर के दाम बढ़ गए हैं, इसलिए उनके मन में बिना मिलावट दूध बेचने का पुण्य कमाने का जज्बा पैदा हो गया है। आज शायद 'हींग लगे न फिटकड़ी रंग भी चोखा आए' का नया चलन पैदा हो गया है। अब दूध में पानी मिलाने का झंझट काहे पालना, जबकि इसके विरुद्ध विशुद्ध संस्कृति का नारा लगाने से ही आपकी नेतागिरी की पालकी को किराये के कहार उठा लेते हैं। दाम चुकाओं तो आज क्या नहीं मिल जाता। पहले किराये पर रैलियां सजती थीं, भीड़ जुटती थी, मंच सजते थे, मतदान बूथों के बाहर जाति और धर्म के नाम पर बिके वोटरों की कतारें सजती थी, अब तो बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया में सेंध लग जाती है। आपका व्हाट्सएप बिकने लगा। मोहल्ले में वोट मांगते नेता अब अपने जूते क्यों चटखायें, आपकी चिरौरी करते नज़र क्यों आएं? व्हाट्सएप से आपके मन और रुझान की खाना तलाशी करते हुए मनभावन घोषणाओं से अपने वोटरों का मन जीत लें, और राजनीति में वंशवादी परम्पराओं को स्थापित कर लें। बंधु, ज़माना बदल गया है। नई सदी ने नई समझ दे दी है। अब सदियों से पिछड़े हुए इस देश की गुरुतर आबादी को हर समस्या का हल वृहद परिप्रेक्ष्य में करना सीखना होगा। अब समझ का व्याकरण ही न बदलो, अपने नये शब्दकोषों में शब्दों के अर्थ भी बदल डालो। वर्तमान से असंतुष्ट लोगों को अतीत की गरिमा से सराबोर कर दो। आंकड़े बताते हैं कि मिलावटी दूध के कुपथ्य ने पांच साल की उम्र के आधे से अधिक और बारह साल की उम्र तक आधे से कम नौनिहाल मौत के या अपहरण के हवाले कर दिए, तो लोगों को वर्तमान के प्रति असंतोष की ज्वाला में दहकने न दो। बल्कि उन्हें बताओ कि हमारे यहां तो शुद्ध पवित्र वातावरण में काम धेनु गायों के मिल जाने की परम्परा है। इस देश में उसी परम्परा को जीवित करने का महती प्रयास हो रहा है। तब आम के आम और गुठलियों के दाम मिलेंगे। लेकिन बंधुवर, हथेलियों पर सरसों तो नहीं जमायी जा सकती न। देश में अतीत का वैभव लौटाने के लिए इंतजार करना ही होगा। इस देश में कामधेनु और कल्पवृक्ष का युग भी लौट कर आएगा। तब यह जीवन, समाज और गलत भौतिकवादी मूल्यों का गंदलापन छंट जाएगा। इन दिनों का इंतजार करो, तब तुम्हें नहीं कहना पड़ेगा कि 'हर शाख पर उल्लू बैठे हैं, इस चमन का यारो क्या होगा?' फिलहाल इस उजड़ते चमन की सूखी डालियों पर महंगाई, भ्रष्टाचार, नौकरशाही और गाल बजाते मसीहाओं के उलूकनुमा व्यवहार को सहन करो, क्योंकि कल तो इन्हीं डालियों पर सोने की चिडिया चहचहाएंगी। देश में सतयुग की वापसी चाहते हो न, तो आज के इस कलियुग और अंधेरनगरी चौपट राजा के माहौल को सहन करो। बड़े बूढ़ों ने भी कहा तो है कि सहज पके सो मीठा होय। इस काल में अगर राम राज्य की वापसी चाहते हो, तो आज इस दानव राज को असाध्य बीमारी की तरह स्वीकार करो। देखो, उच्छृंखलता की निशानी है, यह विशुद्ध संस्कारित समाज की परिभाषा में नहीं आता। बड़े बूढ़े बोले, हमें इन परिभाषाओं को बदलना नहीं है, इनमें संयम, धीरज और अनुशासन के नए अर्थो को स्थापित करना है।

देश दुनिया से

क्या है शिखर योग?

जब हम योग की बात करते हैं तो दिमाग में जो तस्वीर बनती है वह व्यायाम से मिलते-जुलते किसी आसन की तस्वीर बनती है जिसमें हम शरीर को किसी निश्चित आसन में मोड़ते हैं और साथ में सांस को भी उसके साथ समन्वित करते हैं। निश्चित आसनों में शारीरिक व्यायाम के साथ सांस की लय के संगम को ही हम योग के रूप में जानते हैं, परंतु योग की यह परिभाषा सीमित परिभाषा है। योग का अर्थ ज्ञान भी है, और यह सिर्फ ज्ञान ही नहीं बल्कि बुद्धिमता या चैतन्य का प्रतीक है। ज्ञान, यानी नॉलेज जब बुद्धिमता, यानी विजडम में परिवर्तित हो जाए तो वह योग कहलाता है, और जब हम शिखर योग की बात करते हैं तो उसका मतलब व्यवहार में उतरे हुए, जीवन में उतरे हुए सर्वोच्च ज्ञान से है। वह ज्ञान जिसके बाद कुछ और जानना बाकी नहीं रह जाता है और वह ज्ञान जब हमारे व्यवहार में उतर जाता है, हमारे चरित्र में उतर जाता है, हमारे हर काम में उतर जाता है, हमारे जीवन में उतर जाता है तो वह शिखर योग बन जाता है। यह वैसे ही है जैसे कोई पर्वतारोही अगर किसी पर्वत पर चढना शुरू करे और वह उस पर्वत की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंच जाए, जहां से और ऊपर जाने को कुछ भी न हो, तो वह सर्वोच्च शिखर है, और शिखर योग भी वही ज्ञान है जिसके बाद कुछ और जानने को बाकी ही न रह जाए, लेकिन शिखर योग सिर्फ जानने तक ही सीमित नहीं है। जान लेना आसान है। पढ़ लिया, सुन लिया, समझ लिया, इतना कुछ कर लिया तो सिर्फ 'जान लिया' और जब उसे व्यवहार में भी उतार लिया, जीवन का हिस्सा बना लिया तो ही योग से शुरू की गई यात्रा शिखर योग तक पहुंचती है। सहज संन्यास मिशन के अनुयायी संन्यासी के रूप में हम सीखते हैं। कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर महाभारत के युद्ध के समय जब अर्जुन शत्रु सेना में अपने मित्रों और रिश्तेदारों को देखकर परेशान हो गए और युद्ध करने की उनकी इच्छा ही डांवाडोल हो गई तो उनके सारथी के रूप में उनके साथ चल रहे भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का जो उपदेश दिया, उसके एक छोटे से हिस्से को भी समझ लें तो हम शिखर योग की परिकल्पना तक पहुंच सकते हैं। तब भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि सृष्टि के शुरुआत में मैंने अविनाशी योग का यह ज्ञान सबसे पहले सूर्य को दिया था। सूर्य ने वह ज्ञान मनु को दिया, मनु ने वह ज्ञान इक्ष्वाकु को दिया। इस प्रकार पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह ज्ञान आगे चलता रहा, पर धीरे-धीरे अगली पीढ़ी इससे विरक्त हो गई और यह अविनाशी ज्ञान लुप्त हो गया। भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत युद्ध के समय अर्जुन को देते हुए इसे फिर से पुनर्जीवित किया। योग का अर्थ केवल आसन करने भर से नहीं, बल्कि अपने शुद्ध स्वरूप को जानने और उसमें टिक जाने से है। इसके बाद आज से लगभग 2200 वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने भी योग के इस बिखरे ज्ञान को समेटने का एक सफल और सार्थक प्रयास किया और इसे इक_ा करके 'योगसूत्र' में लिपिबद्ध किया। शिखर योग का यह अविनाशी ज्ञान कुंतीपुत्र अर्जुन को देते समय भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि मैं यह ज्ञान तुम्हें इसलिए दे रहा हूं क्योंकि तुम मेरे अनन्य भक्त हो और मित्र भी हो। अनन्य भक्त और मित्र नाम की इन दो विशेषताओं को समझना आवश्यक है जिन्होंने अर्जुन को इस अविनाशी रहस्य को सुनने और समझ पाने का पात्र बनाया। अनन्य भक्त की इस शर्त को समझना तो बहुत आसान है, जिसका मतलब है, बिना शर्त पूर्ण समर्पण। समर्पण हो, पूरा हो और बिना शर्त हो, तो व्यक्ति अनन्य भक्त हो सकता है। जब दो व्यक्तियों में परस्पर पूर्ण विश्वास हो, एक-दूसरे की नीयत पर संदेह की कोई गुंजायश न हो, बिना शर्त और किसी भी हद तक जाकर एक-दूसरे का साथ देने की इच्छा हो तो ही मित्रता सच्ची है। अर्जुन में ये सभी गुण थे। वे भगवान श्री कृष्ण के अनन्य भक्त थे, उनका समर्पण पूरा था। वे भगवान श्री कृष्ण के हर आदेश का पालन करते थे और हर सलाह पर पूरा विश्वास करते हुए उस पर अमल करते थे तथा भगवान श्री कृष्ण के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार तो वे थे ही। यह समझना फिर से आवश्यक है कि हमने शिखर योग के बारे में पढ़ लिया और यह हमें समझ में भी आ गया, पर क्या इतना काफी है? क्या हम भगवान को प्रिय हो गए? क्या हम इस काबिल हो गए कि हम भगवान के मित्र हो सकें? एक छोटी सी कहानी से इसे समझने की कोशिश करते हैं। कहते हैं कि किसी राजा ने एक संत से प्रार्थना की कि वे उन्हें जीवन बंधन से मुक्त होने की शिक्षा दें। संत ने कहा कि कल मैं आपके दरबार में आकर आपको इसकी शिक्षा दूंगा। अगले दिन नियत समय पर संत जब दरबार में आए तो वे दरबार के एक खंभे से लिपट गए। अपने दोनों हाथों से उन्होंने उस खंभे को जकड़ लिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगे, 'अरे देखो, यह खंभा मुझे छोड़ नहीं रहा है। कोई मुझे बचाओ, बचाओ।' यह दृश्य देखकर राजा हंसने लगा और बोला कि मैं तो समझता था कि आप बहुत ज्ञानी हैं, पर आप तो निपट मूर्ख मालूम होते हैं। खुद ही आपने खंभे को जकड़ रखा है और खुद ही चिल्लाये जा रहे हैं। खंभे से हाथ हटा लीजिए, आप मुक्त हो जाएंगे। संत ने खंभे से हाथ हटा लिये और राजा से बोले, 'जो बात आपने मुझे अभी कही है, यही बात मैं आपको बताने आया हूं। दुनियादारी का मोह छोड़ दीजिए, आप मुक्त हो जाएंगे।' सहज संन्यास मिशन में शिखर योग की व्याख्या ही यही है कि परमात्मा के प्रति हमारा समर्पण पूर्ण हो। सुख हो, दुख हो, संघर्ष हो, कठिनाई हो, मान हो, अपमान हो, स्वास्थ्य हो, बीमारी हो, अमीरी हो, गरीबी हो, हर हाल में परमात्मा का शुक्रिया ही करना है। परमात्मा चाहें जिस हाल में रखें, परमात्मा पर विश्वास में कमी न हो। कोई शिकायत न हो, बस शुक्रिया ही शुक्रिया हो। यह विश्वास भी कभी न डिगे यह पूरा ब्रह्मांड परमात्मा की ही अभिव्यक्ति है और इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु में परमात्मा का ही नूर है।

निश्चित आसनों में शारीरिक व्यायाम के साथ सांस की लय के संगम को ही हम योग के रूप में जानते हैं, परंतु योग की यह परिभाषा सीमित परिभाषा है। योग का अर्थ ज्ञान भी है, और यह सिर्फ ज्ञान ही नहीं बल्कि बुद्धिमता या चैतन्य का प्रतीक है। ज्ञान, यानी नॉलेज जब बुद्धिमता, यानी विजडम में परिवर्तित हो जाए तो वह योग कहलाता है, और जब हम शिखर योग की बात करते हैं तो उसका मतलब व्यवहार में उतरे हुए, जीवन में उतरे हुए सर्वोच्च ज्ञान से है।

आप का नजरिया

भीड़-भगदड़ वाला देश

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ को 'मृत्यु-कुंभ' करार दिया है। यह राजनीतिक, सांप्रदायिक और सनातन-विरोधी बयान है। इसे नजरअंदाज करना ही बेहतर है, क्योंकि हर अनर्गल बयान का पलटजवाब देना उचित और जरूरी नहीं है। ममता हिंदू-विरोधी बयान तो दे सकती हैं, लेकिन इस्लाम या किसी अन्य धर्म, संप्रदाय, मत, आस्था-विश्वास के खिलाफ ऐसी टिप्पणी करके दिखाएं, तो बंगाल में दंगों के आसार बन सकते हैं। बहरहाल महाकुंभ के संदर्भ में भीड़ और भगदड़ की चर्चाएं खूब हैं और ऐसे दृश्य भी देखने को मिल रहे हैं, लेकिन आजकल ऐसा लगता है मानो पूरा देश जाम में फंसा है और आम आदमी भीड़ में दबा-कुचला अपनी सांसों के लिए संघर्ष कर रहा है! यह महाकुंभ का ही नहीं, भारत का भी यथार्थ है, क्योंकि आबादी 146 करोड़ को पार कर चुकी है, लेकिन संसाधनों में उतनी आनुपातिक बढ़ोतरी नहीं हुई है। हमने शोध के जरिए कुछ आंकड़े हासिल किए हैं, जो देश की संकरी और असहाय व्यवस्था को बयां करते हैं। दरअसल जब भारत की आबादी 36 करोड़ के करीब थी, तब देश में करीब 6000 रेलवे स्टेशन थे, लेकिन आज आबादी के 146 करोड़ के पार पहुंचने के बावजूद 8495 रेलवे स्टेशन ही हैं। औसतन 2 लाख लोगों पर मात्र 1 ही रेलवे स्टेशन है, तो भीड़ क्यों न जमा हो और भगदड़ के हालात क्यों न बनें? औसतन एक लाख लोगों पर मात्र 1 ही यात्री रेलगाड़ी (900 सीट की) है। औसतन 10,000 लोगों पर एक ही सरकारी बस (70 सीट) उपलब्ध है। औसतन 1 करोड़ लोगों पर एक ही हवाई अड्डा है। देश के 4 करोड़ नागरिकों पर सर्वोच्च अदालत का एक ही न्यायाधीश है, जबकि औसतन 18 लाख लोगों को उच्च न्यायालय का एक ही न्यायाधीश न्याय देने की स्थिति में है। औसतन 7-10 साल की जिंदगी आम आदमी लाइनों में खड़े रहने में बिताने को विवश है, क्योंकि भीड़ ही इतनी है, लिहाजा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि आम आदमी का क्रोध, तनाव बढ़ता रहता है। उन मानसिक स्थितियों में वह कुछ भी कर सकता है! भारत में जन्म से पहले ही लाइन लगानी पड़ती है, क्योंकि अस्पतालों में भीड़ है और डॉक्टरों की संख्या बेहद कम है। स्कूल में प्रवेश लेने, पढऩे और उसके बाद नौकरी लेने, राशन प्राप्त करने और अपनी राष्ट्रीय पहचान के लिए आधार कार्ड बनवाने के लिए, अंततः, लाइनों से ही गुजरना पड़ता है। मृत्यु प्रमाणपत्र हासिल करना है, तो भी लाइन लगती है। इन लाइनों का बुनियादी कारण भीड़ ही है। महाकुंभ के लिए कोई लाइन नहीं है, बल्कि बेतहाशा, बेलगाम भीड़ है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि भीड़ का भी आनंद लेना चाहिए। जब भीड़ भगदड़ बन जाती है, तो कुचलन में कौनसा आनंद मिलेगा या मौत मिलेगी? भगदड़ सिर्फ महाकुंभ की भीड़ के कारण ही नहीं हुई थी, बल्कि नई दिल्ली के अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन पर भी हुई थी। यह गंभीर मानवीय समस्या है। सरकार इस समस्या का समाधान जरूर तलाशे।

श्रीलंकाई कोर्ट में अंडरवर्ल्ड सरगना की हत्या पर संसद में हंगामा

कोलंबो 21 फरवरी (एजेंसियां)।

अंडरवर्ल्ड सरगना गनेमुल्ला संजीवा उर्फ संजीव कुमार समररत्ने की कोर्ट रूम में हुई हत्या पर विपक्ष ने संसद में हंगामा किया। विपक्ष ने सरकार से जवाब मांगा कि देश का सुरक्षा तंत्र इतना कमजोर कैसे हो गया कि कोई किसी को अदालत में घुसकर गोलियों से भून दे। अंडरवर्ल्ड सरगना संजीवा की बुधवार सुबह हल्फ्सडॉर्प कोर्ट कॉम्प्लेक्स के कोर्ट नंबर पांच में जज के सामने की गई हत्या से सारे देश में सुरक्षा के मुद्दे पर बहस छिड़ी हुई है।

संजीवा हत्याकांड पर विपक्ष ने गुरुवार को संसद में जमकर हंगामा किया। सरकार कल दोपहर इस मामले में अपने दो वरिष्ठ मंत्रियों के विरोधाभासी बयानों से स्तब्ध रह गई। विपक्ष के हंगामा करने के बाद सार्वजनिक सुरक्षामंत्री आनंद विजेपाला ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह अलग तरह की घटना है। ऐसी घटनाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसके लिए केवल गैंगस्टर जिम्मेदार हैं।

कैबिनेट प्रवक्ता और मीडियामंत्री नलिंदा जयतिसा ने एक ब्रीफिंग में कहा कि सरकार ने इस हत्याकांड को गंभीरता से लिया है। शूटर को सात घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। अन्य सभी संदिग्धों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। डेली मिरर के अनुसार, हालांकि, दोनों मंत्री इस सवाल पर चुप रहे कि हत्यारा कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट में कैसे दाखिल हुआ और गोलीबारी कर कैसे भाग गया।

कानून मंत्री हर्षना नानायक्कारा ने कहा कि विशेष आरोपितों को अदालतों में पेश करने से पहले वहां सशस्त्र गार्ड तैनात किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस जांच में साफ हुआ है कि गिरफ्तार मुख्य आरोपित ने अंडरवर्ल्ड शख्स मनुदिनु पथमासिरी परेरा उर्फ केहेलबद्दरा पद्मे के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। परेरा इस समय दुबई में है। इस हत्याकांड में नेगोंबो पुलिस स्टेशन के एक 25 वर्षीय अधिकारी को भी गिरफ्तार किया।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश के राष्ट्रपति और अंतरिम सरकार प्रमुख ने भाषा आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन और अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस और शहीद दिवस के अवसर पर केंद्रीय शहीद मीनार पर पुष्पांजलि अर्पित करके भाषा आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन गुरुवार रात ठीक 11:59 बजे शहीद मीनार पहुंचे और घड़ी में 12:01 बजते ही पुष्पांजलि अर्पित की। बांग्लादेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। खबर के अनुसार, इस अवसर पर ढाका विश्वविद्यालय के कुलपति और अन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। इसके तुरंत बाद अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस ने शहीद मीनार पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य सलाहकार के उप प्रेस सचिव अबुल कलाम आजाद मजूमदार ने कहा कि ढाका विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नियाज अहमद खान ने मुख्य सलाहकार के आगमन पर उनका स्वागत किया। इससे पहले एक संदेश में यूनुस ने कहा, शहीद दिवस और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर मैं बांग्ला सहित दुनिया की सभी भाषाओं के आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि देता हूं। वर्ष 2000 से बांग्लादेश और यूनेस्को संयुक्त रूप से इस दिवस को उचित तरीके से मना रहे हैं। इस वर्ष का यूनेस्को विषय सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्व दें उचित है। उन्होंने कहा कि जुलाई विद्रोह के माध्यम से स्थापित अंतरिम सरकार राष्ट्र और उसकी भाषाओं की गरिमा की रक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। सूचना प्रौद्योगिकी में बांग्ला भाषा का उपयोग किस तरह किया जाए, इस पर काम किया जा रहा है। विभिन्न जातीय समूहों की मातृभाषा में पाठ्य पुस्तकें नि:शुल्क वितरित की जा रही हैं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर जिले में वैन खड्ड में गिरी, आठ की मौत, दो घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर जिले में एक वैन के खड्ड में गिर जाने से कम से कम

आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा रायविंड रोड पर खारा मोड़ के पास हुआ। वैन के यात्री संगीत समूह के सदस्य थे। वह एक समारोह में हिस्सा लेने के बाद रायविंड वापस लौट रहे थे। बचाव अधिकारियों ने कहा कि यह दुर्घटना ड्राइवर की लापरवाही के कारण हुई। उसे गाड़ी चलाते समय शायद झपकी आ गई। जियो न्यूज के अनुसार, पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शवों और घायलों को बुल्ले शाह जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। दोनों घायलों की हालत गंभीर है। पिछले 24 घंटों के दौरान पंजाब के सभी जिलों में 1,306 सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 18 लोगों की जान चली गई और 1,496 अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, हताहतों में से गंभीर रूप से घायल 612 लोगों को विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया।

23 से 27 की उम्र में अधिक खूबसूरत महसूस किया महिलाओं ने

लंदन। महिलाओं में खूबसूरती को लेकर हाल ही में नार्डकेम संस्था द्वारा किए गए एक अध्ययन में

16,000 महिलाओं को शामिल किया गया। इस रिसर्च के नतीजों से पता चला कि ज्यादातर महिलाओं ने खुद को 23 से 27 की उम्र में सबसे अधिक खूबसूरत महसूस किया। अध्ययन के अनुसार, इस उम्र में महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक परिपक्व होती हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और उनकी खूबसूरती में निखार आता है। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि 20 से 30 वर्ष की महिलाएं किशोरियों की तुलना में ज्यादा आत्मनिर्भर और आत्म-स्वीकृत होती हैं, जो उनके आकर्षण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक अन्य सर्वेक्षण किया गया था, उसमें भी दिलचस्प नतीजे सामने आए। इस सर्वे में 2,000 लोगों से सवाल किए गए, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल किया गया। अध्ययन के अनुसार, पुरुषों ने माना कि महिलाओं की सबसे आकर्षक उम्र 29 साल होती है, जबकि महिलाओं ने खुद को 31 साल की उम्र में सबसे खूबसूरत बताया। इन अध्ययनों से यह साफ जाहिर होता है कि सुंदरता केवल उम्र पर निर्भर नहीं करती, बल्कि आत्मविश्वास, अनुभव और मानसिक परिपक्वता के साथ और भी बढ़ती है। हालांकि, हर व्यक्ति की सुंदरता को देखने का नजरिया अलग होता है और यह समाज और संस्कृति के आधार पर भी बदलता रहता है।

धोखेबाजी : पहले यूक्रेन के साथ था अब रूस से दोस्ती निभा रहा है अमेरिका

वॉशिंगटन 21 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका किसी का सगा नहीं है। हथियार बेचना और देशों को लड़ाना अमेरिका का पुराना मंत्र है। अभी तक अमेरिका यूक्रेन के साथ दिख रहा था, वह अब रूस के पाले में नजर आ रहा है। सऊदी अरब की मध्यस्थता में रूस और अमेरिका के प्रतिनिधियों ने बात की है तो वहीं डोनाल्ड ट्रंप इस पक्ष में हैं कि जंग को खत्म कर दिया जाए। यही नहीं उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को भी खूब खरी-खोटी सुनाई है। डोनाल्ड ट्रंप ने जेलेंस्की को युद्ध खत्म करने की सलाह दी थी। इसके बाद जेलेंस्की ने उन पर ही पलटवार किया था और कहा था कि वह रूस के भ्रमजाल में फंस गए हैं और इसलिए ऐसी बातें कर रहे हैं। वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि अमेरिका से बातचीत के आधार पर ही जंग को लेकर आखिरी फैसला होगा, लेकिन बातचीत में यूक्रेन को भी शामिल करने पर सहमति जताई। जेलेंस्की के वार पर ट्रंप ने खूब सुना डाला, तानाशाह तक बताया उन्होंने कहा कि बिना इलेक्शन के ही एक तानाशाह की तरह वह सत्ता में बने हुए हैं। जेलेंस्की को या तो जंग खत्म कर देनी चाहिए या फिर वह देश ही खो देंगे। इस पर भी यूक्रेन की विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने जवाब दिया है और कहा कि उनके देश को कोई सरेंडर नहीं करा सकता। हम अपने अस्तित्व के अधिकार की रक्षा करते रहेंगे।जेलेंस्की से मिले डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन मामलों के दूत कीथ केलोग से कीव में जेलेंस्की ने मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी दूत से कहा कि ट्रंप प्रशासन को पहले पूरी जानकारी जुटा लेनी चाहिए। इस बीच जानकारों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह अमेरिकी मामलों पर फोकस करना चाहते हैं। ऐसे में वह चाहते हैं कि यूक्रेन, इजरायल जैसे देशों के साथ वह बहुत ज्यादा निवेश न करें। इसलिए वह युद्ध समाप्त करने पर ही फोकस कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भी व्लादिमीर पुतिन से अच्छे संबंध थे। माना जा रहा है कि इसी का फायदा उठाते हुए वह जंग खत्म कराना चाहते हैं। उन्होंने पिछली बार व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात भी की थी। 350 बिलियन डॉलर की रकम खर्च जेलेंस्की ने डोनाल्ड ट्रंप पर हमला किया तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की एक तानाशाह जैसा काम करते हैं, जो बिना चुनाव के ही सत्ता में बने हुए हैं।

अमेरिकियों की हो गई मौज....हर अमेरिकन को 4-4 लाख रुपये देने पर विचार कर रहे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उनका प्रशासन सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) से बचे हुए पैसे का 20 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी लोगों को बांटने पर विचार कर रहा है। इसके अलावा अन्य 20 फीसदी पैसा सरकार के लोन को कम करने के लिए आवंटित करेगी। दरअसल ट्रंप ने एलन मस्क को ही डीओजीई का जिम्मा सौंपा है जो सरकारी लूपहोल से पैसा बचाने की कोशिश में लगातार जुटे हुए हैं। ट्रंप ने कहा, हम एक नई अवधारणा पर विचार कर रहे हैं, जिसमें डीओजीई, बचत का 20 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों को मिलेगा और 20 प्रतिशत ऋण चुकाने में खर्च किया जाएगा, क्योंकि आंकड़े अविश्वसनीय हैं। कई अरब, सैकड़ों अरब की बचत हो रही है... इसलिए हम अमेरिकी लोगों को 20 प्रतिशत वापस देने के बारे में सोच रहे हैं। आंकड़े में डीओजीई की बचत का 20 प्रतिशत हिस्सा यानि अनुमानित 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर को आवंटित करने का प्रस्ताव है, ताकि जुलाई 2026 में डीओजीई समाप्त होने के बाद सभी कर-भुगतान करने वाले परिवारों को 5,000 अमेरिकी डॉलर के चेक वितरित किए जा सकें। एलन मस्क के विभाग के सरकारी लूपहोल से पैसा बचाया ट्रम्प की यह बयान डीओजीई के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उसने दावा किया था कि 20 जनवरी को ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से हमारी सरकार अरबों डॉलर की बचत की है। मस्क के नेतृत्व में विभाग ने लागत में कटौती के व्यापक प्रयास के तहत आक्रामक तरीके से सरकारी अनुबंधों में कटौती की है, सरकारी नौकरियों को समाप्त किया है और सरकारी संपत्तियों को बेच दिया है।

दुनिया के सबसे सस्ते शहरों में भारत, मिस्र और पाक के शहर शामिल

बेलग्रेड, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

साल 2025 के लिए दुनिया के सबसे महंगे और सस्ते शहरों की सूची जारी की गई है। सूची में कुल 327 शहर शामिल हैं, इसमें भारत, मिस्र और पाकिस्तान के शहर सबसे ज्यादा सस्ते हैं। सबसे सस्ता शहर (327वें नंबर पर) भारत का कोयंबटूर है। वहीं सबसे महंगी (शीर्ष पर) स्विटजरलैंड की ज्यूरिख सिटी है। यह सर्वे न्यूयॉर्क की जीवन लागत के आधार पर दुनियाभर के शहरों में खर्च की तुलना करके किया गया है। सर्वे में घर का किराया, खाना और क्रय शक्ति को शामिल किया गया है।

सूची के शुरुआती तीन सबसे महंगे शहर स्विट्जरलैंड के हैं। ज्यूरिख के बाद लॉजेन और जिनेवा दुनिया के दूसरे और तीसरे सबसे महंगे शहर हैं। अमेरिका का न्यूयॉर्क चौथे स्थान पर है। स्विट्जरलैंड का ही बाजेल पांचवें और बर्न छठे स्थान पर हैं। सूची में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को का सातवां और होनोलूलू का आठवां स्थान हैं। आइसलैंड का रेकजाविक और अमेरिका का बोस्टन भी दस सबसे महंगे शहरों की सूची में हैं। इसके बाद सिंगापुर 11वें, वॉशिंगटन 13वें और लंदन 14वें स्थान पर है।

सबसे मंहगे शहरों में स्विट्जरलैंड शीर्ष पर

सूची में भारत का कोयंबटूर दुनिया का सबसे सस्ता शहर है। इसके बाद मिस्र का अलेक्जेंड्रिया (326वें स्थान पर) आता है। पाकिस्तान का लाहौर तीसरा सबसे सस्ता (325वां स्थान) और कराची चौथा सबसे सस्ता शहर है। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद लिस्ट में 314 नंबर पर है। लाहौर और कराची ज्यूरिख से 85 फीसदी तक सस्ते हैं। भारत का लखनऊ (323वां स्थान), जयपुर (322), सूरत (321), कोच्चि (320), भुवनेश्वर (319), कोलकाता (318) वडोदरा (316) और चंडीगढ़ 315वें स्थान पर रहते हुए लिस्ट में सबसे सस्ते शहरों में शामिल हैं।

भारत के दूसरे शहरों में मुंबई (286), गुरुग्राम (291) पुणे (299), दिल्ली (301), नोएडा (303), हैदराबाद (309), अहमदाबाद (310) और चेन्नई इस लिस्ट में 311वें नंबर पर हैं। लिस्ट में 314 से 327 यानी सबसे सस्ती 14 सिटी में दो मिस्र के, तीन पाकिस्तान के और 9 भारतीय शहर हैं।

कैलिफोर्निया में फ्लू के बढ़ रहे मामले, लोगों को बना रहा सांस का मरीज

अमेरिका के कैलिफोर्निया में फ्लू (इन्फ्लूएंजा) कोविड से ज्यादा घातक सांस की बीमारी बन गया है। अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ है और डॉक्टरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्लू के मामलों में यह तेजी ऐसे समय में आई है जब टीकाकरण की दर बेहद कम है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के मुताबिक इस सीजन में सिर्फ 44 फीसदी वयस्क और 46 फीसदी बच्चे ही फ्लू का टीका लगवा पाए हैं। सैन फ्रांसिस्को के संक्रामक रोग विशेषज्ञ ने बताया कि अस्पताल भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हर जगह फ्लू के मामले हैं। स्थानीय क्लीनिकों में किए जा रहे श्वसन संबंधी वायरस परीक्षणों में 70 फीसदी से ज्यादा मामले फ्लू के पाए गए हैं।

आतंकी हमला : दहल गया इजराइल बसों में हुए एक के बाद एक धमाके

तेलअवीव, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

इजरायल के केंद्रीय क्षेत्र में एक के बाद एक कई बसों में विस्फोट होने की खबर सामने आई है। पुलिस ने इसे एक संभावित आतंकवादी हमला बताया है। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने केंद्रीय इजरायल में बसों पर हुए धमाकों के बाद एक सुरक्षा बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। नेतन्याहू को उनके सैन्य सचिव द्वारा इन विस्फोटों के बारे में निरंतर अपडेट मिल रहे हैं।

घटना में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन दो अन्य बसों पर अतिरिक्त विस्फोटक पाए गए हैं। अधिकारियों ने जनता से सतर्क रहने की अपील की है।पुलिस ने एक बयान में कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट में यह संदिग्ध आतंकवादी हमला प्रतीत होता है। बत्त याम में अलग-अलग स्थानों पर कई बसों में विस्फोट होने की सूचना मिली है। यह घटना उस समय हुई जब हमास ने गाजा से चार इजरायली बंधकों के शव वापस किए थे। इजरायल में बसों और ट्रेनों की व्यापक तलाशी

लेने के बाद बम निरस्त करने वाली टीमों ने अपना काम पूरा कर लिया। पुलिस बल बत्त याम में संदिग्धों की तलाश में जांच कर रही थी। पुलिस प्रवक्ता हैम सार्ग्रॉफ ने बताया कि जांच की जा रही है कि क्या एक अकेले व्यक्ति ने विभिन्न बसों में विस्फोटक लगाए थे या कई अपराधी इसमें शामिल थे। बसों में विस्फोट ने 2000 के दशक में हुए फिलस्तीन विद्रोह की यादें ताजा कर दी हैं।

काश पटेल बने एफबीआई निदेशक, अमेरिका के दुश्मनों को दी कड़ी चेतावनी

वाशिंगटन, 21 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी काश पटेल को अमेरिका की शीर्ष जांच एजेंसी, संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) का निदेशक नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय मूल के व्यक्ति हैं।

अपनी नियुक्ति के बाद उन्होंने अमेरिका के दुश्मनों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा, हम इस ग्रह के हर कोने में तुम्हारा पीछा करेंगे।पटेल को अमेरिकी सीनेट ने 51-49 के मामूली बहुमत से एफबीआई निदेशक के रूप में मंजूरी दी। हालांकि, उनके नामांकन का डेमोक्रेट्स ने कड़ा विरोध किया। यहां तक कि दो रिपब्लिकन सीनेटर, लिसा मुर्कोव्स्की और सुसान कोलिन्स ने भी उनके खिलाफ वोट दिया। सीनेटर कोलिन्स ने कहा कि पटेल ने एफबीआई की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमता पर संदेह होता है।

पटेल ने क्रिस्टोफर रे की जगह यह पद संभाला है, जो दो साल पहले ही इस्तीफा

दे चुके थे। एफबीआई निदेशक का कार्यकाल 10 साल का होता है, लेकिन उनके दो पूर्ववर्तियों का कार्यकाल समय से पहले समाप्त हो गया था। इससे पहले, 2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेम्स कॉमी को उनके कार्यकाल के चार साल बाद ही हटा दिया था।निदेशक पद संभालने के बाद पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी पहली पोस्ट की। उन्होंने कहा, एफबीआई की एक महान विरासत है, लेकिन हाल के वर्षों में न्याय प्रणाली के राजनीतिकरण ने जनता का भरोसा कमजोर किया है। यह अब खत्म होगा। उन्होंने एफबीआई को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की बात कही और कहा कि उनका लक्ष्य जनता का विश्वास वापस पाना है।पटेल के नामांकन को लेकर काफी विवाद हुआ। उनके आलोचकों का कहना है कि उन्होंने एफबीआई को लेकर कई राजनीतिक बयान दिए हैं, जो इस एजेंसी की निष्पक्षता के लिए खतरा हो सकते हैं। हालांकि, ट्रंप समर्थकों और कई रिपब्लिकन नेताओं ने उनका समर्थन किया।

काश पटेल एक वकील रह चुके हैं और पहले पब्लिक डिफेंडर के रूप में काम कर चुके हैं। ट्रंप प्रशासन में उन्होंने रक्षा विभाग के चीफ ऑफ स्टाफ और राष्ट्रीय खुफिया विभाग के उप निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर काम किया था। उनकी नियुक्ति ट्रंप के लिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि वह अपने दूसरे कार्यकाल के लिए कई बड़े बदलाव कर रहे हैं।

भारतीय मूल के काश पटेल बने एफबीआई के नए प्रमुख, सीनेट से मिली मंजूरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने भारतीय मूल के काश पटेल को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक के रूप में मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही वह एफबीआई प्रमुख बनने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बन गए हैं। पटेल इससे पहले रक्षा विभाग में चीफ ऑफ स्टाफ और राष्ट्रीय खुफिया के उप निदेशक के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। काश पटेल को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगियों में गिना जाता है। उनके नामांकन को लेकर सीनेट में मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखी गईं। हालांकि, अंत में रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटरों ने उनका समर्थन किया और उन्हें मंजूरी मिल गई। पटेल की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब एफबीआई पहले से ही अमेरिकी राजनीति के केंद्र में रही है। 2021 में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जांच में इस एजेंसी की भूमिका को लेकर भी काफी चर्चा हुई थी। 44 वर्षीय काश पटेल पूर्व पब्लिक डिफेंडर भी रह चुके हैं और उन्होंने वॉशिंगटन डीसी की राजनीति में तेजी से अपनी पहचान बनाई। ट्रंप प्रशासन के दौरान उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया मामलों से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया था।

ऊना के पैरा एथलीट सुनील कुमार ने पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

ऊना, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

ऊना जिले के अंब उपमंडल के ललियाड़ संतु गांव के पैरा एथलीट सुनील कुमार ने 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जैवलिन थ्रो में रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 17 से 20 फरवरी तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न स्पर्धाओं में देशभर के बेहतरीन पैरा एथलीटों ने हिस्सा लिया।

सुनील कुमार की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, युवा मामले एवं खेल मंत्री यादविंद्र गोमा तथा ऊना जिला प्रशासन ने उन्हें बधाई दी है।

प्रदेश सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और होनहार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सुनील कुमार की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'चेन्नई में आयोजित 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में ऊना जिला के अंब उपमंडल के होनहार पैरा एथलीट सुनील कुमार ने जैवलिन थ्रो में रजत पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

यह प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। मैं उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनके उवल भविष्य की कामना करता हूं।'

गौरतलब है कि 24 वर्षीय सुनील कुमार बचपन से ही खेलों के प्रति जुनूनी रहे हैं। विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से यह सफलता हासिल की। उनके परिवार में पिता रामपाल, माता सुमन देवी और एक भाई हैं। सभी परिवारजन और क्षेत्रवासी उनकी इस उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

मिलान-कॉर्टिना 2026 के आधिकारिक मोटो आईटीस योर वाइब का हुआ अनावरण

रोम। 2026 मिलान–कॉर्टिना शीतकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों के लिए आधिकारिक मोटो आईटीस योर वाइब का अनावरण गुरुवार को मिलान में विश्व प्रसारक बैठक के दौरान किया गया। मिलान–कॉर्टिना 2026 आयोजकों के अनुसार, यह पहली बार है जब ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों के इतिहास में इतना गतिशील और उत्पादक आदर्श वाक्य चुना गया है। यह सिर्फ एक स्लोगन नहीं है, बल्कि इसे अलग–अलग कहानियों और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इस स्लोगन का उपयोग एथलीटों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करने या प्रतियोगिता के रोमांच को उजागर करने के लिए किया जा सकता है, जैसे यह प्रतिभा है – यह आपका वाइब है, यह रचनात्मकता है – यह आपका वाइब है, या यह ऊर्जा है – यह आपका वाइब है। स्लोगन में शब्द आपका यह दर्शाता है कि खेलों में हर कोई महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि यह शब्द इटली का प्रतीक है, जिससे मेजबान देश की पहचान नारे में शामिल होती है। मिलान–कॉर्टिना 2026 शीतकालीन ओलंपिक खेल 6 से 22 फरवरी तक और पैरालिंपिक खेल 6 से 15 मार्च तक आयोजित किए जाएंगे।चीन ने जापान को हराकर फीबा पुरुष एशिया कप में स्थान सुरक्षित किया शेन्जेन, 21 फ़रवरी (हि.स.)। चीनी पुरुष बास्केटबॉल टीम ने गुरुवार शाम 2025 फीबा एशिया कप क्वालीफ़ायर के ग्रुप सी गेम में जापान पर 100–58 से जीत हासिल की, जिससे एशिया कप में उसकी जगह पक्की हो गई। चार क्वालीफ़ाइंग मैच जीतकर पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुके जापान ने इससे पहले फ़रवरी 2024 में चीन को 76–73 से हराया था। चीन ने शुरू से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा, जिसमें झू जुनलॉन्ग ने लेअप के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की। जबकि झाओ रुई और जू जी ने लगातार बास्केट जोड़े, जिससे चीन को 8–0 की बढ़त मिली। फ़ॉरवर्ड ज़ेंग फैनबो ने थ्री–पॉइंटर मारा जिससे चीन ने दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त को दोहरे अंकों तक बढ़ाया। जापान ने चीन की मज़बूत रक्षा के ख़िलाफ़ स्कोर करने के लिए संघर्ष किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में ही स्कोरिंग का सूखा खत्म हुआ। चीन ने आखिरी क्वार्टर में 31 अंक बनाए और 100–58 के साथ अपनी चौथी जीत दर्ज की।

चेल्सी फॉरवर्ड डेविड वाशिंगटन लोन पर वापस सैंटोस में हुए शामिल

साओ पाउलो। चेल्सी के फारवर्ड डेविड वाशिंगटन 10 महीने के ऋण पर अपने पूर्व क्लब सैंटोस में लौट

आए हैं। ब्राजीलियाई सेरी–ए टीम ने गुरुवार को उक्त जानकारी दी। सैंटोस ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि समझौते में सैंटोस के लिए 19 वर्षीय खिलाड़ी को ऋण की अवधि समाप्त होने पर स्थायी अनुबंध पर रखने का विकल्प शामिल है। अगस्त 2023 में दक्षिण अमेरिकी दिग्गजों से 20 मिलियन यूरो के हस्तांतरण के बाद से वाशिंगटन ने चेल्सी के लिए सिर्फ तीन बार प्रदर्शन किया है। लंदन क्लब के साथ अवसरों की कमी के बावजूद, वाशिंगटन इस महीने की शुरुआत में वेनेजुएला में दक्षिण अमेरिकी अंडर–20 चैंपियनशिप जीतने वाली ब्राजील टीम के एक प्रमुख सदस्य थे। वह इस साल नेमार, लुइसाओ, ज़ी इवाल्डो, लियोनार्डो गोडॉय, ज़ी राफेल, थासियानो, अल्वारो बैरियल, बेंजामिन रोलहेसर, टिकिन्हो सोरेस और गेब्रियल वेरोन के साथ सैंटोस के 11वें नए हस्ताक्षरकर्ता हैं।

विराट आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के अपने

पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी 22 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। विराट अब आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। विराट ने इस मैच में 13 रन बनाते ही रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब पोंटिंग सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पोंटिंग के 44.0 की औसत से 2336 रन हैं। वहीं विराट के 64.5 के औसत से 2346 रन हैं। पहले नंबर पर 52.28 के औसत से सचिन तेंदुलकर के 2719 रन हैं। इस मैच में विराट ने एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा कैच लेने के मोहम्मद अजहरुद्दीन के 156 कैच के रिकार्ड की भी बराबर कर ली है। विराट ने साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं साल 2017 में वह बतौर कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी में गए लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। कोहली की कप्तान में ही भारतीय टीम 2021 टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीतने में भी विफल रही।

एमएलसी ड्राफ्ट 2025 : अग्नि चोपड़ा बने एमआई न्यूयॉर्क के नंबर 1 पिक, जसदीप सिंह को सबसे बड़ी कीमत

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

मशहूर बॉलीवुड निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा के बेटे अग्नि चोपड़ा को मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के घरेलू खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में एमआई न्यूयॉर्क ने अपनी नंबर 1 पिक के रूप में चुना।

सलामी बल्लेबाज को 50,000 डॉलर की कीमत पर टीम में शामिल किया गया। उन्होंने 2023–24 रणजी ट्रॉफी सत्र में शानदार प्रदर्शन कर भारत में पहचान बनाई थी, जहां उन्होंने चार मैचों में चार शतक जड़े थे। इसके बाद 2024–25 सीजन में मिजोरम के लिए खेलते हुए उन्होंने 94.94 की औसत से 1804 रन बनाए।

चोपड़ा अमेरिकी नागरिकता के आधार पर घरेलू खिलाड़ी के रूप में ड्राफ्ट में योग्य हुए। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, उनका यूएसए जाने का फैसला बीसीसीआई की रणजी ट्रॉफी में विदेशी पासपोर्ट धारकों के खेलने पर रोक की नीति के कारण आया।

जसदीप सिंह को सबसे बड़ी कीमत, शुभम रंजने को भी मिला बड़ा कॉन्ट्रैक्ट

हालांकि, ड्राफ्ट में सबसे महंगे खिलाड़ी 32 वर्षीय अमेरिकी तेज गेंदबाज जसदीप सिंह बने, जिन्हें सिएटल ऑर्कस ने 75,000 डॉलर में साइन किया। जसदीप के लिए यह ड्राफ्ट एक बड़ा मोड़ साबित हुआ, क्योंकि वह 2023 में एमआई न्यूयॉर्क के पूरक ड्राफ्ट में शामिल थे और 2024 में वाशिंगटन फ्रीडम के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर चुने गए थे। पिछले सीजन में उन्होंने दो मैच खेले थे और दोनों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

टेक्सास सुपर किंग्स ने भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शुभम रंजने को 75,000 डॉलर में खरीदकर बड़ा कदम उठाया। सिएटल ऑर्कस द्वारा रिलीज किए जाने के बाद रंजने ने अपनी पावर हिटिंग और सीम गेंदबाजी के दम पर ड्राफ्ट में ऊंची बोली हासिल की। सुपर किंग्स ने युवा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टीफन विग को भी 15,000 डॉलर में साइन किया।

अन्य बड़ी खरीदारी: सुजीत नायक, स्टीवन टेलर और शायन जहाँगीर पर भरोसा

सिएटल ऑर्कस ने 35 वर्षीय अनुभवी बल्लेबाज सुजीत नायक को 40,000 डॉलर में अपनी टीम में शामिल किया। नायक पहले मुंबई इंडियंस और दिल्ली डेयरडेविल्स का हिस्सा रह चुके हैं। टीम ने मौजूदा अमेरिकी खिलाड़ी स्टीवन टेलर (25,000 डॉलर) और शायन जहाँगीर (20,000 डॉलर) पर भी भरोसा जताया।

लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स, सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स और वाशिंगटन फ्रीडम ने भारी रिटेंशन के साथ ड्राफ्ट में प्रवेश किया। नाइट राइडर्स ने बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक गट्टेपल्ली (15,000 डॉलर) को अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जबकि फ्रीडम ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अभिषेक पराडकर (10,000 डॉलर) को चुना।

राहुल जरीवाला और अन्य युवा खिलाड़ियों को मिला मौका

बे एरिया के युवा विकेटकीपर–बल्लेबाज राहुल जरीवाला, जिन्होंने 18 साल की उम्र में 2022 में यूएसए के लिए डेब्यू किया था, को सिएटल ऑर्कस ने रूकी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया। युवा लेग स्पिनर एडम खान और अकिलीज़ ब्राउन को क्रमशः सुपर किंग्स और यूनिकॉर्न्स ने साइन किया।

शेहान जयसूर्या और जॉन कैंपबेल हुए अनदेखे श्रीलंका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज शेहान जयसूर्या को ड्राफ्ट में कोई खरीदार नहीं मिला। इसी तरह, वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल भी अनसोल्ड रहे, हालांकि वह जून में यूएसए के लिए खेलने के पात्र होंगे।

एमआई न्यूयॉर्क ने बल्लेबाजी को किया मजबूत

एमआई न्यूयॉर्क ने अग्नि चोपड़ा के अलावा तजिंदर सिंह ढिल्लों (50,000 डॉलर) और शरद लुंबा (15,000 डॉलर) को भी अपने स्क्वॉड में शामिल किया। ये दोनों खिलाड़ी 2018 में मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं। इसके अलावा, फ्रैंचाइज़ी ने कुंवरजीत सिंह (20,000 डॉलर) को भी अपनी टीम में लिया, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं।

एमएलसी 2025 का यह ड्राफ्ट युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए नए अवसर लेकर आया, जिसमें जसदीप सिंह, अग्नि चोपड़ा और शुभम रंजने जैसी प्रतिभाओं ने सुर्खियां बटोरीं। अब सभी की नजरें लीग के आगामी सीजन पर टिकी होंगी।

चीन ने जापान को हराकर फीबा पुरुष एशिया कप में स्थान सुरक्षित किया

शेन्जेन, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

चीनी पुरुष बास्केटबॉल टीम ने गुरुवार शाम 2025 फीबा एशिया कप क्वालीफ़ायर के ग्रुप सी गेम में जापान पर 100-58 से जीत हासिल की, जिससे एशिया कप में उसकी जगह पक्की हो गई।

चार क्वालीफ़ाइंग मैच जीतकर पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुके जापान ने इससे पहले फ़रवरी 2024 में चीन को 76–73 से हराया था।

चीन ने शुरू से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा, जिसमें झू जुनलॉन्ग ने लेअप के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की। जबकि झाओ रुई और जू जी ने लगातार बास्केट जोड़े, जिससे चीन को 8–0 की बढ़त मिली।

फ़ॉरवर्ड ज़ेंग फैनबो ने थ्री–पॉइंटर मारा जिससे चीन ने दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त को दोहरे अंकों तक बढ़ाया।

जापान ने चीन की मज़बूत रक्षा के ख़िलाफ़ स्कोर करने के लिए संघर्ष किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में ही स्कोरिंग का सूखा खत्म हुआ। चीन ने आखिरी क्वार्टर में 31 अंक बनाए और 100–58 के साथ अपनी चौथी जीत दर्ज की।

चीन के हू जिनकिउ और जापान के रयूसेई सासाकी दोनों ने खेल में सर्वाधिक 17 अंक बनाए, जबकि झाओ ने मेजबान के लिए 16 अंक बनाए।

चीन के मुख्य कोच गुओ शिकियांग ने कहा, दोनों टीमों ने प्रशंसकों को रोमांचक खेल दिखाया। हमारा ध्यान, रक्षात्मक रणनीति और तेज़ ब्रेक बिल्कुल सही थे।

इससे पहले गुरुवार को मंगोलिया ने गुआम को 74–63 से हराकर ग्रुप सी में अपनी पहली क्वालीफाइंग जीत दर्ज की।

शेड्यूल के अनुसार, चीन रविवार को तीसरे विंडो के दूसरे गेम में गुआम का सामना करेगा, जबकि जापान मंगोलिया से भिड़ेगा। 2025 फीबा एशिया कप 5 से 17 अगस्त तक सऊदी अरब के जेद्दा में होगा।

अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोरों पर

सियोल में आईएसयू फिगर स्केटिंग चैम्पियनशिप में भाग लेती हुई रेन जुनफेई और जिंग जियानिंग की चीनी जोड़ी।

बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट लेने के बाद शमी ने कहा–वापसी करना हमेशा मुश्किल होता है

दुबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट लेकर मैच जीताने वाला प्रदर्शन करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने एक साल से अधिक समय के बाद अंतरराष्ट्रीय सेट-अप में अपनी वापसी पर खुलकर बात की।

इंग्लैंड के खिलाफ कुछ सीमित ओवरों के मैचों के बाद, शमी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के पहले मैच में दिखाई दिए, उन्होंने मैच में 53 रन देकर 5 विकेट लिए और 200 वनडे विकेट पूरे किए। यह वापसी रणजी, सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट में बंगाल के लिए सभी प्रारूपों में घरेलू क्रिकेट में कड़ी मेहनत के बाद हुई।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, शमी ने कहा, जब आप वापसी करते हैं तो यह बहुत मुश्किल होता है कि आप सब कुछ नए सिरे से शुरू करते हैं। यह 14 महीने का ब्रेक था और मैं भाग्यशाली था कि मेरे पास वापसी करने के लिए घरेलू मैच थे। उन्होंने कहा, ये 14 महीने बहुत कठिन थे क्योंकि आपको पूरी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और यह आसान नहीं होता। करीबी मैचों में घर पर बैठकर आप अपनी टीम के साथ नहीं रह पाते और ऐसा महसूस करते हैं कि काश मैं भी योगदान दे पाता।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश का शीर्ष क्रम लड़खड़ा गया और उसके 5 विकेट केवल 35 रन पर ही गिर गए, लेकिन तौहीद हृदय (117 गेंदों में 100 रन, छह चौकों और दो छक्कों की मदद से) और जैकर अली (114 गेंदों में 68 रन, चार चौकों की मदद से) के बीच 154 रनों की साझेदारी ने उन्हें 228/10 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

रन चेज में भारत ने कप्तान रोहित (36 गेंदों में 41 रन, सात चौकों की मदद से) की अगुआई में 69 रनों की शानदार ओपनिंग साझेदारी की। भारत 144/4 पर पहुंच गया और वहां से शुभमन गिल (129 गेंदों में 101* रन, नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से) और केएल राहुल (47 गेंदों में 41* रन, एक चौका और दो छक्के की मदद से) ने भारत को मैच जीता दिया। गिल ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

उपकप्तान शुभमन गिल बोले हमें बाहर से मिल रहे थे निर्देश

दुबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले उपकप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि उन्हें अंत तक बल्लेबाजी करने के संदेश मिले थे। शुभमन ने इस मैच में धीमी बल्लेबाजी करते हुए 129 गेंदों पर 9 चौके और दो छक्के लगाकर 101 रन बनाये। धीमी बल्लेबाजी का कारण शुभमन ने ड्रेसिंग रुम से मिल रहे उस संदेश को कारण बताया जिससे उन्हें टिककर अंत तक खेलने को कहा गया था। शुभमन की इस बात से साफ है कि कोच गौतम गंभीर ने मैच पर नियंत्रण बनाये रखा हुआ था। भारतीय टीम ने शुभमन की शानदार बल्लेबाजी और शमी के पांच विकेटों की सहायता से आसानी से मैच जीत लिया।

शुभमन अपनी बल्लेबाजी से खुश दिखे और कहा, ''यह निश्चित रूप से मेरे सबसे अच्छे शतकों में से एक था। आईसीसी टूर्नामेंट में यह मेरा पहला शतक है जिससे मैं काफी उत्साहित हूं। पिच आसान नहीं थी। शुरुआत में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी पर हमें मैदान के बाहर से निर्देश मिल रहे थे और उसी के अनुसार मैंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ क्रीज का इस्तेमाल करते हुए स्ट्रोक्स खेले जिससे काफी लाभ हुआ।

कप्तान रोहित ने मैच जीतने के बाद कहा, '' आपको हर मैच से पहले आत्मविश्वास से भरा रहना होगा। मैच के दौरान हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना पड़ता है। कप्तान के तौर पर मुझे लगता है कि हमने हालातों के अनुसार अपने को ढ़ाल जिसके कारण ही हमें सफलत मिली। साथ ही कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में दबाव तो रहता ही है जिसका सामना करना आपको आना चाहिये।''

वहीं दूसरी ओर हार से निराश बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो ने कहा, ''हमारी शुरुआत खराब रही थी पर इसके बाद तोहिद हृदय और जाकिर अली ने अच्छी साझेदारी कर हमें मैच में बनाये रखा।

23वें राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तमिलनाडु का जलवा, 17 स्वर्ण सहित कुल 47 पदक जीते

चेन्नई। 23वें राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तमिलनाडु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 47 पदक अपने नाम किए। इसमें 17 स्वर्ण, 18 रजत और 12 कांस्य पदक हैं। पदक तालिका में तमिलनाडु दूसरे स्थान पर रहा। यह चैंपियनशिप तमिलनाडु के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के 1,476 पैरा–एथलीटों ने भाग लिया और 155 इवेंट्स में प्रतिस्पर्धा की। तमिलनाडु के खेल प्रदर्शन के अनुसार, जीवा मुथुराज ने पुरुषों की 100 मीटर टी38 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसी प्रकार शील अब्दुल काद के.एम. ने पुरुषों की 100 मीटर टी45/टी46/टी47 स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया और राजेश कुमार ने पुरुषों की 100 मीटर टी62/टी64 स्पर्धा में कांस्य पदक तक तक पहुंचने में सफल रहे। 23वीं राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप के कुल परिणाम के अनुसार, हरियाणा ने कुल 106 पदक जीतकर चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें 49 स्वर्ण, 32 रजत और 25 कांस्य पदक शामिल हैं। उत्तर प्रदेश ने 14 स्वर्ण, 17 रजत और 11 कांस्य पदक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। राजस्थान ने 13 स्वर्ण, 22 रजत और 26 कांस्य पदक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। जबकि महाराष्ट्र ने 11 स्वर्ण, 3 रजत और 13 कांस्य पदक के साथ पांचवां स्थान प्राप्त करने में सफल हो पाया।

1 साल में 25000 रुपए बढ़ गए सोने के दाम

मुंबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

पिछले 1 साल में सोने की कीमतों में 25000 रूपये की तेजी बाजार में आई है। अभी यह तेजी और भी आगे जाने की संभावना जताई जा रही है। शेयर बाजार के मुकाबले में सोने में जिन्होंने निवेश किया है। उन्हें दो गुना ज्यादा मुनाफा हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3000 डालर प्रति ओंस की सीमा तोड़ेगा सोना

17 फरवरी 2024 से लेकर 20 फरवरी 2025 तक सोने का रिटर्न लगभग 41 फ़ीसदी तथा चांदी में 37.6 फ़ीसदी लाभ निवेशकों को मिला है। वहीं शेयर बाजार में 24 फीसदी का लाभ निवेशकों को मिला है। जिस तरह से शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। उससे यह मुनाफा और भी कम होगा। जिसके कारण निवेशकों का झुकाव सोने एवं चांदी की ओर बढ़ गया है।

16 फरवरी 2024 को 24 कैरेट सोने की कीमत 61743 प्रति 10 ग्राम थी। चांदी 70922 प्रति किलोग्राम थी। 1 साल की अवधि में 24 कैरेट सोने के दाम में 25000 से ज्यादा की तेजी आई है। 22 कैरेट सोने के दाम 23000 रूपये प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। चांदी की कीमत में 26644 प्रति किलो की तेजी आई है।

पिछले 37 दिनों से सोने का दाम लगातार बढ़ रहा है। इसमें अभी तक 14 फ़ीसदी से ज्यादा की तेजी आ चुकी है। 24 कैरेट सोने का दाम लगभग 11000 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुका है। गुरुवार को सोने के दाम नई ऊंचाई पर पहुंचे हैं। देश में 24 कैरेट सोने के दाम 87 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग लगातार बढ़ रही है। डॉलर मुद्रा को लेकर जिस तरह की अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। चीन, रूस और ब्रिक्स के देश सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं। उसके कारण बाजार में सोने के दाम और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जल्द ही सोना 3000 डालर प्रति ओंस के स्तर को पार कर सकता है। इस बात की संभावना जताई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

मेक इन इंडिया के 10 साल पूरे: अदाणी समूह ग्लोबल स्किल हब बनाएगा

नई दिल्ली। मेक इन इंडिया अभियान के 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की शुरुआत की थी जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन का हब बनाना था। इस मैंगोलियाई कंपनी एडानी ग्रुप की साझेदारी के माध्यम से ग्रीन एनर्जी, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और इंडस्ट्रियल डिजाइन के क्षेत्र में कुशल प्रतिभाओं का विकास होगा। अडानी समूह करीब 2,000 करोड़ रुपये इस कार्यक्रम में निवेश करेगा और एडानी ग्लोबल स्किल्स एकेडमी केंद्र स्थापित करेगा। इसके जरिए युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षित किया जाएगा। पहले चरण में, दुनिया का सबसे बड़ा फिनिशिंग स्कूल गुजरात के मुंद्रा में स्थापित किया जाएगा जहां हर साल 25,000 से अधिक छात्रों को इंडस्ट्री और सर्विस सेक्टर की भूमिकाओं के लिए तैयार किया जाएगा।

भारतीय ई-कॉमर्स सेक्टर 2035 तक बढ़कर 550 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

मुंबई। भारत के ई-कॉमर्स सेक्टर को लेकर एक नई सूचना सामने आई है। एक अनुमान के अनुसार

भारत का ई-कॉमर्स बाजार 2035 तक 4 गुना बढ़कर 550 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह जानकारी एक संयुक्त रिपोर्ट से आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारत का ई-कॉमर्स बाजार 125 अरब डॉलर का था। अनारॉक के सीईओ ने बताया कि भारतीय ई-कॉमर्स बाजार 15 फीसदी की सीएजीआर के साथ 2035 तक 550 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इस वृद्धि के पीछे कई कारण हैं, जैसे इंटरनेट की बढ़ती पहुंच, स्मार्टफोन अपनाने की बढ़ती दर, डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार आदि। साथ ही, सरकारी पहल जैसे डिजिटल इंडिया और लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन नेटवर्क में हो रहे सुधार भी इस बढ़ते बाजार को सहारा दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ई-कॉमर्स कंपनियां अब छोटे शहरों और कस्बों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं इस रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिटेल इंडस्ट्री का बाजार भी 2035 तक 2,500 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह उम्मीद है कि भारतीय ई-कॉमर्स सेक्टर अपनी वृद्धि के साथ देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

केंद्र सरकार अर्थव्यवस्था बढ़ाने राज्यों के साथ मिलकर कर रहा काम: पीयूष गोयल

कोच्चि। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार भारत की

अर्थव्यवस्था को 2047 तक 30000-35000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लिए सभी राज्यों के साथ सहयोग कर रही है। उन्होंने इसके लिए विभिन्न उद्घाटन कार्यक्रमों में भाग लेकर निवेशकों को आकर्षित करने का प्रयास किया। गोयल ने केरल निवेश वैश्विक शिखर सम्मेलन में उच्च स्तरीय अधिकारियों और निवेशकों के सामने यह लक्ष्य रखा और उन्हें निवेश करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत में विकास और प्रगति के लिए अवसर अजेय हैं, और सभी राज्यों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। गोयल ने देश की अर्थव्यवस्था को मौजूदा 4000 अरब अमेरिकी डॉलर से 2047 तक 30000-35000 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य को बड़े विश्वास के साथ देखा।

किया ईवी6 की 1380 यूनिट्स को रिकॉल किया गया

मुंबई। किआ मोटर ने इस साल ऑटो एक्सपो 2025 में अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी किया ईवी6 का

फेसलिफ्ट मॉडल लांच किया था, जिसमें नए फीचर्स और अपडेट्स दिए गए थे। हालांकि, इसका डिजाइन उतना प्रभावी नहीं रहा। 17 जनवरी 2025 से कंपनी ने इसके फेसलिफ्ट वर्जन के लिए बुकिंग शुरू कर दी थी, लेकिन अब खबर आ रही हैं कि किया ईवी6 को रिकॉल किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, किया ईवी6 को रिकॉल करने का कारण इलेक्ट्रिक एसयूवी के इंटीग्रेटेड चार्जिंग कंट्रोल यूनिट (आईसीसीयू) में गड़बड़ी है। यह गड़बड़ी सॉफ्टवेयर से जुड़ी हुई है, इस अपडेट किया जाएगा। इसके कारण, कंपनी ने कुल 1380 यूनिट्स को रिकॉल किया है। ये यूनिट्स 3 मार्च 2022 से लेकर 14 अप्रैल 2023 के बीच बनी थीं।

पोस्ट ऑफिस में 5 साल की एफडी पर मिल रहा 7.5 प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

अगर आपके पास 5 लाख रुपये हैं और आप इसे 5 साल के लिए निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो यह समझना जरूरी है कि कौन-सा विकल्प अधिक फायदेमंद होगा। पोस्ट ऑफिस की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) योजनाएं भारत में सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक मानी जाती हैं।

पोस्ट ऑफिस की फिक्स्ड डिपॉजिट योजना के तहत निवेशक एकमुश्त राशि जमा कर सकते हैं और उस पर निश्चित ब्याज दर के अनुसार रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। 5 साल की एफडी पर वर्तमान में 7.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिल रहा है। अगर कोई व्यक्ति 5 लाख रुपये एफडी में निवेश करता है, तो 5 साल बाद उसे कुल 7,24,974 रुपये मिलेंगे, जिसमें 2,24,974 रुपये का ब्याज शामिल होगा।

वहीं, पोस्ट ऑफिस की रिकरिंग डिपॉजिट योजना में निवेशक हर महीने एक निश्चित राशि जमा करते हैं और उस पर चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है। आरडी का मुख्य फायदा यह है कि यह उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो एकमुश्त राशि नहीं लगा सकते लेकिन हर महीने थोड़ी-थोड़ी बचत करना चाहते हैं। वर्तमान में 5 साल की आरडी पर ब्याज दर 6.7 प्रतिशत है। यदि कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये निवेश करता है, तो 5 साल में उसकी कुल जमा राशि 6 लाख रुपये होगी और मैच्योरिटी पर उसे 7,13,659 रुपये मिलेंगे, जिसमें 1,13,659 रुपये का ब्याज शामिल होगा। अगर तुलना की जाए तो एफडी में रिटर्न अधिक है, क्योंकि इसमें निवेश की गई पूरी राशि पहले दिन से ब्याज अर्जित करती है। वहीं, आरडी में हर महीने अलग-अलग समय पर जमा की गई राशि पर ब्याज मिलता है, जिससे कुल ब्याज अपेक्षाकृत कम हो जाता है।

फोन-पे शेयर बाजार में होगा सूचीबद्ध आईपीओ की तैयारी जारी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोन-पे ने देश के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के लिए अपने संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी शुरू कर दी है। फोन-पे का भाव वर्ष 2023 में आयोजित अंतिम वित्तपोषण दौर के दौरान 12 अरब डॉलर था। इसके साथ ही कंपनी ने दिसंबर, 2022 में सिंगापुर से भारत में स्थानांतरण किया था। फोन-पे ने एक बयान में कहा कि कंपनी अपने संभावित आईपीओ के संबंध में प्रारंभिक कदम उठा रही है और भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की योजना बना रही है। कंपनी ने दिसंबर, 2022 में सिंगापुर से भारत में स्थानांतरण किया था फोन-पे की ये लिस्टिंग भारतीय टेक स्टार्टअप्स के लिए एक बड़ा बेंचमार्क हो सकती है और डिजिटल फाइनेंस सेक्टर में नए निवेशकों के लिए नए अवसर खोल सकती है। फोन-पे डिजिटल पेमेंट ऐप अगस्त 2016 में लॉन्च हुआ था और जनवरी 2025 तक, कंपनी के पास 59 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर और 4 करोड़ से ज्यादा व्यापारियों तक फैला एक विशाल डिजिटल पेमेंट नेटवर्क था। फोन-पे के जरिए रोजाना 31 करोड़ से भी ज्यादा ट्रांजैक्शन होते हैं, जिसका सालाना टोटल पेमेंट वैल्यू 145 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। बता दें कि बेंगलुरु स्थित यह कंपनी देश की सबसे बड़ी डिजिटल पेमेंट सेवा प्रदाता है, जिसका यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस में करीब 48 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है।

सेबी ने यूनिफाइड इन्वेस्टर ऐप लॉन्च किया

मुंबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

निवेशकों की सुविधा को देखते हुए सेबी ने यूनिफाइड इन्वेस्टर ऐप लांच किया है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि इस नए डिजिटल प्लेटफार्म का उद्देश्य निवेशकों को एक ही ठिकाने से पूरी तरह स्वामित्व में निवेश संपत्तियों का प्रबंधन करने में मदद करना है। इस एप के माध्यम से, निवेशक अब अपने सीडीएसएल और एनएसडीएल की होल्डिंग्स, वित्तीय लेनदेन, म्यूचुअल फंड, ट्रेडिंग पोजीशन और अन्य निवेश संम्पत्तियों पर निगरानी रख सकते हैं एक ही जगह से।

अब एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी निवेशों की मिलेगी जानकारी

इसमें मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशनस के साथ साझेदारी है, जिससे निवेशकों को सतर्कता और सुरक्षितता की गारंटी मिलती है। अधिकारी ने बताया कि सभी सिक्योरिटीज असेट्स और ब्रोकरों में ट्रेडिंग पोज़ीशन आदि की माहिती पॉर्टफोलियो का कॉम्प्रिहेंसिव व्यू विशेष रूप से भावशील निवेशकों तक पहुंचा देते हैं जो निर्णय लेने के लिए आधारभूत हो सकते हैं। यह इस प्लेटफॉर्म पर निर्भर एक प्रमुख आधार है जिससे निवेशक आपनी एसेट्स और ट्रेडिंग पोजिशन के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस नए यूनिफाइड एप की सुविधाओं का खुलासा करते हुए सीडीएसएल के एमडी ने इसे सुरक्षा से लेकर निवेशकों की माँगों के अनुरूप बनाने के लिए मेल जोड़ने में मदद करने के लिए इसे एक नई अवसर बताया है। इससे निवेशकों को उनकी निवेशों पर नजर रखने की सुविधा मिलेगी और उन्हें रिस्क की सुविधा भी मिलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हर क्षेत्र में ...

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जब कूटनीति से लेकर प्रौद्योगिकी नवोन्मेष तक एक नए नेतृत्व को आगे बढ़ाएंगे तो सारे क्षेत्रों में भारत का प्रभाव कई गुना बढ़ेगा।उन्होंने कहा, यानी एक तरह से भारत का पूरा दृष्टिकोण और भविष्य एक मजबूत नेतृत्व वाली पीढ़ी पर निर्भर होगा, इसलिए हमें वैश्विक सोच और स्थानीय संस्कारों के साथ आगे बढ़ना है।सम्मेलन में मुख्य भाषण भूटान के प्रधानमंत्री दासो शेरिंग तोग्बे का हुआ।दो दिन के इस सम्मेलन में राजनीति, खेल, कला, मीडिया, आध्यात्म, लोकनीति, व्यापार और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी हस्तियां अपनी सफलता की गाथा साझा करेंगी।

पीएम मोदी मेरे ...

और हमेशा मेरा मार्गदर्शन करते हैं।टोबगे ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी समझ, हिम्मत और शानदार नेतृत्व से 10 साल में भारत को तरक्की की राह पर ला दिया। वहीं, पीएम मोदी ने भी इस मौके पर कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए नागरिकों का विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग क्षेत्रों में अच्छे लीडर्स तैयार करना भी उतना ही अहम है।

मेरे जैसे...

हुए हैं, जब अहिल्याबाई होल्कर की जयंती का 300वां वर्ष है और कुछ ही समय पहले बाबा साहेब आंबेडकर के प्रयासों से बने देश के संविधान ने भी अपने 75 वर्ष पूरे किए हैं।उन्होंने कहा, आज हम इस बात पर भी गर्व करेंगे कि महाराष्ट्र की धरती पर मराठी भाषी एक महापुरुष ने 100 वर्ष पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बीज बोया था। आज ये एक वट वृक्ष के रूप में अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।पीएम मोदी ने कहा, वेद से विवेकानंद तक भारत की महान परंपरा और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक संस्कार यज्ञ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से चला रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मेरे जैसे लाखों लोगों को आरए-सएस ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी है। संघ के ही कारण मुझे मराठी भाषा और मराठी परंपरा से जुड़ने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान पिछले दिनों मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि देश और दुनिया में 12 करोड़ मराठी भाषी लोगों को इसका दशकों से इंतजार था।उन्होंने कहा, यह काम पूरा करने का अवसर मुझे मिला। मैं इसे अपने जीवन का बड़ा सौभाग्य मानता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन एक भाषा या राज्य तक सीमित आयोजन नहीं है, मराठी साहित्य के इस सम्मेलन में आजादी की लड़ाई की महक है। उन्होंने कहा कि इसमें महाराष्ट्र और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत है।

राष्ट्र की लोकतांत्रिक...

इनमें अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय विस्थापन और धर्म परिवर्तन प्रमुख हैं। इनका उद्देश्य किसी तरह से भारत पर कब्जा करना है।उन्होंने कहा, यह एक खतरनाक मकसद के साथ साजिश है। वित्तीय रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो हमें दास बनाने की दिशा में हो रहा है।

विदेश मंत्रालय ने...

भाजपा का आरोप है कि वर्ष 2024 के आम चुनाव में विपक्ष और तात्कालीन अमेरिकी सरकार और जॉर्ज सोरोस के बीच सांठगांठ थी। दूसरी ओर कांग्रेस ने ट्रम्प के बयान को वाहियात बताते हुए सरकार से इस मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यूएसएड की ओर से भारत के लिए कोई धन आवंटित नहीं किया गया था। धन आवंटन असल में बांग्लादेश के लिए था। उधर राष्ट्रपति ट्रम्प ने पूरे प्रकरण में अपने पुराने कथन को दोहराते हुए कहा कि यह वास्तव में रिश्वतखोरी या दलाली दोनों का मामला था। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि आखिर यह रिश्वत किसको और क्यों दी गई।

अमेरिका में एलन मस्क की अगुवाई वाले दक्षता संबधित विभाग की ओर से एक सूची जारी की गई थी जिसमें अमेरिकी संस्था यूएसएड की ओर से वोटरटर्नआउट के लिए निधि आवंटित किए जाने का उल्लेख था। इसी तरह बांग्लादेश के लिए दो करोड़ 90 लाख डॉलर आवंटित किए गए थे। दक्षता विभाग ने यह सभी आवंटन रद्द कर दिए हैं।

रेलवे ने एक्स...

सख्ती दिखाई गई थी।इसमें मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से कहा गया था कि आपके ऐसा न करने से कानून और व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती थी। नोटिस में एक यूट्यूब वीडियो, एक इंस्टाग्राम पोस्ट और दो इंस्टाग्राम रील को लिस्ट किया गया था। हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि यह नोटिस किसी विशिष्ट घटना से संबंधित था या नहीं।रेलवे ने एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर को दिए अधिकार 24 दिसंबर को रेल मंत्रालय ने अपने एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, इन्फॉर्मेशन एंड पब्लिसिटी (रेलवे बोर्ड) को खढ एक्ट के 79(3)(बी) के तहत एक अधिकार दिया। इसके तहत अधिकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को सीधे किसी भी कंटेंट को हटाने का निर्देश जारी कर सकता है। पहले यह निर्देश खढ मंत्रालय की धारा 69ए ब्लॉकिंग कमेटी के जरिए भेजे जाते थे।

विदेशी भाषाओं पर...

तो केंद्र को तमिल्स यूनी नेचर यानी तमिलों के मजबूत विरोध का सामना करना पड़ेगा।उदयनिधि ने 18 फरवरी को कहा कि जो राज्य हिंदी को स्वीकार करते हैं, वे अपनी मातृभाषा खो देते हैं। केंद्र लैंग्वेज वॉर शुरू न करें। इस बयान के बाद राज्य में सत्तारूढ़ ऊ्मघ और बीजेपी के बीच केंद्र की ट्राई लैंग्वेज नीति और हिंदी को थोपने को लेकर बहस तेज हो गई।उन्होंने कहा था कि धर्मेंद्र प्रधान ने हमें खुलेआम धमकी दी है कि फंड तभी जारी किया जाएगा जब हम तीन-भाषा फॉर्मूला स्वीकार करेंगे। लेकिन हम आपसे भीख नहीं मांग रहे हैं।उदयनिधि ने भाजपा को कहा, यह द्रविड़ और पेरियार की भूमि है। पिछली बार जब आपने तमिल लोगों के अधिकारों को छीनने की कोशिश की थी तो हम लोगों ने मगो बैक मोदीफ शुरू कर दिया था। यदि आप फिर से कोशिश करते हैं, तो इस बार आवाज होगी मबाहर निकलो मोदी। आपको वापस भेजने के लिए आंदोलन किया जाएगा।डिप्टी सीएम ने ट्राई लैंग्वेज के फार्मूले पर कहा- धर्मेंद्र प्रधान पूछते हैं कि केवल तमिलनाडु ही इसका विरोध क्यों कर रहा है। बाकी सभी राज्यों ने इसे स्वीकार कर लिया है?

मुझे हल्के में ...

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच मतभेदों की अटकलों के बीच, 900 करोड़ की एक और परियोजना, जिसे शिंदे के सीएम कार्यकाल के दौरान मंजूरी दी गई थी, वो अब रोक दी गई है। शिंदे द्वारा अनुमोदित जालना जिले की यह परियोजना अब मुख्यमंत्री कार्यालय के आदेश के अनुसार सिडको के प्रबंध निदेशक द्वारा जांच की जा रही है। इस घटनाक्रम से शिवसेना और बीजेपी के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे सीएम फडणवीस और डिप्टी सीएम शिंदे के बीच तनाव बढ़ सकता है।जालना खारपुडी परियोजना की जांच ने इसकी वैधता और शिंदे की मंजूरी के पीछे के इरादों पर सवाल उठाए हैं। उद्धव ठाकरे गुट के पूर्व विधायक संतोष सांबारे ने भी इस मामले में सीएम फडणवीस से कार्रवाई की मांग की है। शिवसेना यूबीटी के नेता और महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने भी सीएम देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर परियोजना में अनियमितताओं को उजागर करते हुए हाई पावर कमेटी से जांच कराने और राज्य सरकार को गुमराह कर सरकारी खजाने को सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस घटनाक्रम ने जालना खारपुडी परियोजना के भाग्य और महायुति सरकार में समन्वय पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल देवेंद्र फडणवीस द्वारा शिंदे सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए कुछ कॉन्ट्रैक्ट को रद्द करने और कुछ परियोजनाओं की जांच के आदेश देने के बाद तनाव और बढ़ गया है। इनमें एससी महामंडल के लिए 1310 बसों का कॉन्ट्रैक्ट भी शामिल है। पूर्ववर्ती शिंदे सरकार पर कुछ खास कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए टेंडर प्रक्रिया में बदलाव करने का आरोप लगा था और इसकी वजह से राज्य परिवहन निगम को कम से कम 2000 करोड़ रुपये के नुकसान का अंदाजा था। एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री रहते अपने करीबी महाड के विधायक भरत गोगावले को एसटी महामंडल का अध्यक्ष बनाया था। भरत गोगावले ने 1310 बस कॉन्ट्रैक्ट पर लेने का निर्णय लिया था।

लेकिन सीएम फडणवीस ने कॉन्ट्रैक्ट रद्द करने के साथ नए सिरे से और पारदर्शिता के साथ पूरी प्रक्रिया फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है।

महाराष्ट्र में जिलों के संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर असहमति हो या विभिन्न परियोजनाओं की निगरानी के लिए अलग-अलग मेडिकल सेल और मवॉर रूमफ की अलग-अलग समीक्षा बैठकें करने तक, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके डिप्टी एकनाथ शिंदे के रिश्तों में तल्खी बढ़ती दिख रही है।

एक मार्च को मनाया जाएगा फुलेरा दूज

हर साल फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को फुलेरा दूज मनाई जाती है। यह त्योहार श्री कृष्ण और राधा रानी को समर्पित है। इस दिन विधि-विधान से पूजा करने से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस पर्व की खास रौनक ब्रज में देखने को मिलती है। इस दिन भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी पर फूलों की वर्षा की जाती है। मान्यता है इस दिन सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और जीवन में सफलता के द्वार खोलते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं; इस साल फुलेरा दूज कब मनाई जाएगी और इस पर्व का क्या महत्व है।

फुलेरा दूज कब है

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि ०१ मार्च को रात ०३ बजकर १६ मिनट से शुरू हो रही है और समापन ०२ मार्च को रात १२ बजकर ०९ मिनट पर होगा। हिन्दू धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। ऐसे में इस साल ०१ मार्च को फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाएगा।

फुलेरा दूज शुभ मुहूर्त

इस दिन अमृत काल सुबह ४ बजकर ४० मिनट से शुरू हो रहा है और ६ बजकर ६ मिनट पर समाप्त।

ब्रह्म मुहूर्त सुबह ०५ बजकर ०७ मिनट से ०५ बजकर ५६ मिनट तक रहेगा।

जबकि विजय मुहूर्त दोपहर ०२ बजकर २९ मिनट से ०३ बजकर १६ मिनट तक होगा।

वहीं, गोधूलि मुहूर्त शाम ०६ बजकर १८ मिनट से ०६ बजकर ४३ मिनट तक है।

फुलेरा दूज का महत्व

फुलेरा दूज को लेकर ऐसी मान्यता है कि जब भगवान श्री कृष्ण राधा रानी से नहीं मिल रहे थे तो राधा जी उनसे नाराज हो गईं थीं। जिसके कारण मथुरा के सारे फूल मुरझा गए थे। जब कान्हा को यह बात पता चली तो उनसे तुरंत मिलने पहुंच गए। ऐसे में पूरे ब्रज में फिर से फूल खिल उठे। इस मौके पर श्री कृष्ण ने राधा रानी के ऊपर खिले हुए फूल फेंकते हैं। जिसके जवाब में राधा रानी ने भी श्री कृष्ण पर पुष्प वर्षा करती हैं। इसके बाद मथुरा के लोगों ने भी राधा रानी और कृष्ण जी पर फूल बरसाए। मान्यता है इसके बाद से ही फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाने लगा।

लड्डू गोपाल को स्नान करवाते समय यह कार्य अवश्य करें

हिंदू धर्म में लड्डू गोपाल (बाल स्वरूप श्रीकृष्ण) का विशेष स्थान माना गया है। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप के रूप में पूजा जाता है। लड्डू गोपाल की पूजा और उनकी सेवा विशेष आस्था और श्रद्धा का विषय है। ऐसा माना जाता है कि उन्हें स्नान कराते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे वे प्रसन्न हों और आपके घर में सुख-समृद्धि आए। स्नान की शुरुआत शुद्ध विचारों से होना चाहिए। सबसे पहले लड्डू गोपाल की मूर्ति को शुद्ध जल से स्नान कराना चाहिए। जल में गंगाजल मिलाना अत्यधिक शुभ माना जाता है। इसके बाद गुलाब जल, दूध और शहद का उपयोग करना चाहिए। यह सारी प्रक्रिया 'पंचामृत स्नान' कहलाती है, जो भगवान को प्रसन्न करने का उपाय है।

स्नान के बाद नए वस्त्र पहनाएं

स्नान के बाद लड्डू गोपाल को कोमल और साफ कपड़े से पोंछ कर उन्हें नए वस्त्र पहनाने चाहिए। भगवान के वस्त्र शुद्ध और सुंदर होने चाहिए। इसके बाद उन्हें चंदन का टीका लगाकर फूलों की माला पहनाएं। स्नान के बाद उन्हें भोग लगाएं। आप ताजे फलों, मेवों और उनके प्रिय मिष्ठानों का भोग लगा सकते हैं। अंत में भगवान को धूप-दीप दिखाकर उनकी आरती करें। कहा जाता है कि इस पूरी पूजा और सेवा के दौरान भगवान का स्मरण और मंत्रों का जाप करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान की कृपा हमेशा आपके ऊपर बनी रहेगी और घर में सुख-समृद्धि आती है।

शुद्ध जल: लड्डू गोपाल को हमेशा शुद्ध और ताजे जल से स्नान करवाना चाहिए।

पंचामृत: शुद्ध जल के बाद लड्डू गोपाल का स्नान प्रतिदिन पंचामृत से कराया जाता है, जिसे ताजे दूध और दही से तैयार करना चाहिए।

स्नान कराते समय खड़े न हों: लड्डू गोपाल को स्नान करवाने के दौरान खड़े होकर स्नान न कराएं बल्कि एक आसन पर बैठकर उन्हें स्नान करवाना चाहिए।

पंचामृत और चरणामृत: स्नान के बाद बचा हुआ पंचामृत और चरणामृत फेंकने के बजाय प्रसाद के रूप में बांट दें।

गाय को पिलाएं: अगर पंचामृत या चरणामृत अधिक मात्रा में बच जाए तो इसे गाय या बछड़े को पिला सकते हैं। यदि गाय उपलब्ध न हो तो इसे पीपल या बरगद जैसे पवित्र वृक्षों की जड़ में अर्पित करना चाहिए।

लड्डू गोपाल को परिवार का सदस्य मानते हैं भक्त

हिंदू धर्म में भक्त लड्डू गोपाल को अपने परिवार का सदस्य मानते हैं और उनकी देखभाल उसी तरह करते हैं जैसे एक छोटे बालक की। लड्डू गोपाल केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि भक्तों के लिए बालकृष्ण के प्रेम स्वरूप हैं। उनकी पूजा और सेवा करने से घर में सौभाग्य, समृद्धि और खुशहाली आती है। भक्त उन्हें अपने पुत्र, मित्र और परिवार के सदस्य के रूप में मानते हैं और पूरे श्रद्धा भाव से उनकी सेवा करते हैं। माना जाता है कि सही नियमों का पालन करते हुए यदि लड्डू गोपाल की भक्ति की जाए, तो भगवान श्रीकृष्ण की कृपा हमेशा बनी रहती है।

लड्डू गोपाल की पूजा से लाभ

घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

मनोकामनाएं पूरी होती हैं और कष्ट दूर होते हैं।

परिवार में सुख-समृद्धि और उन्नति बनी रहती है।

भक्तों के जीवन में प्रेम और शांति का संचार होता है।

मन के अशांत रहने से बढ़ रही है परेशानियां, अपनाएं वास्तु टिप्स

तेजी से बदलती लाइफ स्टाइल ने लोगों की लाइफ को काफी बदल दिया है। आज सब लोग इतने ज्यादा बिजी हो गए हैं कि उनके पास रिलैक्स करने का समय ही नहीं बचता है। वर्किंग प्रोफेशनल्स से लेकर बच्चे व टीन एजर्स लाइफ की बढ़ती आपाधापी के कारण टेंशन फील करते हैं और एक स्टेज पर आकर मेंटली परेशान रहने लगते हैं। जबकि सेहत के लिए फिजिकल के साथ-साथ मेंटल हेल्थ का भी बेहतर रहना जरूरी है। कुछ खास तरह के वास्तु उपाय मेंटल पीस बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ऐसे वास्तु टिप्स जिससे मानसिक शांति पाने में मिल सकती है मदद

मानसिक शांति के लिए वास्तु टिप्स

चांदी का यूज –मन का संबंध चंद्रमा से माना जाता है और चांदी चंद्रमा से जुड़ी मानी जाती है। मन को विचलित होने से बचाने और मानसिक शांति पाने के लिए चांदी का यूज करना चाहिए। इसके लिए चांदी की अंगूठी पहन सकते हैं या चांदी के गिलास में पानी पीना शुरू कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार चांदी से चंद्र यंत्र बनवाकर गले में पहनने से भी टेंशन और डिप्रेशन से बचने में मदद मिलती है। चांदी के यूज से चंद्र दोष से शांति मिलती है और मन का विचलित होना कम हो सकता है।

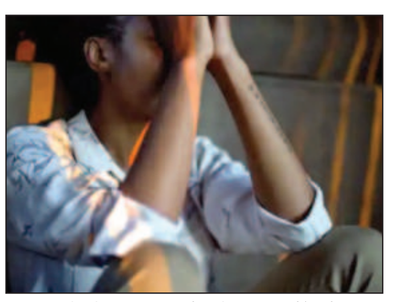

पॉजिटिव एनर्जी के लिए बच्चों को बांटे मिठाई

कभी-कभी निगेटिव एनर्जी के प्रभाव के कारण मन अशांत और विचलित रहता है। ऐसे में अपने आसपास पॉजिटिव एनर्जी फील करने के लिए बच्चों को खोए की मिठाई बांटना चाहिए। अपने आसपास खुश बच्चों से आपको पॉजिटिव एनर्जी फील करने में मदद मिल सकती है।य

शिवलिंग पर चढ़ाएं कच्चा दूध

भगवान शिव की कृपा से भी मानसिक शांति प्राप्त करने में मदद मिलती है। मन के विचलित रहने पर भगवान शिव को प्रसन्न करने का उपाय भी काफी काम आ सकता है। इसके लिए हर दिन सुबह स्नान करने के बाद शिव मंदिर जाकर शिवलिंग पर कच्चा दूध चढ़ाना चाहिए। यह उपाय मन को बहुत जल्दी शांति प्रदान करता और तनाव दूर होता है।

ध्यान और अनुलोम विलोम

ध्यान लगाने से हर तरह के मानसिक तनाव से बचने में मदद मिलती है। अगर मन के विचलित रहने से परेशानी का अनुभव हो रहा हो तो हर दिन सुबह ध्यान लगाना चाहिए। इसके साथ ही कुछ समय के लिए अनुलोम विलोम का अभ्यास भी मन को शांत करने में मदद कर सकता है। इसके लिए पद्मासन में बैठकर दोनों हथेलियों को घुटने पर रखें और गहरी सांस लें। इसके बाद एक नाक को बंद कर दूसरे नाक से तीन बार गहरी सांस लें और धीरे-धीरे सांस छोड़ें। यही प्रोसेस दूसरी नाक से करें। बारी-बारी दोनों नाक से सांस लेने को अनुलोम विलोम कहते हैं।

पूर्व की दिशा में सिर रखकर सोएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, हमेशा पूर्व के सिर करके सोना चाहिए। इससे तनाव समेत हर तरह की मानसिक परेशानियों से बचने में मदद मिलती है। इसके साथ ही घर की साफ सफाई का पूरा ध्यान रखें और नमक पानी से पोंछा करें। शाम के समय कपूर जलाने के उपाय से भी मानसिक शांति बनाए रखने में मदद मिल सकती है। ऊपर बताए गए उपायों को अपनाने से तनाव और मानसिक परेशानियों को कम करने में काफी मदद मिल सकती है। इसके साथ ही भरपूर मात्रा में पानी पीने और खान पान का भी ध्यान रखना चाहिए।

२९ मार्च को लगने वाला है आंशिक सूर्य ग्रहण

साल २०२५ का पहला सूर्य ग्रहण २९ मार्च को लगेगा। हालांकि, यह ग्रहण पूर्ण नहीं, बल्कि आंशिक होगा। क्योंकि चंद्रमा की केंद्रीय छाया पृथ्वी के दक्षिण से गुजरेगी। यह खगोलीय घटना यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका जैसे कई महाद्वीपों में देखा जा सकेगा। आपको बता दें कि २९ मार्च को लगने वाले सूर्य ग्रहण को ९४ फीसदी सूर्य ही चंद्रमा को ढक देगा।यह यूटीसी टाइम ८ बजकर ५० मिनट से १२ बजकर ४३ मिनट तक देखा जा सकेगा। वहीं, भारतीय समयानुसार यह आंशिक सूर्य ग्रहण २ बजकर २० मिनट पर शुरू होगा और शाम ६ बजकर १६ मिनट पर समाप्त।

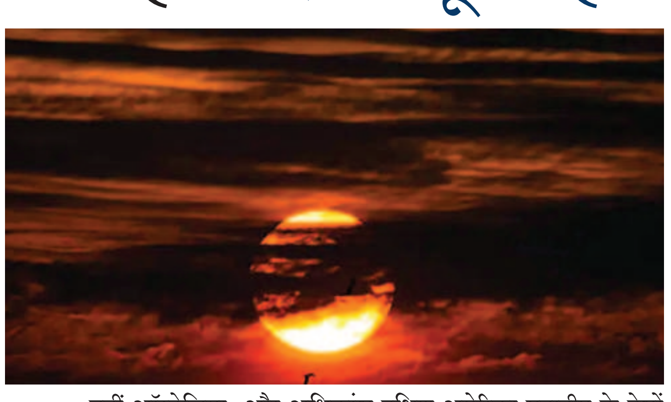

साल २०२५ में इस दिन मनाया जााएगा फुलेरा दूज, यहां जानिए सही तारीख

टाइम एंड डेटा वेबसाइट के अनुसार आंशिक सूर्य ग्रहण का दीदार ८१४ मिलियन लोग कर सकेंगे।

आंशिक सूर्य ग्रहण कहां-कहां आएगा नजर

उत्तरी-पश्चिमी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका के उत्तर पूर्वी भाग, यूरोप और उत्तरी रूस से दिखाई देगा। कनाडा, पुर्तगाल, स्पेन, आयरलैंड, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, डेनमार्क, जर्मनी, नार्वे, फिनलैंड और रूस में दिखाई देगा।

आंशिक सूर्य ग्रहण कहां-कहां नहीं आएगा नजर

लेकिन साल का पहला सूर्य ग्रहण भारत में नजर नहीं आएगा। ऐसे में सूतक काल मान्य नहीं होगा।

इसके अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, अफगानिस्तान, फिजी, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात में भी देखा नहीं जा सकेगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया, और अधिकांश दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के देशों से भी यह ग्रहण नजर नहीं आएगा। वहीं, साल का दूसरा सूर्य ग्रहण २१ सितंबर, २०२५ को लगेगा।

आप ग्रहण के दिन या फिर सामान्य दिनों में सूर्य देव मंत्र का जाप कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।।।

सूर्य देव के मंत्र –

ॐ घृणि सूर्याय नमः।

बीज मन्त्र – ॐ ह्राँ ह्रीँ ह्रौं सः सूर्याय नमः।

सूर्य गायत्री मंत्र – ॐ आदित्याय विद्महे, प्रभाकराय धीमहि, तन्नः सूर्यः प्रचोदयात्।।

सूर्य स्मरण मंत्र – डीॅर डीरप चर्पीर

प्रातः स्मरामि खलु तत्सवितुर्वरेण्यं
रूपं हि मंडलमृचोऽथ तनुर्यजूंषि।
सामानि यस्य किरणाः प्रभवादिहेतुं
ब्रह्माहरात्मकमलक्ष्यमचिन्त्यरूपम्।।

भगवान शिव के भक्तों के लिए महाशिवरात्रि का व्रत है खास

हिंदू धर्म में भगवान शिव की पूजा अर्चना का बहुत महत्व है। हर माह की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत और हर माह कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। शिव भक्त इन व्रतों को रखकर विधि विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना करते हैं लेकिन भगवान शिव की पूजा के लिए सबसे महत्वपूर्ण महाशिवरात्रि को माना जाता है। फाल्गुन माह की कृष्ण पक्षी की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था इस वर्ष २६ फरवरी बुधवार को महाशिवरात्रि का व्रत रखा जाएगा। महाशिवरात्रि से एक सप्ताह पहले ही देश भर के शिव मंदिरों में भगवान के विवाह कर रस्में शुरू हो जाती हैं। महाशिवरात्रि के दिन धूमधाम से भगवान शिव की बारात निकाली जाती है। मान्यता है कि महाशिवरात्रि का व्रत रखकर भगवान शिव की पूजा करने से वर्ष भर शिव भगवान की पूजा के बराबर फल प्राप्त हो जाता है। शिवरात्रि के व्रत में पारण का बहुत महत्व होता है। आइए जानते हैं शिवरात्रि का व्रत रखने वालों को पारण कब करना चाहिए।

वर्ष २०२५ में महाशिवरात्रि का व्रत २६ फरवरी बुधवार को रखा जाएगा। हर वर्ष महाशिवरात्रि का व्रत फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को रखा जाता है। पंचांग के अनुसार, फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि २६ फरवरी को सुबह ११ बजकर ८ मिनट से शुरू होकर २७ फरवरी को सुबह ८ बजकर ५४ मिनट तक मान्य है। देश भर में भगवान शिव और माता पार्वती की विवाह के दिन रखा जाने वाला महाशिवरात्रि का व्रत २६ फरवरी बुधवार का रखा जाएगा।

महाशिवरात्रि का पारण समय

महाशिवरात्रि का पारण व्रत के अगले दिन यानी २७ फरवरी गुरुवार को होगा। हालांकि शिवरात्रि के व्रतधारी शाम के समय फलहार कर सकते हैं। पारण के दिन सुबह स्नान के बाद भगवान शिव का गंगाजल से अभिषेक करने के बाद विधिविधान से पूजा करें और इसके बाद व्रत का पारण करें।

महाशिवरात्रि पारण समय

२७ फरवरी, सुबह ६ बजकर ४८ मिनट से सुबह ८ बजकर ५४ मिनट तक

महाशिवरात्रि के दिन रात के चारों प्रहरों में भगवान शिव की पूजा करने का विधान माना जाता है

रात्रि प्रथम प्रहर पूजा समय

शाम बजकर १९ मिनट से रात ९ बजकर २६ मिनट तक

रात्रि द्वितीय प्रहर पूजा समय

रात्रि ९ बजकर २६ मिनट से २७ फरवरी रात १२ बजकर ३४ मिनट तक

रात्रि तृतीय प्रहर पूजा समय

२७ फरवरी रात १२ बजकर ३४ मिनट से प्रातः ३ बजकर ४१ मिनट तक

रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजा समय

२७ फरवरी प्रात: ३ बजकर ४१ मिनट से सुबह ६ बजकर ४८ मिनट तक

पारण में रखें इन बातों का ध्यान

शिवरात्रि के व्रत के पारण में सात्विक भोजन ही करना चाहिए। इसके साथ ही पारण में मूली, बैंगन आदि का भी सेवन भी वर्जित माना जाता है। पारण के पहले ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा देने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है और व्रत का पूरा फल प्राप्त होता है।

महाशिवरात्रि का महत्व

मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव वैराग्य जीवन छोड़कर मां पार्वती के साथ विवाह के बंधन में बंधे थे। इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव भ्रमण पर निकलते हैं और रात्रि जागरण कर महादेव की भक्ति में भजन कीर्तन और पूजा करने वालों पर विशेष कृपा करते हैं। मान्यता है कि महाशिवरात्रि की रात ग्रह और नक्षत्रों की ऐसी स्थिति होती है जिससे एक खास ऊर्जा का प्रवाह होता है।

महाशिवरात्रि महादेव का स्वरूप

शिव परिवार के स्वरुप द्वारा प्रकृति का प्रत्येक पहलू उजागर होता है। जहाँ उनकी जटाएँ पवित्रता की द्योतक गँगा को धारण किये हुऐ हैं वहीं उनके गले में मुण्ड-माला (महाकाल का रूप) और नीचे वाक चर्म सुसज्जित है जो की अशुद्धता का प्रतीक है। शुद्ध-अशुद्ध,दोनों ही शिव में आते हैं। उनके शिखर पर सुशोभित अर्द्धचन्द्र सौंदर्य का प्रतिक है तो वहीँ शरीर पर लिप्त भस्म एक साधारण मनुष्य के लिए कुरूपता का चिह्न। उनकी गर्दन में कुंडलित सर्प का भोजन मूषक है, जो की उनके पुत्र गणेश जी का वाहन है। कार्तिकेय की सवारी मयूर है और मयूर का भोजन सर्प। माता शक्ति की सवारी बाघ है और शिव का वाहन बैल, जो कि बाघ का भोजन है।

शिव कामनाशक हैं तो वहीं माता शक्ति उनकी अर्द्धांगिनी हैं और दोनों मिलकर एक परिवार के प्रतीक हैं – और परिवार काम बिना संभव नहीं। एक बार फिर पता चलता है कि दोनों ही स्वरुप शिव के अंदर हैं।

शिव के आभूषण रुद्राक्ष हैं, तो माता के स्वर्ण मणि। भूत, प्रेत, पिशाच, देवी, देवता, सुर, असुर, आदि अस्तित्व के सभी स्तर उनके गण हैं। वह किसी को मना नहीं करते। इस प्रकार भगवान शिव के स्वरुप में सभी कुछ शामिल है, उनसे बाहर कुछ भी नहीं।सृष्टि का सृजन माता आदि शक्ति से हुआ, और उन्हीं से ही शिव उत्पन्न हुए। उन्होनें शिव की अर्द्धांगिनी बनना स्वीकार किया और उनके मिलन से सृष्टि के सभी पहलू उत्पन्न हुए। शिव और शक्ति का मिलन ही पूर्णता का प्रतीक है – जिसका न कोई आदि है न अंत।

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पुर्णमुदच्यते
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते

शिवरात्रि इसी पूर्णता को अपने अंदर अनुभव करने की रात है। किन्तु यह गुरु सानिध्य में, कुछ विशेष क्रियाओं, जैसे सनातन क्रिया, मन्त्र जाप और हवन आदि, द्वारा ही संभव है।

हम सभी अपूर्ण हैं और यही अपूर्णता हमें जीवन भर कुछ खोजने के लिए मज़बूर करती है। शिवरात्रि शिव को अनुभव करने की रात है, इस अनंत सृष्टि के साथ एक होकर पूर्ण होने की रात है – केवल बौद्धिक रूप से नहीं बल्कि गुरु द्वारा दिए गए ज्ञान से।

अश्विनीजी गुरुजी ध्यान आश्रम के मार्गदर्शक हैं। www.dhyanfoundation.com संकेतस्थल पर उनसे संपर्क किया जा सकता है

अश्विनीजी गुरुजी
ध्यान आश्रम

मधुबाला के साथ दिख रहे अभिनेता भारत भूषण सिनेमा का सबसे अमीर अभिनेता थे!

भाई की सलाह से हुआ कंगाल, चॉल में गुजरा आखिरी समय

हिंदी सिनेमा के गुजरे जमाने के एक्टर भारत भूषण का नाम ऐसा कोई सिनेलवर्स नहीं हैं, जो ना जानता हो। भारत भूषण फिल्म तानसेन, कालिदास, बैजू बावरा, कबीर और मिर्जा गालिब से जाने जाते हैं। भारत भूषण हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार थे और अमीरी में उनसे बड़े-बड़े एक्टर्स बहुत पीछे थे। भारत भूषण की जिंदगी जितनी गुलजार थी, उससे ज्यादा बुरा उनका अंत रहा था। भारत भूषण ने आज से 33 साल पहले दुनिया को अलविदा कहा था। भारत भूषण उत्तर प्रदेश के मशहूर जिले मेरठ में पैदा हुए थे, लेकिन उनकी मौत तंगहाली में हुई थी। भारत भूषण के पिता नहीं चाहते थे कि उनका बेटा एक्टर बने। भारत भूषण को उनके घरवाले वकील बनाना चाहते थे।

अलीगढ़ यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन कर भारत भूषण मुंबई चले गए थे। मुंबई में भारत भूषण ने काम के लिए स्ट्रगल शुरू कर दिया। भारत भूषण के पास उस समय के पॉपुलर डायरेक्टर महबूब खान के लिए एक सिफारिश खत था। उस वक्त महबूब खान फिल्म अलीबाबा चालीस चोर बना रहे थे, लेकिन वो खत दिखाने के बाद भी भारत भूषण को काम नहीं मिला। वहीं, किसी ने बताया कि रामेश्वर शर्मा फिल्म भक्त कबीर डायरेक्ट कर रहे हैं। ऐसे में भारत भूषण को फिल्म में 'भक्त कबीर' में रोल मिला और वो भी 60 रुपये महीने की सैलरी पर। इसके बाद भारत भूषण का हिंदी सिनेमा में सिक्का चल गया और वह हिट हो गये। फिर भारत भूषण ने फिल्म सावन, भाईचारा, बैजू बावरा, जन्माष्टमी, जैसी कई फिल्में कीं। इन फिल्मों के बाद भारत भूषण के पास दौलत ही दौलत आ गई। अब भारत भूषण के पास बंगला, गाड़ी और मोटा बैंक बैलेंस भी था।

भाई की वजह से हुआ बर्बाद?

वहीं, भारत भूषण को उनके भाई रमेश ने प्रोड्यूसर बनने की सलाह दी। भारत भूषण ने बरसात की रात और बसंत बहार फिल्में प्रोड्यूस कीं, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुईं। इसके बाद भारत भूषण के भाई ने उन्हें और फिल्में बनाने के लिए उकसाया और अपने बेटे को हीरो बनाने को कहा। भारत भूषण ने भाई की बात को मानी, लेकिन एक भी फिल्म नहीं चली और सारा पैसा डूबने के बाद भारत भूषण सड़क पर आ गए। भारत भूषण को अपनी लाइब्रेरी की किताबें तक बेचनी पड़ गई थी। भारत भूषण आम लोगों की तरह बस से सफर करने लगे थे। वहीं, तंगहाली के दिनों में भारत भूषण ने एक वक्त की रोटी के लिए फिल्म में जूनियर आर्टिस्ट का भी रोल किया था। उनका आखिरी समय चॉल में बिता। भारत भूषण को मौत (10 अक्टूबर 1992) के बाद उनकी अर्थी को कंधा भी नसीब नहीं हुआ था।

जेमी लीवर ने गोविंदा की बीवी सुनीता की उतारी ऐसी नकल

सोशल मीडिया पर मचा कोहराम भारती सिंह ने यूं किया रिएक्ट

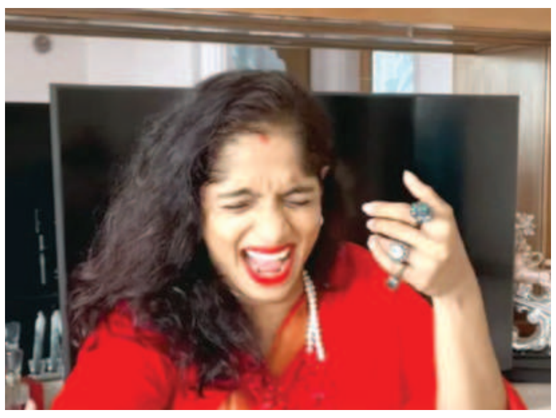

हीरो नंबर 1, कुली नंबर 1, पार्टनर जैसी फिल्में कर चुके गोविंदा अपने हंसमुख अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उसी तरह से उनकी बीवी सुनीता आहूजा भी बहुत ही हंसमुख नेचर की हैं और खूब लाइमलाइट में भी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने घर का एक टूर करवाया, जिसमें अपना घर दिखाने के साथ ही उन्होंने अपनी फेवरेट चीजों के बारे में भी बताया और बताया कि उन्हें क्या करना पसंद हैं। अब उनके इस वीडियो को रीक्रिएट करती जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर का वीडियो वायरल हो रहा हैं, जिसमें वह सुनीता को कॉपी करती नजर आ रही हैं।

इंस्टाग्राम पर जेमी लीवर ने अपने ऑफिशियल पेज पर एक वीडियो शेयर किया हैं, इस वीडियो में वह लाल रंग की साड़ी कैरी करती नजर आ रही हैं और गोविंदा की बीवी सुनीता आहूजा की एक्टिंग कर रही हैं। सबसे पहले वह बताती हैं कि उन्हें ब्लू लेबल ड्रिंक करना पसंद हैं। उसके बाद वह गोविंदा के गोलीकांड पर भी मजाकिया अंदाज में कहती हैं कि मैं मारती तो सीधे दिल पर मारती। इतना ही नहीं इस वीडियो में जेमी ने अलग-अलग अंदाज में सुनीता आहूजा की मिमिक्री की और उन्हीं की तरह हंसी की ठहाके भी लगाए, ये अंदाज फैंस को भी खूब पसंद आ रहा है।

सोशल मीडिया पर जेमी लीवर का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा हैं और 2 लाख 22 हजार से ज्यादा लोग इसे लाइक कर चुके हैं। फेमस कॉमेडियन भारती सिंह ने भी इस पर मजेदार कमेंट किया और सुपर्ब लिखकर उनको मोटिवेट किया। वहीं, कई यूजर्स को उनका यह वीडियो खूब पसंद आया और कहा कि आप बिल्कुल हूबहू सुनीता जी की कॉपी कर रही हैं। यह पहली बार नहीं है जब जेमी ने किसी सेलिब्रिटी की मिमिक्री की हो, इससे पहले वह राखी सावंत, फराह खान जैसे कई बड़ी हस्तियों की मिमिक्री हूबहू वैसे ही कर चुकी हैं।

संजय कपूर की वाइफ महीप कपूर राज कपूर के बेटे के साथ शिवम फिल्म से करने वाली थीं डेब्यू

हिंदी सिनेमा का यह स्टार फिल्मों में अपनी शान-ओ-शौकत के लिए मशहूर था। इस सुपरस्टार के एक-एक डायलॉग पर दर्शक तालियां बजाते थे। यह सुपरस्टार अपनी डायलॉग डिलीवरी से इतना मशहूर था कि आज भी लोगों की जुबां पर इसके डायलॉग रटे हुए हैं। इस सुपरस्टार ने हिंदी सिनेमा पर 60 से 80 के दशक तक राज किया और कई हिट पर हिट फिल्में दीं। इस सुपरस्टार का फिल्मों में होना मतलब हिट की गारंटी हुआ करती थी। इस सुपरस्टार के फिल्मी करियर में हिट फिल्मों की लंबी लिस्ट है, लेकिन इस सुपरस्टार ने जो मुकाम हासिल किया वो इसके बच्चे नहीं कर पाए। इस सुपरस्टार के बच्चों को आज भी कोई नहीं जानता है। इस सुपरस्टार का छोटा बेटा अपनी डेब्यू फिल्म पर ताला लगने से ही 'बदनसीब' स्टार की गिनती में आ गया था।

सुपरस्टार का बेटा निकला महाफ्लॉप

हम बात कर रहे हैं दिग्गज एक्टर राजकुमार और उनके छोटे बेटे पाणिनी राजकुमार की। पाणिनी साल 1997 में फिल्म शिवम से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले थे, लेकिन यह फिल्म कभी भी नहीं बन पाई। इस फिल्म में पाणिनी राजकुमार की हीरोइन अनिल कपूर के छोटे भाई संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर लीड रोल करने वाली थी। इस फिल्म के बंद होने के बाद पाणिनी ने कुछ फिल्मों में काम किया, लेकिन सफल नहीं हो सके।

राजकुमार के बेटे की फिल्म

इस पोस्टर में आप पाणिनी राजकुमार के साथ महीप कपूर को देख सकते हैं। साथ ही पोस्ट में एक्टर निर्मल पांडे भी नजर आ रहे हैं। साल 1997 में फिल्म शिवम का निर्माण किया जा रहा था, लेकिन फिल्म कभी बन नहीं पाई। पाणिनी अपने पिता की तरह स्टार तो नहीं बन पाए। पाणिनी ने बीते कुछ साल पहले डिजिटल प्लेटफॉर्म 'पापा प्लेज' की शुरुआत की। इस डिजिटल प्लेफॉर्म पर नए-नए और आउटसाइडर एक्टर्स व फिल्ममेकर्स को मौका दिया जाता है। साथ ही टीवी शोज और म्यूजिक वीडियो पर काम किया जाता है। इसके तहत पाणिनी ने सॉन्ग कहूं मैं या कहूं ना डायरेक्ट किया था, जिसे यूट्यूब पर लाखों में व्यूज मिले थे। वहीं, पाणिनी को 'लग्यो कसुंबी नो रंग' और 'नेक्ड एंड साइलेंट' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। साल 1994 में रिलीज हुई फिल्म 'उल्फत की नई मंजिलें' के लिए भी उन्होंने काम किया।

महीप कपूर के बारे में

वहीं, महीप कपूर की बात करें तो वह एक्टर संजय कपूर की पत्नी और अपकमिंग एक्ट्रेस शनाया कपूर की ग्लैमरस मां हैं। महीप कपूर अपने गर्लगैंग (गौरी खान, भावना पांडे, नीलम कोठारी) संग लाइमलाइट में बनी रहती हैं। अपनी गर्ल गैंग के साथ महीप कपूर शो 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' के दो सीजन भी कर चुकी हैं। इसके अलावा महीप कपूर को बॉलीवुड पार्टी में भी देखा जाता है। महीप कपूर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

बॉबी देओल ने सबसे छिपा कर साइन की थी आश्रम वेब सीरीज

बॉबी देओल की हिट वेब सीरीज आश्रम के तीसरे सीजन के दूसरे पार्ट का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है और इसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। हाल में बॉबी देओल ने इस वेब सीरीज के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर उन्होंने इस सीरीज के रिलीज के बाद मिले प्यार को लेकर बात की और बताया कि इसे देखने के बाद उनकी मम्मी प्रकाश कौर, पापा धर्मेंद्र और भाई सन्नी देओल का क्या रिएक्शन था। बॉबी ने बताया कि रिलीज से पहले तक उन्होंने किसी तो इस बारे में नहीं बताया था। वो भी बस इंतजार कर रहे थे कि सीरीज रिलीज हो और पता चले कि दर्शकों को ये कैसी लग रही है।

बॉबी देओल ने कहा, मैं खुद उस कोशिश में था कि मैं कुछ अलग तरह के रोल करूं। अब हीरो का रोल तो मुझे मिलना नहीं था। मैं कुछ अच्छा करने की कोशिश में था। जब मैंने ये शो साइन किया तो मैंने किसी को बताया नहीं। मुझे यही इंतजार था कि ये रिलीज हो और पता चले लोगों के क्या रिएक्शन है। बॉबी ने बताया, सीरीज रिलीज हुई तो मम्मा का कॉल आया। उन्होंने बताया कि उनकी सहेलियां काम की तारीफ कर रही हैं कि आपके बेटे ने बड़ा प्यारा काम किया। पापा का कॉल आया उन्होंने भी तारीफ की बताया कि वो मेरे इस काम पर बहुत खुश हैं। भाई सनी ने भी तारीफ की और काम को पसंद किया। खबर है कि अब इस हिट सीरीज के तीसरे सीजन का दूसरा पार्ट 27 फरवरी को रिलीज होने वाला है।

फिरोज खान ने साउथ की फिल्म अबोध के 10 लाख में खरीदे थे राइट्स

माधुरी की 20 साल बड़े हीरो संग बनी थी जोड़ी, करोड़ों में हुई कमाई

माधुरी दीक्षित ने 1984 में आई फिल्म 'अबोध' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी। हालांकि कम ही लोगों को पता होगा कि उनकी शुरुआती कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरफ्लॉप साबित हुई थीं।जिनमें 'आवारा बाप' (1985) और 'स्वाति' (1986) जैसी फिल्में शामिल हैं। लगातार असफलता के बाद फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें मनहूस तक कहा जाने लगा था। और उस दौर में मेकर्स उन्हें अपनी फिल्म में लेने से कतराने लगे थे। हालांकि साल आखिरकार साल 1988 में आई फिल्म 'दयावान' उनके करियर में मिल का पत्थर साबित हुई। इस फिल्म से वह स्टार बन गईं।

दयावान' एक एक्शन क्राइम फिल्म थी, जिसका निर्देशन फिरोज खान ने किया थी। यह 1987 की तमिल फिल्म 'नायकन' की रीमेक थी।रिपोर्ट्स के मुताबिक उस समय फिरोज खान ने 10 लाख रुपये में इसके राइट्स खरीदे थे। इस फिल्म को उम्मीद से ज्यादा पसंद किया गया। फिल्म में विनोद खन्ना, फिरोज खान और माधुरी दीक्षित के अलावा आदित्य पंचोली भी लीड रोल में थे। कहा जाता है कि फिरोज खान की इस फिल्म का बजट तकरीबन 1।30 करोड़ रुपये था। फिल्म ने उस दौर में करीब 4।80 करोड़ रुपये की कमाई की। फिरोज खान की इस मसाला फिल्म ने दर्शकों को खूब एंजॉय किया। खास बात यह थी कि इस फिल्म में विनोद खन्ना के साथ जोड़ी बनी थी। फिल्म में दोनों की केमेस्ट्री देखने लायक थी। फिल्म 'दयावान' का गाना 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' ने तो रिकॉर्ड ही तोड़ दिया। आज भी यह गाना गाया और सुना जाता है। 20 साल बड़े एक्टर की हीरोइन बनने पर माधुरी उस दौर में चर्चा में आ गई थीं। इस फिल्म के बाद माधुरी स्टार बन गईं और दो महीने बाद ही उनकी फिल्म 'तेजाब' रिलीज हुई। वह फिल्म में अनिल कपूर के साथ नजर आई थीं और यह फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई। फिल्म 'तेजाब' के बाद माधुरी ने पीछे पलटकर नहीं देखा।

टेलीफोन ऑपरेटर जो बन गई हिंदी सिनेमा की सुपरस्टार

बिना डायलॉग बोले हीरो से कई गुना ज्यादा फीस करती थी चार्ज

वो अदाकारा जो विदेशी थीं, लेकिन हिंदी सिनेमा में उन्होंने खूब नाम रोशन किया। एक के बाद एक हिट फिल्में देने के बाद विदेशी मूल की इस अदाकारा को भारतीय सिनेमा की फीमेल सुपरस्टार का दर्जा हासिल हुआ। बेहद खूबसूरत यह एक्ट्रेस उस दौर में सबसे ज्यादा फीस लेती थीं। उस दौर में उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शक बेताब रहते थे। उस दौर की मूक फिल्मों में डायलॉग और गाने ना होने के बाद भी इनके नाम पर फिल्में चलती थीं। यह अदाकारा उस दौर की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस थीं और हीरो से भी ज्यारा फीस लेती थीं। हम बात कर रहे हैं सिनेमा इंडस्ट्री की सुपरस्टार सुलोचना यानी रूबी मेयर्स की। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूबी मेयर्स उस दौर में 5 हजार रूपए फीस लेती थी। जब हीरो 100 रूपए फीस लिया करते थे। उस समय महाराष्ट्र के गवर्नर की सैलरी भी उनसे बेहद कम थी। 1925 में फिल्मों में कदम रखने वाली रुबी ने करीब 65 साल के फिल्मी करियर में 107 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया। रूबी मेयर्स का जन्म 1907 में पुणे, महाराष्ट्र में एक बगदादी यहूदी परिवार में हुआ था। खर्च चलाने के लिए रूबी टेलीफोन ऑपरेटर की मामूली नौकरी किया करती थीं। टाइपिंग स्पीड में उनका कोई मुकाबला नहीं था और खूबसूरती ऐसी कि जो भी उन्हें देखता, देखता ही रह जाता। इसी दौरान कोहिनूर फिल्म कंपनी के मोहन भवनानी की उन पर नजर पड़ी और रातों रात उनकी किस्मत बदल गई। मोहन भवनानी ने उनसे पूछा कि क्या वह सिनेमा में काम करेंगी ? लेकिन तब रूबी ने साफ इनकार कर दिया।

लेकिन बाद में उनके मनाने पर रुबी मान गईं। रूबी को अभिनय का कोई अनुभव नहीं था। ये मूक फिल्मों का दौर था। जब फिल्मों में न डायलॉग्स थे और न साउंड। रूबी ने 1925 की फिल्म वीर बाला से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की। फिल्मों में काम करने के लिए रूबी मेयर्स ने अपना नाम बदलकर सुलोचना रख लिया।

भवनानी के डायरेक्शन में बनी फिल्मों ने सुलोचना को स्टार बना दिया, लेकिन कुछ फिल्मों के बाद सुलोचना ने कोहिनूर कंपनी छोड़कर इंपीरियल फिल्म कंपनी जॉइन कर ली। इस कंपनी के साथ सुलोचना ने तकरीबन 37 फिल्में कीं। जब साउंड फिल्मों का दौर आया तो हिंदी में कमजोर ब्रिटिश मूल की रूबी को दरकिनार कर दिया गया। एक साल का ब्रेक लेकर रूबी ने हिंदी में महारत हासिल की और दमदार कमबैक किया। खुद की प्रोडक्शन कंपनी रूबी पिक शुरू की और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस बन गईं। 1926 में आई टाइपिस्ट गर्ल और 1927 में आई बलिदान और वाइल्ड कैट ऑफ बॉम्बे जैसी उनकी फिल्में खूब पॉपुलर रहीं। 1928-29 के बीच रिलीज हुईं फिल्में माधुरी, अनारकली और इंदिरा बीए से सुलोचना काफी लोकप्रिय हो गईं।

उस जमाने में जहां अभिनेता साइकिल से सेट पर आया करते थे। सुलोचना शेवरले और रॉल्स रॉयस जैसी लग्जरी गाड़ियों से आती थीं। वो जब भी अपनी गाड़ी से उतरतीं तो आस-पास देखने वालों की भीड़ लग जाया करती थी। लोगों में दीवानगी ऐसी थी कि भीड़ के डर से सुलोचना अपनी ही फिल्म देखने बुर्का पहनकर पहुंचती थीं। उस दौर में पर्दे में रहने वाली महिलाओं के लिए सुलोचना एक प्रेरणा बन गईं। उन्होंने फिल्मों में स्विमिंग, हॉर्स राइडिंग और स्टंट जैसी सीन किए। यही नहीं उस दौर में हीर-रांझा फिल्म में सुलोचना ने अपने को-स्टार डी बिलिमोरिया के साथ किसिंग सीन दिया। जिस पर खूब विवाद हुआ। रील के अलावा असल जिंदगी में भी सुलोचना बोल्डनेस से लोगों का ध्यान खींच लेती थीं। रूबी मेयर्स उस जमाने की लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन गई। नई अभिनेत्रियां उनको फॉलो करती थीं और उनकी तरह ही कामयबी का सपना देखती थीं।

साउंड फिल्मों ने खत्म किया करियर

रूबी बेहद कामयाब थीं, लेकिन जब पहली बोलती फिल्म आलम-आरा आई तो मेकर्स ने उनकी जगह अभिनेत्री जुबैदा को कास्ट किया। इसकी वजह यह थी कि रूबी का हिंदी में हाथ तंग था, जबकि जुबैदा को हिंदी और उर्दू की अच्छी जानकारी थी। सुलोचना को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपना स्टारडम बरकरार रखने के लिए फिल्मों से एक साल का ब्रेक लिया और हिंदी सीखने लगीं। इसी बीच सुलोचना की सभी मूक फिल्मों को साउंड के साथ दोबारा बनाया गया और इन फिल्मों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। रूबी मेयर्स से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा है। जब तत्कालीन होम मिनिस्टर मोरारजी देसाई ने उनकी एक फिल्म को असभ्य और नैतिकता के खिलाफ बताते हुए इसे बैन कर दिया था। वह फिल्म थी जुगनू फिल्म में स्टूडेंट बनीं सुलोचना और प्रोफेसर बने दिलीप कुमार के बीच लव एंगल दिखाया गया था। फिल्म में दिलीप कुमार और नूरजहां लीड रोल में थीं, लेकिन सुलोचना फिल्म में स्टूडेंट दिखाया गया था। तब उस दौर में प्रोफेसर और स्टूडेंट के बीच रोमांस लोगों का हजम नहीं हुआ था और इसे नैतिकता के खिलाफ बताया गया था।हालांकि बाद में रूबी का स्टारडम खत्म होने लगा, जब नूरजहां, खुर्शीद, सुरैया जैसी नई अभिनेत्रियों ने सिनेमा में एंट्री किया। कहा जाता है कि जब रूबी की फिल्म अनारकली तीसरी बार बनी तो सुलोचना को लीड रोल की बजाए सलीम की मां जोधा बाई का साइड रोल मिला।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल–से–ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 22 फरवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी दोपहर 01:22 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा सायं 05:41 तक
योग : हर्षण प्रातः 11:55 तक
करण : गर दोपहर 01:22 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक सायं 05:41 तक
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:20 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीराम दास नवमी , भद्रा रात्रि 01:44 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान विधानसभा में बवाल

कांग्रेस के 6 विधायक निलंबित

कार्यवाही के खिलाफ धरना, इंदिरा गांधी पर टिप्पणी से हंगामा

जयपुर,21 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को जबरदस्त हंगामे के बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक गोविंद सिंह डोटासरा समेत 6 विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया। यह कार्रवाई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी पर हुए हंगामे के बाद हुई।सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित कर दी गई, लेकिन कांग्रेस विधायक निलंबन के विरोध में विधानसभा में ही धरने पर बैठ गए। विपक्ष का आरोप है कि सरकार असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रही है।

शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के बयान पर कांग्रेस विधायकों ने विरोध जताया। उन्होंने एक योजना का जिक्र करते हुए कहा, हर बार की तरह आपने अपनी दादी इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा।

इस टिप्पणी से कांग्रेस विधायकों का गुस्सा भड़क उठा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसे असम्मानजनक बताया और कहा कि इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री रही हैं, उनके लिए ऐसी भाषा स्वीकार्य नहीं।

इसके बाद कांग्रेस विधायक वेल में पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। हंगामा इतना बढ़ गया कि सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। शाम 4 बजे जब कार्यवाही फिर शुरू हुई, तो कांग्रेस विधायकों का विरोध जारी रहा। इस पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने निलंबन का प्रस्ताव रखा, जिसे स्पीकर वासुदेव देवनानी ने स्वीकार कर लिया।

निलंबित विधायक: गोविंद सिंह डोटासरा (प्रदेशाध्यक्ष, कांग्रेस), रामकेश मीणा (उप नेता प्रतिपक्ष), अमीन कागजी, जाकिर हुसैन गैसावत, हाकम अली खान, संजय कुमार इन सभी को बजट सत्र की शेष अवधि तक निलंबित कर दिया गया। इससे पहले अगस्त में कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को भी सस्पेंड किया गया था। निलंबन के बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन में ही धरना शुरू कर दिया।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, हम सदन में गाली नहीं सुनेंगे। सरकार खुद सदन नहीं चलाना चाहती। मंत्री जवाब नहीं दे पा रहे, इसलिए हमें चुप कराने के लिए यह कार्रवाई की गई है। वहीं, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, कांग्रेस जानबूझकर हंगामा कर रही थी। उनके नेता स्पीकर के पास जाकर धमका रहे थे। अगर कार्यवाही स्थगित नहीं होती, तो कोई अप्रिय घटना हो सकती थी।राजस्थान विधानसभा का यह विवाद राज्य की राजनीति में एक नए टकराव की ओर इशारा करता है। कांग्रेस जहां इसे सत्ता पक्ष की तानाशाही बता रही है, वहीं सरकार इसे सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए उठाया गया कदम कह रही है।

आईफा 2025 : बॉलीवुड का सबसे बड़ा जश्न पहली बार जयपुर में 8–9 मार्च को

जयपुर,21 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े जश्न का समय आ गया है। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा) वीकेंड और अवॉर्ड्स अपने 25वें संस्करण के साथ इतिहास रचने जा रहा है। इस बार आईफा का यह भव्य उत्सव 8 और 9 मार्च, 2025 को राजस्थान की रंगीन और सांस्कृतिक राजधानी जयपुर में होने जा रहा है।

जयपुर की शाही विरासत और ऐतिहासिक भव्यता के बीच, आईफा के सिल्वर जुबली एडिशन का यह आयोजन अब तक का सबसे भव्य समारोह बनने जा रहा है। यह सिर्फ एक अवॉर्ड नाइट नहीं, बल्कि सिनेमा की कला, इनोवेशन और कहानी कहने की ताकत को सलाम करने वाला एक ऐतिहासिक पल होगा। इस खास मौके पर भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान का जश्न मनाया जाएगा, जहाँ दर्शकों और इंडस्ट्री के दिग्गजों का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। तो सितारों से सजी एक यादगार शाम आपका इंतजार कर रही है। आईफा–25 का हिस्सा बनें, गुलाबी नगर जयपुर में इतिहास रचने के लिए तैयार हो जाइए !

भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा जश्न; आईफा का सिनेमाई रंग अब डिजिटल और ओटीटी एंटरटेनमेंट तक पहुँचेगा; सोभा रियल्टी आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स, को–प्रेजेंटेड बाय नेक्सा, डिजिटल क्रिएटिविटी और नवाचार का भव्य उत्सव लेकर आ रहा है। इस खास मौके को विजय वर्मा, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना होस्ट करेंगे, जहाँ ओटीटी के शानदार टैलेंट को सम्मान मिलेगा। आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स में नोरा फतेही अपनी स्टनिंग परफॉर्मेंस से मंच पर आग लगाएँगी। संगीत की जादूगरनी श्रेया घोषाल अपनी सुरीली आवाज़ से इस शाम को और भी यादगार बनाएँगी। संगीतकार जोड़ी सचिन–जिगर पहली बार आईफा स्टेज पर अपनी एनर्जेटिक परफॉर्मेंस से धमाल मचाएँगे।

दौसा कलेक्टर ने किया मानपुर और सिकराय क्षेत्र का निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

दौसा,21 फरवरी (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिकराय उपखंड के विभिन्न कार्यालयों, अस्पतालों, मनरेगा स्थलों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयुष्मान योजना, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना, प्रसूति वार्ड, दवा स्टॉक रूम और जांच केंद्र का जायजा लिया। उन्होंने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए अधिक प्रचार–प्रसार करने और प्रसूताओं को बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश दिए। साथ ही, अस्पताल परिसर, शौचालय और वार्डों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने मानपुर थाने का निरीक्षण कर रिकॉर्ड का अवलोकन किया और दर्ज मुकदमों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि थाने आने वाले परिवादियों के साथ उचित व्यवहार हो और स्वागत कक्ष में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर ने मानपुर क्षेत्र में मनरेगा कार्यों का भी निरीक्षण किया और श्रमिकों को दिए गए कार्य, ऑनलाईन हाजिरी और भुगतान प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को टास्क के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

योग और फागुन महोत्सव के साथ शिक्षा महोत्सव भी हो : राज्यपाल

जयपुर,21 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत योग की संस्कृति से जुड़ा राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि योग और फागुन महोत्सव की तर्ज पर शिक्षा महोत्सव भी आयोजित किया जाए।राज्यपाल शुक्रवार को नगर निगम ग्रेटर, जयपुर और क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित योग साधक सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर 1611 मिनट का अनवरत योग कर विश्व कीर्तिमान स्थापित करने में महती भूमिका निभाने वाले योगाचार्य, योग प्रशिक्षकों और योग प्रेरकों का अभिनंदन करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि योग आत्मविकास का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने सभी को योगिक दिनचर्या अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि यह किसी और के लिए नहीं हमारे अपने स्वस्थ जीवन और सौ साल तक स्वस्थ जीने के लिए जरूरी है।

हरियाणा में चल रही हवा–हवाई सरकार इसके वादे–इरादे सब हवाहवाई : हुड्डा

चंडीगढ़,21 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में बीजेपी की ऐसी हवाहवाई सरकार चल रही है, जिसके वादे और इरादे दोनों हवाहवाई साबित हुए हैं। बीजेपी ने ना पिछले 10 साल के कार्यकाल में कोई विकास कार्य किया और ना ही तीसरे कार्यकाल के 100 दिन में उसके पास बताने लायक कोई उपलब्धि है। अब तक ना महिलाओं को 2100 देने का वादा पूरा हुआ, ना युवाओं को 2 लाख नौकरियां दी गई, ना कौशल निगम कर्मियों के पक्का किया गया और ना ही किसानों को एमएसपी दी गई।

हुड्डा आज रोहतक में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने निगम चुनाव को लेकर पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। हुड्डा ने कहा कि भाजपा ने जानबूझकर निकाय चुनाव में देरी की और कोर्ट की फटकार के चलते मजबूरी में अब उसे चुनाव करवाने पड़ रहे हैं। कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है और उसे जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। हुड्डा ने आज कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी सूरजमल के समर्थन में कार्यक्रम भी किए और लोगों से वोट मांगे।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग से बैलेट पेपर पर चुनाव करवाने की मांग की थी। क्योंकि अगर उत्तराखंड में बैलेट पेपर से चुनाव हो सकता है तो हरियाणा में क्यों नहीं? लेकिन हैरानी की बात है कि चुनाव आयोग ने ना सिर्फ कांग्रेस की मांग को खारिज कर दिया, बल्कि अब यहां तक खबरें सामने आ रही है कि ईवीएम के साथ इसबार वीवीपीएटी भी नहीं लगाई जाएगी। यह सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की उल्लंघना है।

हुड्डा ने कहा कि रोहतक समेत पूरे हरियाणा में बीजेपी के पास बताने लायक कोई काम नहीं है। रोहतक में सड़कें और सीवरेज व्यवस्था खस्ता हाल है।

ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर धड़ाधड़ होंगे विकास कार्य : बड़ौली

जींद,21 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 2 मार्च को जनता कमल के फूल पर एकतरफा मतदान करेगी और प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास बजट की कमी नहीं है, ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर धड़ाधड़ विकास के कार्य होंगे। जुलाना में भाजपा प्रत्याशी डा. संजय जांगड़ा के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे बड़ौली ने कहा कि जनता ने भाजपा सरकार के जनकल्याणकारी कार्यो से प्रभावित होकर भाजपा को विजयी बनाने का मन बना लिया है। जनसभा को संबोधित करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए बड़ौली ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीति में अपार संभावनाएं हैं, राजनीति में कब क्या हो जाए किसी को कुछ पता नहीं होता।

नगर निकाय चुनाव में भाजपा अपना परचम लहराएगी : डॉ. पूनिया

चंडीगढ़,21 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा ने नगर निकाय चुनाव को बड़े मार्जिन से जीतने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार देर सायं भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने गुरुग्राम, मानेसर नगर निगम और पटौदी नगरपरिषद के चेयरमैन, मेयर व पार्षद उम्मीदवारों के साथ बैठक की। बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, जिला अध्यक्ष कमल यादव, विधायक मुकेश शर्मा, विधायक बिमला चौधरी आदि उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने सभी भाजपा प्रत्याशियों से वार्ड अनुसार पूरी जानकारी ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए। डा. सतीश पूनिया ने बताया कि सभी सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ हमें आगे बढ़ना है। डा. पूनिया ने कहा कि जन आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा नगर निकाय चुनाव में अपना परचम लहराएगी।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार बनाकर विकास की गति को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार है और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नॉन स्टॉप विकास के कार्य प्रदेश में कर रहे हैं। हरियाणा की जनता भाजपा सरकार के विकास कार्यों से खुश है, इसलिए निकाय चुनाव में भाजपा की जीत तय है।

हरियाणा देश का अन्न भंडार, कृषि के साथ बागवानी फसलों की आवश्यकता : नायव सैनी

चण्डीगढ़,21 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा व केंद्र सरकार किसानों की भलाई के लिए गंभीरता से काम कर रही है, जिसका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है। सरकार द्वारा किसानों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे उपक्रमों से किसान आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है। इसी कडी में आज महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय, करनाल व कोच्चि विश्वविद्यालय, जापान के बीच किसानों के हित के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है। इससे दोनों देशों के विश्वविद्यालय बागवानी के क्षेत्र में किसानों के लिए लाभप्रद आधुनिक तकनीकों पर काम करेंगे, जिसका सीधा फायदा किसानों को होगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा की मौजूदगी में चण्डीगढ़ में महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय, करनाल व कोच्चि विश्वविद्यालय, जापान के बीच इंटरनेटस ऑफ प्लांटस (आईओपी) नामक तकनीक पर अनुसंधान के लिए एक समझौता ज्ञापन हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है, कि किसान फायदें की खेती करें। इसके लिए परपंरागत खेती जैसे गेहू व धान आदि को छोड़कर मुनाफे वाली बागवानी खेती की ओर बढ़े। इसके लिए हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार किसानों के लिए हर संभव मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा को देश का अन्न भंडार कहा जाता है, कृषि के साथ–साथ बागवानी फसलों की आवश्यकता है। राज्य में बागवानी फसलों का क्षेत्रफल व उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। बागवानी फसलों में अधिक आमदनी को देखते हुए किसान भी बागवानी फसलों की तरफ बढ़ रहे है।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण औसत तापमान में वृद्धि, बरसात का पैट्रर्न में बदलाव के प्रभावों को कम करने के लिए विशेष ध्यान देने की जरुरत है। इसके लिए संरक्षित खेती को बढ़ावा देना बहुत जरुरी हो गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में लगभग 4 हजार एकड़ में पोली हाउस में बागवानी फसलों का उत्पादन हो रहा है, जबकि करीब 6 हजार 400 एकड़ में लो–टनल में बागवानी फसलों की खेती की जा रही है। पोली हाउस के अंतर्गत क्षेत्र बढ़ाने की अपार संभावनाएं है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि फल, सब्जियों में फसल तुड़ाई उपरांत होने वाली हानि को कम करने के लिए सप्लाई चेन व कोल्ड चेन प्रबंधन की आवश्यकता है। इसी संद्रर्भ में हरियाणा सरकार ने जापान के जिका प्रोजेक्ट के तहत काम करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि मुझे काफी खुशी है कि एमएचयू करनाल और कोच्चि विश्वविद्यालय जापान मिलकर काम करेंगे ताकि हरियाणा प्रदेश के लिए इस प्रकार आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक बनाकर किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी। इससे बागवानी फसलों के उत्पादन, गुणवत्ता, अधिक आय की संभावनाएं बढ़ेंगी। ये समझौता किसानों के लिए आमदनी बढ़ाने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा, जिससे न केवल हरियाणा प्रदेश बल्कि पूरे देश के किसानों को लाभ मिलेगा।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय, करनाल व कोच्चि विश्वविद्यालय, जापान के बीच हुए करार पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बागवानी के क्षेत्र में पिछले कुछ सालों में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के कारण किसानों का रूझान बढ़ा है, जिससे बागवानी का क्षेत्रफल 10 लाख एकड़ हो गया है। सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए बहुत सारी योजनाएं चला रही है, जिसमें पोली हाउस में खेती करना एक महत्वपूर्ण कदम है। आज मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी की मौजूदगी में एमएचयू ओर कोच्चि विश्वविद्यालय, जापान के बीच समझौता हुआ है, जो किसानों के लिए लाभदायक साबित होगा।

सीएम नीतीश कुमार ने पटना को दी करोड़ों की सौगात

नई सुविधाओं वाले प्रोजक्ट भी दिए

पटना (एजेंसियां)। प्रगति यात्रा के चौथे चरण के आखिरी दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटनावासियों को 1,404.84 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 623 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने पटना को पहला आधुनिक वेंडिंग जोन और हाईड्रोलिक मल्टीलेवल कार पार्किंग की सौगात दी। बुद्ध मार्ग में बनाई जा रही इस पार्किंग में 156 गाड़ियां खड़ी हो सकेंगी। सड़क पार करने के लिए एफओबी, कदमकुआं में दो मंजिला वेंडिंग मार्केट का अनावरण किया। वहीं आशियाना-दीघा रोड स्थित राजीवनगर नाला और आनंदपुरी नाला पर प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण करवाने का एलान किया। इसमें 180.99 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस रोड की लंबाई 4.26 किमी होगी। इसके निर्माण् से दो लाख की आबादी को फायदा होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दनियांवा प्रखंड के ग्राम तोप से 1404.84 करोड़ रुपये की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 623 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 845.43 करोड़ रुपये की लागत से 387 योजनाओं का उद्घाटन एवं 559.41 करोड़ रुपये की लागत से 256 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यहां हेल्थ एन्ड वेलनेस सेंटर आज से शुरू हो गया है। मरीजों को त्वरित इलाज एवं अन्य चिकित्सा सुविधा मिले, इसका विशेष रुप से ख्याल रखें। हमलोगों ने प्रारंभ से ही हर क्षेत्र में विकास का काम कराएं हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काफी काम कराया गया है ताकि लोगों को समुचित चिकित्सा सुविधा मिल सके। निरंतर हर क्षेत्र में विकास का काम किया जा रहा है। बिहार आगे बढ़े, हमारी यही चाहत है। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने 2498 सतत् जीविकोपार्जन योजना के लाभार्थियों को आर्थिक सहयोग हेतु 19 करोड़ 97 लाख रुपये का सांकेतिक चेक, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 (द्वितीय/तृतीय किश्त) के तहत 17 करोड़ 60 लाख रुपये का सांकेतिक चेक, मुख्यमंत्री निजी जीविका दीदी (अन्य प्रजाती) पौधशाला योजना का सांकेतिक चेक, मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना का सांकेतिक चेक, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का सांकेतिक चेक, विभिन्न जीविका स्वयं सहायता समूह को सामुदायिक निवेश निधि अंतर्गत 40 करोड़ 69 लाख रुपये का सांकेतिक चेक, सतत् जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत ई-रिक्शा का हस्तांतरण प्रमाण पत्र एवं चाबी, सामुदायिक पुस्तकालय की चाबी आदि लाभुकों को प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से बातचीत करते हुए कहा कि आप सभी जीविका दीदियां काफी अच्छा काम कर रही हैं। जब हम केंद्र में मंत्री थे तो कई जगहों पर जाकर स्वयं सहायता समूह के कार्यों को देखे थे। उस समय बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या बहुत कम थी। वर्ष 2005 में जब बिहार में हमलोगों की सरकार बनी तब हमलोगों ने स्वयं सहायता समूहों का विस्तार करने का निर्णय लिया। इसके लिये वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर पूरे बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बढ़ाने की दिशा में काम शुरू किया गया। हमने ही स्वयं सहायता समूह का नाम जीविका दिया और इससे जुड़नेवाली महिलाओं को जीविका दीदी कहा। उस समय की केंद्र सरकार ने हमलोगों के इस कार्य से प्रेरित होकर देशभर में आजीविका नाम से इस योजना को शुरू किया। हम बिहार में जहां कहीं भी जाते हैं जीविका दीदियों से जरूर मिलते हैं। आपलोगों को हर प्रकार से सरकार मदद पहुंचा रही है। आपकी जो भी समस्याएं होती हैं उनका तत्काल निराकरण किया जाता है। जिलाधिकारी को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीविका दीदियों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो, इसका विशेष रुप से ध्यान रखें।

मुख्यमंत्री ने आशियाना दीघा रोड स्थित राजीवनगर पहुंचकर राजीवनगर नाला एवं आनंदपुरी नाला पर प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि राजीवनगर नाला एवं आनंदपुरी नाला पर फोरलेन सड़क के निर्माण से दो लाख की आबादी को लाभ होगा। इसकी अनुमानित लागत 180.99 करोड़ रुपये होगी और लंबाई 4.26 किमी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पथों के निर्माण से शहर में लोगों को आवागमन के और भी विकल्प मिलेंगे। साथ ही स्थानीय लोगों को भी आने-जाने में सहूलियत होगी। इन सब पथों के निर्माण से पटना में और पटना शहर के बाहर आने-जाने के लिए और भी विकल्प उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने 28.87 करोड़ रुपये की लागत से मौर्यालोक कॉम्प्लेक्स, पटना में नवनिर्मित बहुमंजिला हाईड्रोलिक पार्किंग का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया और उसका जायजा लिया।मुख्यमंत्री ने कदमकुआं में 903.376 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित दो मंजिला वेंडिंग मार्केट का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन करने के पश्चात् मुख्यमंत्री ने वेंडिंग मार्केट का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छा बना है। मार्केट के बन जाने से स्थानीय सब्जी एवं फल विक्रेताओं को एक ही छत के नीचे विक्रय हेतु सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही सड़क से अतिक्रमण हटेगा और आवागमन सुलभ होगा।

कुंभ से पटना लौटते समय भीषण हादसा

एक परिवार के छह लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)। प्रयागराज से कुंभ स्नान कर पटना लौट रहे एक परिवार के छह लोगों की भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुल्हीनगंज के पास शुक्रवार सुबह हुई। मरने वालों में दंपती, उनकी दो बेटियां समेत छह लोग हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार अहले सुबह परिवार के सभी लोग महाकुंभ स्नान कर लौट रहे थे। लेकिन, पटना पहुंचने से 40 किमी पहले आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुल्हनगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप के पास ड्राइवर ने झपकी ले ली।

देखते ही देखते कार हाईवे पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार का एक पहिया 20 फीट दूर पड़ा मिला। महज पांच मिनट के अंदर परिवार के छह लोगों दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। हाईवे पर लोगों की भीड़ जुट गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार के अंदर फंसे लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला। लेकिन, तब तक काफी देर हो चुकी थी। इनमें से कोई भी जिंदा नहीं बचा। मरने वालों में पटना के जक्कनपुर थाना का छपरा कॉलोनी, मच्छड़दानी गली निवासी स्व. विशुन देव प्रसाद के बेटे संजय कुमार (62), पत्नी करुणा देवी (58), बेटे लाल बाबू सिंह (25), उनकी भतीजी जूही रानी, आशा किरण, और कौशलेंद्र कुमार की बेटी प्रियम कुमारी (20) हैं। सभी का शव आरा सदर अस्पताल में लाया गया है। भोजपुर पुलिस का कहना है कि सभी लोग प्रयागराज से बेलेनो कार से लौट रहे थे। भोजपुर में एनएच पर कार खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। सभी लोग पटना के जक्कनपुर के रहने वाले थे। इनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजन ने बताया कि सभी गुरुवार को पटना से महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए थे। लौटने के दौरान हादसा हुआ।

वहीं हादसे के बाद स्थानीय लोगों का कहना है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इसकी गूंज करीब 200 मीटर तक सुनाई दी। हमलोग फौरन वहां पहुंचे तो देखा कि कार ट्रक के परखच्चे उड़ गए। देखते ही देखते कार के अंदर फंसे छह लोगों ने दम तोड़ दिया। इधर, घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कुंभ से लौटते वक्त ट्रक में घुसी कार

पप्पू यादव की रिश्तेदार डॉक्टर समेत चार की हादसे में मौत

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की रिश्तेदार डॉ. सोनी कुमारी यादव सहित चार की लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। सभी लोग कुंभ नहाकर प्रयागराज से पूर्णिया लौट रहे थे। वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन हाईवे पर बिरनो थाना क्षेत्र के मिर्जापुर के पास इनकी बेलेनो कार ट्रक में घुस गई। हादस इतना भीषण था कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक की हालत गंभीर है। मरने वालों डॉ. सोनी कुमारी यादव की बुआ, एक क्लिनिक सहायक, एमआर और ड्राइवर सलाउद्दीन शामिल है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय पुलिस द्वारा महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कॉलेज गाजीपुर में भर्ती कराया गया है।

इधर, हादसे की सूचना मिलते ही अररिया और पूर्णिया स्थित रिस्तेदारो को मिलने के बाद सभी गाजीपुर रवाना हो गए है। डॉ सोनी कुमारी यादव पूर्णिया के प्रसिद्ध डॉक्टर मुकेश यादव की पत्नी है। दोनों पति-पत्नी पूर्णिया के लाइन बाजार में दुर्गा नर्सिंग होम चलाते थे। घटना की जानकारी जैसे ही पूर्णिया के डॉक्टर में मिला पूर्णिया के डॉक्टर में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं आईएमए ने डॉक्टर सोनी की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जाने से चिकित्सा जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

पूर्णिया के डॉक्टरों ने कहा कि कोसी-सीमांचल की प्रसिद्ध गायनोलॉजिस्ट डॉ सोनी यादव को गरीब मरीज अपना भगवान मानते थे। हजारों गरीब महिलाओं का उन्होंने मुफ्त में इलाज किया। कई मरीजों की जान बचाई। अगर कोई मरीज फीस देने में असमर्थ रहती तो डॉ सोनी उसका मुफ्त में इलाज करती और अपने पैसे लगातर उसे दवाई और अन्य सामान खरीद देती थीं। मौत की खबर सुनकर उनके अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जुटी गई है।

इधर, डॉक्टर सोनी की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि सोनी अपने पीछे दो जुड़वा मासूम बेटों को छोड़कर चली गईं। कुंभ स्नान जाते वक्त अपने बच्चों से जल्द लौटने का वादा किया था लेकिन किसे पता था वह अब नहीं लौटेंगी।

अब सीमांचल से भी भर सकेंगे उड़ान, पूर्णिया एयरपोर्ट पर टर्मिनल निर्माण को एएआई ने दी मंजूरी

पटना (एजेंसियां)। विकसित बिहार के विजन के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा हर जिले में पहुंच रही है। प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में मुख्यमंत्री ने पूर्णिया का दौरा किया था। अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल 581 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं की घोषणा की थी बल्कि पूर्णिया एयरपोर्ट के विकास कार्य की भी समीक्षा की थी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। उसके तहत अब भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यानी जल्द ही बिहार को एक और नए एयरपोर्ट की सौगात मिलने जा रही है।

एएआई द्वारा जारी टेंडर के तहत कुल 33.99 करोड़ की लागत से इस टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा। यह राशि अनुमानित लागत 44.15 करोड़ से 23 प्रतिशत कम है। टेंडर प्रक्रिया के तहत पहली बोली 12 सितंबर और दूसरी बोली 27 सितंबर को खोली गई थी। अब फाइनल एजेंसी के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिसके बाद कार्य शुरू हो जाएगा।

एएआई के आर्किटेक्ट ने पहले ही पूर्णिया एयरपोर्ट का डिजाइन तैयार कर लिया है। यह एयरपोर्ट 'स्टेट ऑफ द आर्ट' सुविधाओं से लैस होगा और अगले 30-40 वर्षों के यात्री फुटफॉल को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस एयरपोर्ट पर कुल पांच एयरोब्रिज बनाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

मुख्य एयरपोर्ट टर्मिनल के निर्माण से पहले एक अंतरिम टर्मिनल भवन पोर्टा कांसेप्ट पर तैयार किया जाएगा, जिससे उड़ानों का संचालन जल्द शुरू किया जा सके। एएआई के अनुसार, डीजीएम (इंजीनियरिंग) को प्रोजेक्ट का प्रभारी नियुक्त किया गया है और ठेकेदार को जल्द से जल्द अनुबंध पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्माण एजेंसी को 1.69 करोड़ की परफॉर्मेंस गारंटी और 88.30 लाख की सुरक्षा निधि जमा करनी होगी। कार्यस्थल पर श्रम कानूनों के अनुपालन का भी सख्ती से पालन किया जाएगा।

पूर्णिया एयरपोर्ट की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की थी। बैठक में सीएम ने एयरपोर्ट के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने हेतु सभी पक्षों तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे।

पूर्णिया एयरपोर्ट के लिए यह टर्मिनल निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल कोसी और सीमांचल क्षेत्र बल्कि पश्चिम बंगाल, झारखंड और नेपाल के लोगों को सीधी हवाई सुविधा मिलने का रास्ता साफ होगा। अंतरिम टर्मिनल के पूरा होते ही हवाई यात्रा शुरू करने की प्रक्रिया तेज कर दी जाएगी, जिससे स्थानीय यात्रियों को सुविधा तो मिलेगी ही क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

मैट्रिक परीक्षा में पेपर नहीं दिखाया तो दो छात्रों को मारी गोली, एक की मौत, दूसरा गंभीर

रोहतास (एजेंसियां)। रोहतास में बदमाशों ने मैट्रिक की परीक्षा देकर घर लौट रहे ऑटो सवार दो परीक्षार्थियों को गोली मार दी। गोली लगने से घायल एक छात्र अमित कुमार की शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। जिसका इलाज चल रहा है। इन दोनों का कसूर सिर्फ इतना था कि दोनों ने परीक्षा देते वक्त अपना पेपर दिखाने से मना किया था। और, आरोपी छात्रों को नकल करने से मना किया था। दोनों परीक्षार्थी डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मंजूबीघा गांव के निवासी हैं और दोनों एक साथ ही मैट्रिक की

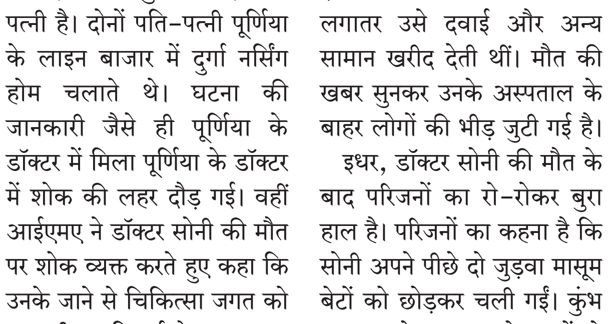

परीक्षा देकर गुरुवार शाम वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया।

इधर, एक छात्र की मौत के बाद शुक्रवार की सुबह परिजन आक्रोशित हो गए और राष्ट्रीय राजमार्ग 19 को जामकर प्रदर्शन किया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही डेहरी एएसपी कोटा किरण कुमार सहित आसपास के थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया। गुस्साए लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन कर रहे लोगों को किसी तरह समझा बुझाकर सड़क से दूर हटाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल भेज दिया गया। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगभग 1 घंटे तक की यातायात बाधित रहा। जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई।

बताया जाता है कि दोनों परी-क्षार्थी सासाराम के बुढ़न मोड़ स्थित संत अन्ना स्कूल में मैट्रिक की परीक्षा देने आए थे। परीक्षा के दौरान हीं स्कूल में नकल को लेकर कुछ छात्रों के साथ दोनों का विवाद हुआ और इसी विवाद में कुछ छात्रों ने घर लौट रहे दोनों परीक्षार्थियों को मां ताराचंडी धाम के समीप गोली मार दी। आननफानन में स्थानीय लोगों की मदद से एक परीक्षार्थी को इलाज के लिए नारायण मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जबकि दूसरे को सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर लाया गया। जहां ट्रामा सेंटर में तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वहीं ट्रामा सेंटर में आए घायल के संदर्भ में चिकित्सक राजेश कुमार ने बताया कि युवक को पीठ में गोली लगी है और मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अमित कुमार शंभू बीघा गांव निवासी मंजू यादव का पुत्र था। वहीं दूसरा उसी गांव के कमलेश सिंह का 16 वर्षीय पुत्र संजीत कुमार है।

गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र के कवई गांव में एक गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मृतका के पति को हिरासत में लिया है। मृतका की पहचान 23 वर्षीय आरती देवी के रूप में हुई है, जो कवई गांव निवासी अमरजीत सोनी की पत्नी थी।

मृतका के मायके वालों के अनुसार, आरती की शादी 27 फरवरी 2022 को बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के कतालपुर गांव निवासी देवेंद्र साह ने उचकागांव के कवई गांव के अमरजीत सोनी से कराई थी। शादी में दो लाख रुपये नकदी और बुलेट बाइक की मांग की गई थी, लेकिन मायके वालों ने नकद राशि के साथ स्प्लेंडर बाइक के पैसे दिए थे। इसी को लेकर सस-ुराल पक्ष नाराज था और आरती को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।

आरती के भाई रंजन सोनी ने बताया कि शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। ससुराल वाले बार-बार बुलेट बाइक की मांग कर रहे थे और इसी को लेकर उसकी बहन के साथ मारपीट की जाती थी। कई बार मायके वालों ने सुलह करवाने की कोशिश की, लेकिन हर बार समझौता कराकर मामला दबा दिया गया।

परिवारवालों ने बताया कि आरती दो दिन पहले अपने मायके आई थी, क्योंकि उसकी बुआ की बेटी की शादी थी। लेकिन बुधवार रात उसके पति ने उसे जबरन ससुराल वापस ले जाने की जिद की। मायके वालों ने रात होने के कारण रोकने की कोशिश की, लेकिन अमरजीत उसे अपने साथ ले गया।

रंजन सोनी ने बताया कि गुरुवार सुबह अचानक आरती के देवर का फोन आया और उसने कहा कि उसकी तबीयत खराब है। पहले तो उसने इधर-उधर की बातें की, जिससे शक हुआ। जब परिवारवालों ने आरती के ससुराल जाकर देवर से पूछा, तो उसने कहा कि वे सदर अस्पताल में हैं। जब परिवारवाले अस्पताल पहुंचे, तो देखा कि आरती का शव पड़ा था और ससुराल पक्ष के सभी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com